UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून...

# करण वाणी

4 आदिवासियों की विरासत सहेजने की जरुरत

5 प्रभारी मंत्री जनपदीय अधिकारियों के...

6 प्रभारी मंत्री जनपदीय अधिकारियों के ...

● वर्ष : 10 ● अंक : 03 ● लखनऊ, सोमवार 11 अगस्त 2025 ● मूल्य : 2 रु. ● पृष्ठ : 08

# ₹300 सस्ता एलपीजी सिलेंडर

## केन्द्र सरकार ने 12060 करोड़ किया मंजूर

### पीएम उज्ज्वला योजना का उद्देश्य जनता के जीवन में बदलाव लाना

कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य जनता के जीवन में बदलाव लाना है। अब तक 10.33 करोड़ उज्ज्वला कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पीएम उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए 12,060 करोड़ रुपये की सहायता को मंजूरी दी है।

**खुशखबरी**

एजेंसी

**नई दिल्ली।** केंद्रीय कैबिनेट ने पीएम उज्जवला योजना के लिए 12060 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। साल 2016 में शुरू की गई इस स्कीम के तहत 10 करोड़ से ज्यादा लाभार्थियों को सामान्य ग्राहकों के मुकाबले 300 रुपये सस्ता एलपीजी सिलेंडर मिलता है। देश की राजधानी दिल्ली में एक सामान्य ग्राहक के लिए 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 853 रुपये है। वहीं, उज्जवला योजना के तहत लाभार्थियों को 300 रुपये की सब्सिडी के साथ 553 रुपये में एलपीजी सिलेंडर दिया जाता है। बता दें कि सिलेंडर की कीमत हर राज्य में अलग-अलग हो सकती है। बीते एक मई को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के नौ वर्ष पूरे हो गए हैं। मई 2016 में शुरू की गई पीएमयूवाई योजना के लाभार्थी को 14.2 किलोग्राम के एलपीजी सिलेंडर पर साल में अधिकतम नौ बार रिफिल के लिए 300 रुपये की सब्सिडी मिलेगी, जबकि 5 किलोग्राम के सिलेंडर पर समानुपातिक लाभ मिलेगा। इस कदम का उद्देश्य कम आय वाले

## 30,000 करोड़ रुपये की राहत तेल कंपनियों को मिली

परिवारों के लिए एलपीजी को और अधिक किफायती बनाना और वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव के बावजूद इसका निरंतर उपयोग सुनिश्चित करना है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि सरकार ने अंडर रिकवरी के लिए तीन सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 30,000 करोड़ रुपये की सरकारी मदद को मंजूरी दी है। ये सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड हैं। वैष्णव ने कहा कि यह सपोर्ट मौजूदा जियो पॉलिटिक्स आउटलुक के अलावा तेल और गैस क्षेत्र की अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए दिया गया है। तेल कंपनियों में मुआवजे का वितरण पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा किया जाएगा। सरकार ने कहा कि मुआवजे का भुगतान बारह किस्तों में किया जाएगा। सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक एलपीजी की अंतरराष्ट्रीय कीमतें 2024-25 से ऊंची बनी हुई हैं। उपभोक्ताओं पर उतार-चढ़ाव की कीमतों का बोझ डालने से बचने के लिए तेल विपणन कंपनियों को काफी नुकसान हुआ। इसके बावजूद तेल विपणन कंपनियों ने देश में सस्ती कीमतों पर घरेलू एलपीजी की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की।

### मरक्कनम-पुडुचेरी राष्ट्रीय राजमार्ग को 4 लेन का बनाने की मंजूरी दी

केंद्र सरकार ने शुक्रवार को तमिलनाडु में मरक्कनम-पुडुचेरी राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन का बनाने की परियोजना को मंजूरी दे दी। इस परियोजना पर कुल 2,157 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। फिलहाल, चेन्नई, पुडुचेरी विलुप्पुरम और नागपट्टिनम के बीच संपर्क मौजूदा 2-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 332 और उससे जुड़े राज्य राजमार्गों पर निर्भर है। इस पर भारी यातायात के कारण, विशेष रूप से घनी आबादी वाले इलाकों और गलियारे के साथ प्रमुख कस्बों में, काफी भीड़भाड़ हो जाती है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मरक्कनम से पुडुचेरी तक एनएच-332ए के लगभग 46 किलोमीटर हिस्से को 4-लेन में अपग्रेड किया जाएगा।

### बिहार में मतदाता सूची के प्रारूप में 65 लाख नामों का अंतर

**पटना/नई दिल्ली।** बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान प्रारूप मतदाता सूची में 65 लाख नामों का अंतर दर्ज किया गया है। चुनाव आयोग ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर इस अंतर की वजह स्पष्ट की। आयोग के अनुसार, कुल आठ करोड़ मतदाताओं के लिए नामांकन प्रपत्र वितरित और डाउनलोड किए गए थे, जिनमें से 7.24 करोड़ प्रपत्र ही बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा संग्रहित किए जा सके। आयोग ने बताया कि शेष मतदाताओं के फॉर्म इसलिए नहीं मिले क्योंकि वे अन्य राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता बन गए थे, या अस्तित्व में नहीं पाए गए, या 25 जुलाई तक फॉर्म जमा नहीं किया, या किसी कारणवश मतदाता के रूप में पंजीकरण के इच्छुक नहीं थे।

# अध्यादेश पर सुप्रीम रोक

## बांके बिहारी मंदिर पर योगी सरकार को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट ने अध्यादेश पर लगाई रोक

एजेंसी

**नई दिल्ली।** वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर पर योगी सरकार को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने यहां के प्रबंधन और समिति बनाने संबंधी अध्यादेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन स्थित प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर पर प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर राज्य सरकार द्वारा जारी अध्यादेश तब तक लंबित रहेगा, जब तक उच्च न्यायालय इसकी संवैधानिक वैधता पर फैसला नहीं कर लेता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश 2025 को चुनौती देने वाली और वृंदावन में श्री बांके बिहारी मंदिर कॉरिडोर विकसित करने की राज्य की महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी देने वाले 15 मई के आदेश को वापस लेने संबंधी याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने कहा कि वह समन्वय पीठ के 15 मई के उस आदेश में संशोधन करेगी, जिसमें श्रद्धालुओं के लिए होल्डिंग एरिया विकसित करने के वास्ते देवता के नाम पर पांच एकड़ भूमि अधिग्रहण करने को लेकर मंदिर के धन का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। न्यायालय ने कहा कि वह मंदिर के दैनिक संचालन के लिए एक उच्चस्तरीय समिति गठित करेगी, जिसकी अध्यक्षता उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे तथा इसमें स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और गोस्वामी समुदाय के सदस्य भी शामिल होंगे।

> हम इस अध्यादेश को तब तक स्थगित रखेंगे, जब तक उच्च न्यायालय इसकी वैधता पर निर्णय नहीं देता। अध्यादेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देने वाली याचिकाएं भी उच्च न्यायालय को भेजी जाएंगी।
>
> न्याय पीठ

# 200 हल्के हेलीकॉप्टरों की होगी खरीद

## चेतक और चीता की खेप बदली जाएगी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** रक्षा मंत्रालय ने पुराने चेतक और चीता हेलीकॉप्टरों को बदलने का फैसला लिया है। इसके लिए लगभग 200 आधुनिक हल्के हेलीकॉप्टर खरीदने की तैयारी है, जिन्हें रिकॉनिसन्स एंड सर्विलांस हेलीकॉप्टर कहा जाता है। ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और वायुसेना दोनों के लिए होंगे, जिसमें सेना को 120 और वायुसेना को 80 हेलीकॉप्टर सौंपे जाएंगे। मंत्रालय ने इसके लिए रिक्वेस्ट फॉर इन्फॉर्मेशन जारी किया है, ताकि तकनीकी जरूरतों को अंतिम रूप दिया जाए, खरीद का तरीका तय हो और भारतीय कंपनियों सहित संभावित आपूर्तिकर्ताओं की पहचान की जाए, जो विदेशी निर्माताओं के साथ मिलकर ये हेलीकॉप्टर बना सकें। रिपोर्ट के मुताबिक, ये हेलीकॉप्टर दिन-रात कई तरह के काम करेंगे। जैसे कि टोही और निगरानी, छोटी सैन्य टुकड़ियों या विशेष मिशन के लिए क्विक रिएक्शन टीमें ले जाना, जमीन पर मिलिट्री ऑपरेशन में मदद करना, सामान ढोना, हमलावर हेलीकॉप्टरों के साथ स्काउटिंग, घायलों को निकालना, खोज व बचाव कार्य और जरूरत पड़ने पर नागरिक प्रशासन की सहायता करना। मार्च में भारतीय वायुसेना ने पहले ही यूटिलिटी हेलीकॉप्टरों सहित अन्य रक्षा उपकरण खरीदने की योजना बनाई थी। रक्षा समिति की ओर से इसे लेकर संसद में रिपोर्ट पेश की गई थी। इसके अनुसार, 2025-26 के लिए तय खरीद में लो-लेवल रडार, लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट, लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्ट, मल्टीरोल हेलीकॉप्टर और किराए पर मिड-एयर रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट शामिल हैं।

### 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर खरीदने की मंजूरी

कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड से 156 लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर खरीदने की मंजूरी दी है, जिनकी कीमत 45 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। ये हेलीकॉप्टर भारतीय सेना और वायुसेना के बीच बांटे जाएंगे और चीन व पाकिस्तान की सीमाओं पर ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल होंगे। रक्षा सूत्रों के अनुसार, इससे देश में नौकरियां बढ़ेंगी और एयरोस्पेस क्षेत्र का विकास होगा।

# ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे मेक इन इंडिया का हाथ

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर रविवार को बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के पीछे इंडियन टेक्नोलॉजी और मेक इन इंडिया का हाथ था, जिसने कुछ ही घंटों में पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया ने पहली बार ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत का नया चेहरा देखा, जब उसने पाकिस्तान के भीतर आतंकी ठिकानों को नष्ट करने में अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में बेंगलुरु और उसके युवाओं की अहम भूमिका थी। वहीं, थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर किसी भी पारंपरिक मिशन से अलग था और यह शतरंज की बाजी जैसा था क्योंकि हमें नहीं पता था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी। जनरल द्विवेदी ने इसे शतरंज की बाजी बताया। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर में हमने शतरंज की बाजी खेली। इसका क्या मतलब है? इसका मतलब है कि हमें नहीं पता था कि दुश्मन की अगली चाल क्या होगी और हम क्या करने वाले हैं। इसे हम ग्रे जोन कहते हैं। ग्रे जोन का मतलब है कि हम पारंपरिक ऑपरेशन नहीं कर रहे, लेकिन हम कुछ ऐसा कर रहे हैं जो पारंपरिक ऑपरेशन' से थोड़ा हटकर हो।'

# आग: 25 करोड़ का नुकसान

**भीषण आग**

करण वाणी न्यूज

**मैनपुरी।** मैनपुरी के बेवर के गांव करपिया स्थित मशरूम उत्पादन केंद्र में रविवार सुबह आग लग गई। जब तक जानकारी हुई, तब तक आग प्लांट में फैल चुकी थी।

फायर बिग्रेड कर्मी आग बुझाने के प्रयास में जुट गए, काबू न होने पर आगरा और कानपुर से हाइड्रोलिक मशीनें मंगाई गईं। करीब आठ घंटे की मशक्कत के बाद शाम करीब चार बजे लगा कि लपटों पर काबू पा लिया गया है, लेकिन शाम छह बजे फिर से लपटें दिखाई देने लगीं। दमकल की टीम मौके पर आग बुझाने में जुटी हैं। बेवर निवासी मनोज सिंह ने कुछ वर्ष पहले करपिया में कोल्ड स्टोर की शुरुआत की थी। बाद में कोल्ड स्टोर को मशरूम उत्पादन केंद्र बना दिया। देखरेख का जिम्मा कमलेश कुमार सिंह के पास है। रविवार सुबह गार्ड राजन बिजली बंद करने लिए प्लांट में गया तो धुआं उठता देख शोर मचाया। रक्षाबंधन के चलते अधिकतर कर्मचारी अवकाश पर थे। मशीन ऑपरेटर ने तुरंत ही बिजली काट दी। प्लांट के मैनेजर रोहतक निवासी सत्यवीर ने प्लांट मालिक को आग लगने की जानकारी दी। इसके बाद दमकल के कई वाहन करपिया स्थित मशरूम उत्पादन केंद्र पहुंच गए।

मगर, तब तक आग ने केंद्र को चारों ओर से घेर लिया था। आग की लपटें और धुएं का गुबार उठ रहा था।

### मशरूम उत्पादन केंद्र में भीषण आग, आठ घंटे बाद भी लपटों पर नहीं काबू

### नीदरलैंड की टेक्नोलॉजी से बना है कोल्ड स्टोर

कोल्ड स्टोर की बिल्डिंग का निर्माण नीदरलैंड की टेक्नोलॉजी पर किया गया था। बाद में इसे मशरूम उत्पादन केंद्र का रूप दे दिया गया। मशरूम प्लांट को ठंडा रखे जाने के लिए कूलिंग सिस्टम लगा है, आग से कूलिंग सिस्टम में काफी नुकसान हुआ है।

दमकल वाहनों से कर्मियों ने आग को बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए, मगर आग बुझने की बजाय भड़कती जा रही थी।

### प्लांट में 10 ब्लॉक में बने हैं 70 कमरे

करपिया में मशरूम उत्पादन केंद्र सात मंजिल का बना हुआ है, 10 ब्लॉक करीब 70 कमरे बने हुए हैं। इनमें मशरूम का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। प्लांट में प्रतिदिन चार से पांच टन मशरूम दिल्ली आजादपुर मंडी, लखनऊ और गोरखपुर की मंडियों में बिक्री के लिए भेजा जाता था। प्लांट में करीब 60 नियमित कर्मचारी हैं। शनिवार को रक्षा बंधन की वजह से अधिकतर कर्मी छुट्टी पर थे। उत्पादन केंद्र में 10 से अधिक कर्मी दैनिक मजदूरी पर कार्य करते हैं।

## जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा की चार सीटें खाली

**जम्मू।** उपराष्ट्रपति चुनाव के दौरान जम्मू-कश्मीर से राज्यसभा की 4 सीटें खाली रहेंगी। 17वें उपराष्ट्रपति का चुनाव 15 सितंबर को होगा। केंद्र शासित प्रदेश की चार सीट रिक्त हैं, क्योंकि निर्वाचन आयोग ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने के लगभग 10 महीने बाद भी रिक्तियों को भरने के लिए चुनाव नहीं कराए हैं। विधायक अपने-अपने राज्यों के राज्यसभा सदस्यों का चुनाव करते हैं। केंद्र शासित प्रदेश का संसद के उच्च सदन में 15 फरवरी, 2021 से कोई प्रतिनिधित्व नहीं है, जिस दिन गुलाम नबी आजाद और नजीर अहमद लावे ने अपना कार्यकाल पूरा किया था। दो अन्य सदस्यों-फयाज अहमद मीर और शमशीर सिंह मन्हास ने उसी वर्ष 10 फरवरी को अपना कार्यकाल पूरा किया था।

# चार मंदिर और तीन धर्मशालाएं बहीं, फसलों को नुकसान

**बाढ़ से तबाही**

करण वाणी न्यूज

**बुलंदशहर।** लगातार बढ़ रहे जलस्तर से अब गंगा रौद्र रूप ले चुकी है। यूपी के बुलंदशहर स्थित सिद्धबाबा घाट पर चार मंदिर व दो धर्मशाला पानी में समा गईं। घाट पर बनी करीब 10 मीटर सीसी सड़क भी बह गई। पानी खेतों से 10 गांवों की ओर बढ़ने के साथ रास्तों पर पहुंच गया, जिससे परेशानी बढ़ गई। नरौरा बैराज पर पानी खतरे के निशान से 62 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया। अभी जलस्तर और बढ़ने की संभावना है। फसलों को लेकर किसान चिंतित हैं। वन विभाग की ओर से गंगा किनारे लगाए गए हजारों पौधे भी पानी में बह गए। प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। गंगा बैराज पर गंगा नदी का जल स्तर लगातार बढ़ते हुए खतरे के निशान को पार करते निशान से 62 सेमी ऊपर चल रहा है। बैराज से गंगा नदी की डाउनस्ट्रीम में 305041 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। 2.50 लाख पानी की निकासी होने पर बैराज पर गंगा का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंच जाता है। सिंचाई विभाग हेड वर्क्स के एसडीओ अंकित सिंह ने बताया कि बेराज से नदी की डाउनस्ट्रीम में 305041 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। बैराज पर ढाई लाख क्यूसेक पानी की निकासी होने पर जलस्तर खतरे के निशान पर होता है। सिंचाई विभाग ने बैराज व तटबंधों पर अलर्ट जारी किया है। जो कि समुद्र तल 179.38 मीटर है। जल स्तर समुद्र तल से 178.765 मीटर होने पर जल स्तर खतरे के निशान पर पहुंचता है। उधर, अनूपशहर में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। पिछले 24 घंटों में करीब 2 फीट की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सिंचाई विभाग के जेई उमेश कुमार ने बताया कि बिजनौर बैराज से रविवार सुबह 1.30 लाख क्यूसेक पानी और छोड़ा गया है। इससे भी जलस्तर में और बढ़ोतरी होगी। अहार के सैद घूरे घटटी की नई बस्ती में बसे आसिफ, मोनिस, इरफान व अनस के घरों के दरवाजों के आगे गंगा का पानी पहुंच गया। पानी लगातार बढ़ रहा है।

### एलजीसी व पीएलजीसी नहरें की गई बंद

नरौरा गंगा बैराज से निकली एलसीसी पीएलजीसी नहरों को बाढ़ के दौरान गंगा नदी में भारी मात्रा में मिट्टी सिल्ट पानी के साथ आने के कारण दोनों नहरे का संचालन रोक दिया गया है। अधिकारियों ने बताया की अधिक मात्रा में सिल्ट नहर में जमा होने की आशंका के कारण एलसीसी व पीएलजीसी नहरें बंद कर दी गई हैं। पानी के साफ होने के बाद ही अब इन नहरों में पानी छोड़ा जाएगा।

### गंगा ने लिया रौद्र रूप

पहाड़ों में हो रही बारिश और बिजनौर बैराज से लगातार छोड़े जा रहे पानी से गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अहार में रविवार को गंगा ने रौद्र रूप ले लिया। सिद्ध बाबा गंगा घाट के किनारे पर बने गंगा मंदिर, हनुमान मंदिर, गुरु गोरखनाथ मंदिर, जाहरवीर बाबा मंदिर और श्रद्धालुओं को ठहरने के लिए बनी दो धर्मशालाओं को गंगा ने अपने आगोश में ले लिया। इसके साथ अनेक पेड़ भी गंगा में बह गए। यहां कटान तेज है और लगातार बढ़ते जलस्तर को देखते हुए क्षेत्र के लोगों की चिंता बढ़ गई है। बताया कि घाट पर देवी मंदिर शेष बचा है और इसके भी बह जाने संभावना है।

# राबर्ट वाड्रा पर 58 करोड़ की अवैध कमाई का आरोप

**ईडी**

एजेंसी

**नई दिल्ली।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दायर चार्जशीट में दावा किया है कि उन्होंने 58 करोड़ रुपये की अपराध से कमाई हासिल की। यह रकम दो कंपनियों के जरिए आई। ईडी का कहना है कि इस धन का इस्तेमाल वाड्रा ने संपत्तियां खरीदने, निवेश करने और अपनी कंपनियों के कर्ज चुकाने में किया।

ईडी के मुताबिक, आरोपित 58 करोड़ रुपये में से 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड के जरिए और 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए आए। दोनों कंपनियां वाड्रा के कारोबारी नेटवर्क से जुड़ी बताई गई हैं। जांच एजेंसी ने कहा कि यह रकम शेड्यूल अपराध से उत्पन्न हुई थी, यानी उस स्रोत से जो पहले से अपराध घोषित है। चार्जशीट में कहा गया है कि वाड्रा ने इस रकम का उपयोग कई तरह से किया। इनमें अचल संपत्ति की खरीद, अलग-अलग क्षेत्रों में निवेश, कंपनियों को लोन देने और समूह की कंपनियों के बकाया चुकाने जैसी गतिविधियां शामिल हैं। ईडी का कहना है कि ये सभी गतिविधियां कथित तौर पर अवैध कमाई से की गईं, जो मनी लॉन्ड्रिंग के तहत अपराध मानी जाती हैं।

# यूपी के 27 जिलों में फाइलेरिया उन्मूलन अभियान का आगाज

**28 अगस्त तक डोर टू डोर चलेगा कंपैन**

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में रविवार से 27 जिलों के 195 ब्लॉक में लिम्फेटिक फाइलेरियासिस अभियान का आगाज हुआ। इन जिलों में जनप्रतिनिधियों ने दवा खाकर अभियान की शुरुआत की। मकसद साल 2027 तक यूपी को फाइलेरिया फ्री बनाना के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। शिक्षा विभाग विभिन्न स्कूल-आधारित गतिविधियों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाकर इस अभियान में सक्रिय रूप से योगदान दे रहा है। शिक्षक छात्रों को फाइलेरिया की रोकथाम के बारे में शिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इस शिक्षा को दैनिक दिनचर्या में शामिल किया जाएगा, जहां शिक्षक प्रार्थना सभाओं के दौरान फाइलेरिया की रोकथाम के महत्व को समझाएँगे। इस दृष्टिकोण का उद्देश्य एमडीए अभियान में अभिभावकों की भागीदारी और समर्थन को प्रोत्साहित करना है। खाद्य-नागरिक आपूर्ति विभाग भी अभियान के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी के प्रसार में सक्रिय रूप से शामिल है। यह जानकारी राशन की दुकानों पर रणनीतिक रूप से साझा की जाएगी, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आबादी के एक बड़े हिस्से तक पहुंच हो। अभियान का उद्देश्य उन परिवारों को अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है जो इस अभियान से हिचकिचा रहे हैं। प्रमुख सचिव ने अभियान के महत्व को रेखांकित किया है और इस बात पर जोर दिया है कि यह फाइलेरिया के दुर्बल करने वाले प्रभावों के विरुद्ध महत्वपूर्ण निवारक उपाय है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अभियान की सफलता व्यापक जनभागीदारी और सहयोग पर निर्भर करती है। फाइलेरिया, संक्रमित क्यूलेक्स मच्छरों के काटने से फैलने वाला रोग है, जिसके लक्षण अक्सर सूजन और दूधिया पेशाब आने के काफी समय बाद, आमतौर पर 10-15 साल बाद दिखाई देते हैं। हालांकि, फाइलेरिया वर्तमान में लाइलाज है, लेकिन पांच साल तक दी जाने वाली वार्षिक दवा इस रोग की शुरुआत को प्रभावी ढंग से रोक सकती है।

# गंभीर बीमारियों के इलाज में भरपूर मदद करेगी सरकार : मुख्यमंत्री

**गोरखनाथ मंदिर में 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं सीएम योगी ने**

**अधिकारियों को दिए त्वरित व संतुष्टिपरक निस्तारण के दिए निर्देश**

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ/ गोरखपुर।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग करने पहुंचे लोगों को आश्वस्त किया कि वह बिना चिंता किए अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, सरकार उनकी भरपूर आर्थिक मदद करेगी। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी। सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके इस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार शाम गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद रविवार सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों से एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने होने की आवश्यकता नहीं है। हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। एक महिला की गुहार पर उन्होंने अफसरों को उक्त महिला को जमीन का पट्टा देने का निर्देश दिया।

जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने सभी को भरोसा दिया कि उनकी सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी।

# मायावती ने बसपा के इकलौते एमएलए उमाशंकर सिंह को बांधी राखी

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** रक्षाबंधन के पर्व पर बसपा सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने पार्टी के एकमात्र विधायक उमाशंकर सिंह को राखी बांधकर अनोखे अंदाज में भाई-बहन के रिश्ते की मिसाल पेश की। खास बात यह रही कि उमाशंकर सिंह ने इस मौके पर मास्क पहन रखा था, जिसकी तस्वीरें उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर साझा कीं। बलिया की रसड़ा सीट से विधायक उमाशंकर सिंह ने इस अवसर को बेहद भावुक और सौभाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज रक्षाबंधन के पावन अवसर पर आदरणीय बहन मायावती जी ने मुझे राखी बांधकर अपना आशीर्वाद दिया। यह मेरे लिए ईश्वरीय कृपा के समान है। उमाशंकर सिंह, जो बसपा के इकलौते विधायक हैं, मायावती के करीबी माने जाते हैं। कुछ समय पहले जब उनकी तबीयत बिगड़ी थी, तब खुद मायावती ने उनके लखनऊ आवास पर जाकर उनका हालचाल लिया था। बसपा को 2022 के विधानसभा चुनाव में केवल एक सीट पर जीत मिली थी, जो उमाशंकर सिंह की रसड़ा सीट थी। वह हाथी के प्रतीक के साथ चुनाव जीतने वाले इकलौते बसपा नेता हैं। दिलचस्प बात यह भी है कि उमाशंकर सिंह के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी अच्छे संबंध माने जाते हैं। इस राखी कार्यक्रम के जरिए मायावती ने न सिर्फ उमाशंकर सिंह को सम्मानित किया, बल्कि बसपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों को भी एक भावनात्मक संदेश दिया कि संगठन में अपनापन और व्यक्तिगत जुड़ाव आज भी जिंदा है।

# अटल जी की पुण्यतिथि पर होगा काव्य समागम

**16 अगस्त को केजीएमयू के अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में होगा श्रद्धांजलि समारोह, डिप्टी सीएम ने दी जानकारी**

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** श्रद्धेय पंडित अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा अटल जी की पुण्यतिथि पर 16 अगस्त को श्रद्धांजलि समारोह एवं काव्य समागम का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दी।

रविवार को राजभवन कॉलोनी में आहूत बैठक में श्रद्धेय पंडित अटल बिहारी वाजपेयी मेमोरियल फाउंडेशन द्वारा अटल जी की पुण्यतिथि पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम की रूपरेखा पर चर्चा हुई। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि 16 अगस्त की शाम चार बजे से केजीएमयू स्थित अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में श्रद्धांजलि समारोह एवं काव्य समागम का आयोजन किया जा रहा है। सुप्रसिद्ध कवि सुरेंद्र शर्मा द्वारा काव्य पाठ किया जाएगा।

उन्होंने जानकारी दी कि आयोजन के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश अध्यक्ष भाजपा भूपेंद्र चौधरी, संगठन मंत्री भाजपा धर्मपाल सिंह, राजसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा होंगे। डिप्टी सीएम ने बताया कि इस कार्यक्रम में अटल जी से जुड़ी यादों को साझा किया जाएगा। प्रदेश भर से लोग इस आयोजन में आएंगे।

बैठक में भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह, त्र्यंबक त्रिपाठी, महानगर अध्यक्ष भाजपा आनंद द्विवेदी, अखिल भारतीय भोजपुरी समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनाथ राय, पार्षद अनुराग मिश्रा, मनीष शुक्ला, शिव शंकर अवस्थी, रमेश तूफानी, सुशील दुबे, अंजनी कुमार शुक्ला, संजय सिंह, लाल बहादुर राय, सतीश कुमार पांडे, पूर्व पुलिस महानिदेशक सूर्यकुमार शुक्ला, डॉ. केके सिंह, मनीष दीक्षित, एमपी दीक्षित एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

# एक गाय के गोबर से 5500 किलोमीटर बिना प्रदूषण फैलाए चलेगी कार

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में सीएम योगी आदित्यनाथ के विजन और गऊ माता की कृपा से अब ग्रामीण अर्थव्यवस्था नई रफ्तार पकड़ने जा रही है। प्रदेश में पहली बार गाय के गोबर से इतने बड़े पैमाने पर मीथेन तैयार की जाएगी, जो वाहनों को लंबी दूरी तक चलाने के साथ-साथ ग्रामीण रोजगार और हरित अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगी। विशेषज्ञों का कहना है कि एक गाय के गोबर से सालाना 225 लीटर पेट्रोल के बराबर मीथेन गैस तैयार होगी। इसे शुद्ध कर सीबीजी में बदला जाएगा, जिससे एक कार 5500 किलोमीटर से भी अधिक दूरी तय कर सकेगी। उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में निराश्रित गोवंश से रोजाना औसतन 54 लाख किलोग्राम गोबर प्राप्त होता है। इस गोबर को सीबीजी संयंत्रों में प्रोसेस किया जा सकेगा, जिसका इस्तेमाल मीथेन बनाने से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में खाना पकाने, लघु उद्योगों में हीटिंग ईंधन और प्राकृतिक खेती में जैविक घोल के रूप में किया जाएगा। इससे लाखों रुपये तक की सालाना कमाई संभव होगी। गो सेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि यह मीथेन फार्मिंग आने वाले समय में जीवाश्म ईंधनों का विकल्प बन सकती है। यह योजना कचरे से कंचन की अवधारणा को बढ़ावा दे रही है, जो परिवहन और हरित अर्थव्यवस्था के लिए प्रभावी ईंधन उपलब्ध कराएगी। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि एक गोवंश के गोबर से तैयार मीथेन प्राकृतिक गैस का ही एक रूप है, जो पर्यावरण अनुकूल और किफायती भी है।

# सीएम योगी ने विधानभवन के प्रवेश द्वार के नवीनीकृत गुंबद का किया लोकार्पण, सर्वदलीय बैठक में लिया हिस्सा

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल के मानसून सत्र से पहले रविवार को विधान भवन के प्रवेश द्वार पर नए गुंबद और सभा मंडप का लोकार्पण किया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने नवीनीकृत सभा कक्ष संख्या-15 और अतिविशिष्ट जलपान गृह का भी उद्घाटन किया। साथ ही उन्होंने मानसून सत्र को लेकर सर्वदलीय बैठक में हिस्सा लिया। सोमवार से विधानमंडल के मानसून सत्र की शुरुआत होगी।

विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने रविवार को मानूसन सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें मुख्यमंत्री के साथ सत्ता पक्ष और विपक्ष के कई प्रमुख नेता उपस्थित थे। इस दौरान कई बिंदुओं पर चर्चा हुई। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष महाना, वित्त एवं संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना, नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय के अलावा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल निषाद पार्टी के अध्यक्ष और उप्र सरकार के मंत्री संजय निषाद, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष और पंचायत राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर, कांग्रेस विधायक दल की नेता आराधना मिश्रा, बसपा विधायक दल नेता उमाशंकर सिंह, जनसत्ता दल (लोकतांत्रिक) विधायक दल के नेता कुंवर रघुराज प्रताप सिंह आदि मौजूद रहे।

# नेताओं-अधिकारियों संग मनाया रक्षाबंधन

**डिप्टी सीएम-विधानसभा अध्यक्ष को बांधी राखी**

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** रक्षा बंधन के पावन पर्व पर राजधानी लखनऊ में भाई-बहन के रिश्ते की मिठास और प्रेम का माहौल छा गया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, पीएसी मुख्यालय में एडीजी पीएसी की मौजूदगी में ब्रह्मकुमारीज, जानकीपुरम सेवा केंद्र की टीम ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को राखी बांधी और प्रसाद वितरण किया। लखनऊ विधानसभा के कार्यालय कक्ष में अध्यक्ष सतीश महाना को महिला उत्थान समिति की बहनों ने रक्षा सूत्र बांधकर शुभकामनाएं दीं। अयोध्या के रुदौली से विधायक रामचंद्र यादव ने अपने लखनऊ आवास पर बहन से राखी बंधवाई।

उन्होंने कहा ÷रक्षाबंधन भाई-बहन के अटूट रिश्ते का प्रतीक है, जो प्रेम, विश्वास और जिम्मेदारी की याद दिलाता है। ब्रह्मकुमारी आश्रम की बहन राधा दीदी ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक को रक्षा सूत्र बांधकर पर्व की शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने इसे भाई-बहन के असीम स्नेह और सनातन संस्कृति का महापर्व बताया। लखनऊ में राजभवन में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा से रक्षाबंधन का पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने स्वयं विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, राजभवन के अधिकारी, कर्मचारी और आगंतुकों को स्नेह पूर्वक राखी बांधकर आशीर्वाद प्रदान किया। विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की। बच्चों ने राज्यपाल को राखी बंधवाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अपनी स्वनिर्मित राखियां भी उनको भेंट कीं। गुडंबा थाना में रक्षाबंधन का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। स्थानीय महिलाओं ने थाने पहुंचकर पुलिसकर्मियों को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। इस दौरान पुलिस स्टाफ ने भी राखी बांधने आई महिलाओं का सम्मान किया।

# रक्षाबंधन पर पहलवानों ने दांव-पेच दिखाए

**बजरंगबली का आशीर्वाद लेकर मैदान में उतरे**

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ में रक्षाबंधन पर 2 दिवसीय ईनामी दंगल का आयोजन हुआ। कैंट स्थित हरिशचंद्र इंटर कॉलेज प्रांगण में अखिल भारतीय मस्त पहलवान गुरुजी श्री राम चंद्र स्मारक की ओर से मुकाबले का आयोजन किया गया, जिसमें यूपी समेत अन्य जनपदों के पहलवानों ने हिस्सा लिया। अखाड़े में विभिन्न वर्गों के पहलवानों ने जोर अजमाइश करते हुए अपने विरोधी को चित किया।

दंगल प्रबंधक विकास चंद्र यादव ने बताया कि यूपी के विभिन्न जनपदों से पहलवान इस दंगल में जोर अजमाइश कर रहे हैं। इसके अलावा दिल्ली के गुरु हनुमान अखाड़ा और छत्रसाल स्टेडियम के कुश्ती प्रशिक्षु, हरियाणा के मनका अखाड़ा और पंजाब के दुष्यंत अखाड़े के पहलवानों ने दो-दो हाथ करने आए हैं। विकास यादव ने बताया कि हर वर्ष रक्षाबंधन पर्व इसका आयोजन होता है। तमाम पहलवानों को इस कुश्ती का शिद्दत से इंतजार रहता है।

राष्ट्रीय स्तर के दंगल की तैयारी 2 महीने पहले शुरू कर दी जाती है। दंगल में सबसे बड़ी कुश्ती जीतने वाले पहलवान को 51 हजार रुपए का इनाम मिलेगा और साथ में सोने का सिक्का दिया जाएगा। इसके अलावा 500 रुपए से लेकर 21 हजार तक 2 दिनों तक विभिन्न कुश्ती के मैच होते है, जिसमें खिलाड़ियों ने दांव पेज दिखाया और उन्हें इनाम से भी सम्मानित किया। विकास ने कहा दंगल में वह पहलवान विजेता होगा, जो प्रतिद्वंद्वी को चित करता है। मुकाबलों में अंकों का कोई प्रावधान नहीं है।

अगर परिणाम नहीं निकल पाता है तो दंगल में लगी कुल धनराशि का पचास प्रतिशत दोनों पहलवानों में बांट दिया जाएगा। शेष पचास प्रतिशत दंगल कमेटी के खाते में चला जाएगा। इससे धनराशि का उपयोग दूसरी कुश्ती में किया जाएगा।

## योगी ने दी संस्कृत सप्ताह की दी शुभकामनाएं, कहा, हर जगह करें संस्कृत का प्रचार-प्रसार

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के निवासियों को संस्कृत सप्ताह की बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा भारतीय संस्कृति और ज्ञान की नींव है। भारतीय परंपराओं को जीवित रखने के लिए संस्कृत का अध्ययन बेहद जरूरी है। उन्होंने आह्वान किया कि इस सप्ताह हम सभी संस्कृत के महत्व को समझें और इसके साहित्य व ज्ञान प्रवाह का आनंद लें। स्कूलों, घरों और हर संभव स्थान पर संस्कृत को बढ़ावा दें। राज्य सरकार संस्कृत शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है। सीएम योगी ने आगे कहा कि यह सप्ताह केवल एक उत्सव नहीं, बल्कि संस्कृत के पुनर्जनन का अवसर है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों को संस्कृत सप्ताह की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा, जय संस्कृत, जय भारत!

# संस्कृत दिवस और श्रावणी उपाकर्म पर विशेष आयोजन

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** हनुमान सेतु स्थित श्री बाबा नीम करौरी वेद विद्यालय में संस्कृत दिवस एवं श्रावणी उपाकर्म के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में वैदिक परंपरा की वैज्ञानिकता, संस्कृत भाषा की महत्ता और सांस्कृतिक विरासत पर विचार साझा किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत वेद विद्यालय के प्राचार्य डॉ. चंद्रकांत द्विवेदी के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने सभी आगंतुकों का अभिनंदन किया। डॉ. द्विवेदी ने संस्कृत को श्विज्ञान की जननीश् बताया। उन्होंने कहा कि यह भाषा केवल पूजन या श्लोकों की नहीं, बल्कि जीवन जीने की पद्धति है। सभा की अध्यक्षता इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रयाग नारायण मिश्र ने की। उन्होंने वेदों में छिपे विज्ञान पर प्रकाश डाला। उनके अनुसार वेद केवल आध्यात्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन के हर पहलू को स्पर्श करने वाले वैज्ञानिक ग्रंथ हैं। उन्होंने छः वेदांगों को आधुनिक विज्ञान की कसौटी पर खरा बताया। साथ ही संस्कृत अध्ययन को आनंद एवं आत्मबोध का माध्यम कहा। मुख्य वक्ता लखनऊ विश्वविद्यालय के डॉ. अशोक कुमार शतपथी ने श्रावणी उपाकर्म की वैज्ञानिकता पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने बताया कि श्रावण पूर्णिमा धार्मिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि जैविक और मानसिक विकास के लिए भी श्रेष्ठ काल है। उन्होंने चंद्रमा की स्थिति, वनस्पति की वृद्धि और स्मृति शक्ति के बीच संबंध को रोचक उदाहरणों से समझाया। कार्यक्रम के समापन पर वेद मंत्र श्लोकान्त्याक्षरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले ब्रह्मचारी छात्रों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वेद विद्यालय के शिक्षक, छात्र, उनके अभिभावक तथा संस्कृत प्रेमी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

# निजीकरण के खिलाफ बिजलीकर्मियों ने चलाया जनसंपर्क अभियान

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में बिजली के निजीकरण के खिलाफ जारी आंदोलन के 256वें दिन विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने रक्षा बंधन के अवसर पर आवासीय कॉलोनियों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान समिति के पदाधिकारियों ने आम जनता को निजीकरण से होने वाले संभावित नुकसान के बारे में बताया और समर्थन की अपील की।

संघर्ष समिति ने एक ऑनलाइन बैठक कर अब तक की गतिविधियों की समीक्षा की और आगे की रणनीति पर विचार किया। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने एकमत से यह संकल्प लिया कि जब तक बिजली निजीकरण का निर्णय पूरी तरह वापस नहीं लिया जाता, आंदोलन जारी रहेगा। इस बीच समिति ने यूपी पावर कॉर्पोरेशन प्रबंधन से पांच महत्वपूर्ण सवाल पूछते हुए सार्वजनिक जवाब की मांग की है।समिति ने आरोप लगाया कि निजी कॉर्पोरेट घरानों की सहूलियत के लिए सरकार ने पहले ही 45: संविदा कर्मियों को हटा दिया, जिससे भीषण गर्मी में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई। समिति ने सवाल उठाया कि क्या यह जानबूझकर बिजली व्यवस्था को बिगाड़ने की कोशिश है ताकि निजीकरण को उचित ठहराया जा सके?पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम की परिसंपत्तियों का मूल्यांकन किया गया है या नहीं, यह स्पष्ट नहीं किया गया है। समिति ने मांग की है कि यदि मूल्यांकन हुआ है तो उसे सार्वजनिक किया जाए, क्योंकि ये परिसंपत्तियां जनता की हैं।पावर कॉर्पोरेशन घाटे का हवाला देकर निजीकरण को उचित ठहरा रहा है, लेकिन समिति का कहना है कि सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी को घाटा बताना गलत है। अगर निजीकरण के बाद भी सरकार सब्सिडी देगी तो फिर सार्वजनिक क्षेत्र को देना बोझ क्यों? उड़ीसा का उदाहरण देते हुए समिति ने कहा कि वहां निजीकरण पूरी तरह विफल रहा है। टाटा पावर को भी खराब प्रदर्शन के चलते नोटिस मिल चुका है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में बिना ठोस योजना के 42 जिलों में निजीकरण लागू करना क्या समझदारी है। ऊर्जा मंत्री द्वारा 41: से घटकर 16.5: तक आई एटी एंड सी हानियों को उपलब्धि बताया गया है। तो फिर इस सुधार के बाद भी निजीकरण की क्या आवश्यकता है। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि ये सवाल सिर्फकर्मचारियों के नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के उपभोक्ताओं से जुड़े हैं।

## इस्कॉन मंदिर में धूमधाम से मनाया गया बलराम पूर्णिमा महोत्सव

**लखनऊ।** सुशांत गोल्फ सिटी स्थित इस्कॉन मंदिर में शनिवार को श्री बलराम पूर्णिमा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। मंदिर के अध्यक्ष अपरिमेय श्याम प्रभु जी ने अपनी कथा में बलराम जी के आविर्भाव के रहस्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि हमारे हृदय में भगवान का आविर्भाव तभी संभव है जब हम छह अनर्थों-काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद और मत्सर्य को समाप्त करें। यह केवल गुरु की शरणागति से ही संभव है। प्रभु जी ने बलराम जी की एक प्रमुख लीला का वर्णन किया। वृंदावन के बारह वनों में से एक तालवन में अति स्वादिष्ट फल पाए जाते थे। लेकिन कृष्ण-बलराम के सखा इन फलों का आनंद नहीं ले पाते थे। वहां धेनुकासुर नामक राक्षस गधे के रूप में रहता था। बलराम जी ने उसकी पूंछ पकड़कर चारों तरफ घुमाते हुए फेंककर उसका वध किया। अपरिमेय श्याम प्रभु जी ने बताया कि श्री बलराम जी अनंत ब्रह्मांडों का भार ग्रहण कर भगवान की सेवा करते हैं।

# जन्माष्टमी महोत्सव व निःशुल्क नेत्र शिविर 16 व 17 अगस्त को

करण वाणी न्यूज

**लखनऊ।** महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी चिदंबरानंद सरस्वती जी महाराज के केशवपुर मठ में 8 अगस्त से 16 अगस्त तक चल रहे जन्माष्टमी महोत्सव के दौरान 16 व 17 अगस्त को निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जनपद स्थित मठ में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर, जिसका आयोजन चिद साधना फाउंडेशन के संयोजन में किया जा रहा है। अत्यंत भव्य, दिव्य और अद्वितीय स्वरूप में हो रहा यह महोत्सव केवल एक धार्मिक अनुष्ठान न होकर आध्यात्मिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और सेवा की भावना का एक सजीव उदाहरण होगा। निरू शुल्क नेत्र शिविर के माध्यम सेगाँव और आसपास के क्षेत्रों के सैकड़ों लोगों को निःशुल्क नेत्र जांच, परामर्श और जरूरतमंदों को आगे के उपचार की सुविधा प्रदान की जाएगी। यह सेवा न केवल नेत्र स्वास्थ्य में सुधार लाएगी, बल्किग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण कदमहोगी। कई ऐसे लोग जो आर्थिक या भौगोलिक कारणों से चिकित्सा सुविधा से वंचित रहते हैं, उन्हें इस शिविर से सीधा लाभ मिलेगा। महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी चिदंबरानंद सरस्वती जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित यह महोत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान न होकर सामाजिक एकता, भाईचारा और नैतिक मूल्यों के प्रसार का एक मंच बनेगा। स्वामी जी के प्रवचन विशेष रूप सेयुवाओं, महिलाओं और परिवारोंके लिए होंगे, जिनमें वे जीवन में आने वाली चुनौतियों, भ्रमों और उनके समाधान पर सरल, व्यवहारिक और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से मार्गदर्शन देंगे।

## संक्षिप्त खबरें

### लखनऊ पुलिस ने 86 लोगों के मोबाइल बरामद किए

**लखनऊ।** लखनऊ कमिश्नरेट की दक्षिणी जोन पुलिस ने 86 लोगों को उनके गुम हुए मोबाइल फोन वापस लौटाए। शुक्रवार को मोबाइल पाकर लोगों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। लोगों ने कहा कि उन्होंने मोबाइल मिलने की उम्मीद छोड़ दी थी। पुलिस ने मोबाइल बरामद करके रक्षाबंधन का गिफ्ट दिया है। डीसीपी दक्षिण निपुण अग्रवाल ने बताया कि दक्षिणी जोन के थाना क्षेत्रों में जिन लोगों के मोबाइल गुम या चोरी हो रहे थे, उनकी जांच सर्विलांस सेल कर रही थी। सर्विलांस सेल के विशेषज्ञ हर रोज खोए मोबाइलों की लोकेशन खोजने की कोशिश करते थे। उनकी मेहनत रंग लाई और धीरे-धीरे उन्हें सफलता मिलने लगी। कुछ ही दिनों में सर्विलांस सेल ने खोए हुए 86 मोबाइल वापस खोज निकाले। दक्षिणी जोन कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में डीसीपी और एडीसीपी ने मोबाइल मालिकों को उनके फोन लौटाए।ये गुम हुए फोन लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, उन्नाव के अलावा पश्चिम बंगाल, बिहार, दिल्ली जैसे अन्य राज्यों से भी बरामद किए गए हैं। इन मोबाइलों की कुल कीमत करीब 13 लाख रुपए है।

### खाद के लिए दर- दर भटक रहे किसान

**लखनऊ।** किसानों को खाद और बीज के लिए दर दर भटकना पड़ रहा है। सरकार बराबर दावा कर रही है कि प्रदेश में न उर्वरक की कमी है न ही उन्नत किस्म के बीजों की।दावे हैं दावों का क्या,किये जाते हैं लेकिन धरातल पर हालात विषम और विपरीत हैं।न सहकारी समितियों पर पर्याप्त उर्वरक है और न ही खाद बीज के विक्रेताओं के पास पर्याप्त उर्वरक है। जिस भी दुकान पर खाद है, वो मनमानी कीमतों पर बेंच रहे हैं।निर्धारित दर पर बिक्री के केवल दावे किए जा रहे हैं। दुकानदार यूरिया के साथ कोई कीटनाशक या फिर जिंक अथवा कोई और रसायन जबरन महंगी दर पर बिना जरूरत खरीदने को मजबूर करते हैं। कृषि महकमे के आला ओहदेदार दफ्तरों से बाहर आने को राजी नहीं है। उर्वरक विक्रेताओं के यहां चेकिंग के नाम पर खानापूर्ति होती है। शिकायतें आती हैं जरूर लेकिन उन्हें तरजीह ही नही मिलती।सच यह है कि विभाग के जिम्मेदार हकीकत से वाकिफ हैं लेकिन मौन साधे रहते हैं। कालाबाजारी पर नियंत्रण नहीं है। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही बराबर दौरे कर रहे हैं। कहते हैं कि प्रचुर मात्रा में खाद उपलब्ध है। केंद्र से भी सहयोग मांगने के लिए दिल्ली दौरा कर चुके हैं। आये दिन प्रतिष्ठानों और खाद की दुकानों की औचक चेकिंग भी करने जा पहुंचते हैं।लेकिन अफसर तो कालाबाजारी करने वालों पर मेहरबान है।कृषि मंत्री बहराइच दौरे पर बाढ़ प्रभावित लोगों से मिलने पहुंचे तो भी खाद की स्थिति की पड़ताल करने से नही चूके।उत्तर का शायद ही कोई जिला ऐसा हो जहां के किसानों को खाद की लाइन में घण्टो न लगना पड़ रहा हो।किसानों को पुलिस की लाठियां खाद के लिए खानी पड़े, यह तो चिंताजनक जरूर है।प्रदेश के दूरस्थ जिलों में हालत ज्यादा खराब है। शासन ने कहा है कि खतौनी देखकर खाद वितरण किया जाये।बावजूद इसके किसान परेशान हैं।सहकारी समितियों पर न जाने कब खाद आती है और कब खत्म हो जाती है।नेता प्रतिपक्ष विधानसभा माता प्रसाद पांडे तो साफ आरोप लगा रहे हैं कि सरकारी दावे झूठे हैं।किसान बदहाल हैं।लखनऊ ही नही बाराबंकी, सीतापुर, हरदोई, रायबरेली, लखीमपुर खीरी, उन्नाव, फतेहपुर, गोंडा, बहराइच,मिर्जापुर, सिद्धार्थनगर, बलिया, महराजगंज आदि में खाद की किल्लत किसानो को झेलनी पड़ रही है।बाराबंकी जनपद की तहसील रामसनेही घाट क्षेत्र में खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने कहा कि किसानों को खाद के लिए परेशान न होने पाये इसलिए अफसरों को साफ कहा गया है कि वे स्वयं मॉनिटरिंग करें, लापरवाही बर्दाश्त नही की जायेगी। सहकारी समितियो पर खाद समुचित रूप से उपलब्ध हो और किसान निर्धारित रेट पर मिले।इसके लिए तहसीलदार रामसनेही घाट महिमा मिश्रा ने यूरिया खाद के लिए टोकन व्यवस्था लागू करने का निर्देश दिया ताकि अकारण भीड़ न हो और सभी पात्र किसानों को उर्वरक मिल सके।

### नगर निगम कर्मचारियों का राखी पर वेतन काटा

**लखनऊ।** लखनऊ नगर निगम के आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन कटौती का मामला सामने आया है। नाराज कर्मचारियों ने नगर आयुक्त से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि ठेकेदार की तरफ से नियमों को ताक पर रखकर वेतन काटा गया है। नगर निगम कर्मचारी संघ के अध्यक्ष आनंद वर्मा ने कहा वेतन काटकर कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा। यह बर्दाश्त करने योग्य नहीं है। ईपीएफ और ईएसआई भुगतान करने की मांग की गई। उन्होंने कहा कि नगर निगम प्रशासन इस बात की जांच कराए कि क्या ठेकेदार कर्मचारियों को सही पेमेंट कर रहा कि नहीं। इसकी पूरी समीक्षा होनी चाहिए। क्योंकि नगर निगम नियम नियमानुसार ठेकेदार को पेमेंट करता है और ठेकेदार कर्मचारियों का वेतन काटते हैं। नगर निगम कर्मचारी संघ के महामंत्री शमील एखलाक ने कहा अल्प वेतन भोगी कर्मचारियों के वेतन से त्योहार के समय काटे गए वेतन की जांच की जानी चाहिए, जिससे दोबारा वेतन कटौती न की जा सके। मामले में संस्था पर कार्रवाई की मांग की गई है। आउट सोर्सिंग कर्मचारियों का कहना है कि 1 से 5 तारीख तक कर्मचारियों को सैलरी मिल जाना चाहिए, लेकिन रक्षा बंधन के एक दिन पहले तक सैलरी नहीं आई थी। यह बहुत खराब स्थिति है। उन्होंने कहा कि कई कर्मचारियों के खातों में सिर्फ 7100 रुपए की सैलरी आई है। इसके चलते परेशानी हो रही। नगर महा पालिका आउटसोर्सिंग कर्मचारी के अध्यक्ष मनोज मौर्य, उपाध्यक्ष महेंद्र शर्मा, दीपू वर्मा और महामंत्री सुबोध सिंह का कहना है कि करीब 8100 रुपए सैलरी कर्मचारियों की आती है, लेकिन त्योहार से ठीक पहले यह कटौती नियमों को ताक पर रखकर की गई। यह बर्दाश्त योग्य नहीं है। आरआर विभाग में काम करने वाले करीब 400 कर्मचारियों के वेतन में कटौती हुई थी। नगर आयुक्त गौरव कुमार का कहना है कि हमने नगर निगम की तरफ से पांच अगस्त को ही वेतन रिलीज कर दिया है। कुछ कार्यदायी संस्थाओं की तरफ से वेतन कैलकुलेशन में गड़बड़ी हुई है। शिकायत आने के बाद इसका जवाब मांगा गया है।

### आदर्श पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र की छात्राओं ने सैनिकों के लिए निर्मित की राखियाँ

**लखनऊ।** आदर्श पूर्व परीक्षा प्रशिक्षण केन्द्र अलीगंज लखनऊ में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं ने हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत इस रक्षाबंधन को खास बनाने के लिए एक सराहनीय पहल की है। छात्राओं ने अपने स्नेह और सम्मान को दर्शाते हुए देश की रक्षा में तैनात हमारे वीर जवानों के लिए अपने हाथों से सुंदर राखियाँ बनाई।इस पहल का उद्देश्य न केवल सैनिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करना है, बल्कि उनमें यह भावना भी जागृत करना है कि देशवासी सदैव उनके साथ हैं। छात्राओं ने परंपरागत और रचनात्मक तरीकों से इन राखियों को सजाया और उनके साथ आभार पत्र भी भेजा।यह आयोजन नारी सशक्तिकरण, देशभक्ति और सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन का प्रतीक है। गतिविधि सैनिकों को भावनात्मक संबल प्रदान करने के साथ-साथ छात्राओं को सामाजिक सहभागिता और रचनात्मकता की दिशा में प्रेरित करती है।

### तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे बिजलीकर्मी

**लखनऊ।** देश को 2047 तक विकसित बनाने के विजन में अगर कोई रीढ़ है तो वह बिजली है। बिजली तभी सस्ती, भरोसेमंद और सबके लिए सुलभ रह सकती है, जब वह सार्वजनिक क्षेत्र में रहे। यही संदेश लेकर शुक्रवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के हजारों बिजलीकर्मी तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे। अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की पूर्व संध्या और काकोरी क्रांति के 100 वर्ष पूरे होने के मौके पर विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर पूरे प्रदेश में बिजली कर्मचारियों ने कार्पोरेट घराने, पावर सेक्टर छोड़ो अभियान की शुरुआत की। लखनऊ से लेकर जिलों तक बिजलीकर्मी तिरंगा लेकर रैलियों में शामिल हुए। संघर्ष समिति ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि विजन डॉक्यूमेंट 2047 को सफल बनाना है तो बिजली का निजीकरण रोकना होगा। समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि बीते आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने सार्वजनिक क्षेत्र में रहते हुए बिजली व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार किए हैं। एटीएंडसी नुकसान 41: से घटकर 15: पर आ गया है, जो राष्ट्रीय मानक है। संघर्ष समिति ने चेताया कि अगर पावर सेक्टर निजी हाथों में गया, तो किसानों, गरीबों और मध्यमवर्ग को महंगी बिजली खरीदनी पड़ेगी। निजी कंपनियों के लिए बिजली सेवा नहीं, मुनाफे का जरिया है। इससे मुख्यमंत्री योगी के विजन 2047 को झटका लगेगा और प्रदेश एक बार फिर लालटेन युग में चला जाएगा। लखनऊ में बिजलीकर्मियों ने रेजिडेंसी से शहीद स्मारक तक रैली निकाली।

# लखनऊ पुलिस कमिश्नर के आवास के पास युवक पर हमला

### दबंगों ने लात-घूसों से पीटा, सिर फटा

**करण वाणी न्यूज**

**लखनऊ।** यूपी की राजधानी लखनऊ में एक रेस्टोरेंट के बाहर दबंगों ने देर रात एक युवक को जमकर पीट दिया। दबंगों ने युवक को इस कदर मारापीटा कि उसका सिर ही फट गया। यह पूरी घटना जहां पर हुई वहां से कुछ ही दूरी पर पुलिस कमिश्नर का आवास भी मौजूद है। इसके बाद भी दबंगों के हौसले बुलंद दिखे। मौके पर जब पुलिस पहुंची तो हमलावर फरार हो गए। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। घायल युवक को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसीपी हजरतगंज विकास जायसवाल ने बताया कि तहरीर आई है आरोपितों के खिलाफ



मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर शुक्रवार को वायरल हो गया। पुलिस फुटेज के आधार पर हमलावरों की तलाश में दबिश दे रही है।

ताया जा रहा है रेस्टोरेंट में हुक्का बार भी चलता है। हालांकि पुलिस ने हुक्का बार चलने की बात से इंकार किया है। दोनों पक्ष रेस्टोरेंट से देर रात निकले। इसके बाद एक युवक पर दूसरे पक्ष ने हमला बोल दिया। हमले के दौरान उसे लात घूसों से जमकर पीटा। सिर पर ईट से प्रहार कर दिया। हमले में युवक का सिर फट गया। सूचना पर जबतक पुलिस पहुंची हमलावर भाग निकले। एसीपी के मुताबिक दोनों पक्षों में पुरानी रंजिश है। पहले नाका में विवाद हुआ था। दोनों पक्षों के खिलाफ शांति भंग की कार्रवाई भी हुई थी। पीड़ित पक्ष की ओर से तहरीर आई है। मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर हाथरस में खनन अधिकारी ने मिट्टी लेकर जा रहे डंपर को रोकना चाहा तो पीछे से आए स्कार्पियो सवारों ने मारपीट कर दी। दबंगों ने होमगार्ड को भी नहीं छोड़ा। शुक्रवार रात करीब तीन बजे खनन अधिकारी गौरव कुमार अपनी टीम के साथ आगरा-हाथरस रोड पर निरीक्षण करने पहुंचे। यहां पर उन्होंने देखा कि डंपरों से मिट्टी का अवैध खनन हो रहा है। यह देख खनन अधिकारी ने डंपर का पीछा करना शुरू कर दिया। अपनी गाड़ी का हॉर्न और सायरन बजाकर डंपर को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने डंपर को नहीं रोका। चालक डंपर को खंदौली टोल की ओर भगाने लगा। खनन अधिकारी डंपर का पीछा करते हुए बेदई थाना सादाबाद की ओर चलने लगे। यहां से डंपर जैतई होते हुए करैया गांव थाना सहपऊ में डंपर रुका।

वहीं पर एक काले रंग की स्कर्पियो पीछे से आकर रुकी। उसमें सवार 5-6 लोग बाहर आए और खनन अधिकारी की गाड़ी पर हमला कर दिया। कार सवारों ने होमगार्ड धर्मवीर सिंह और चंदपाल सिंह के साथ मारपीट करते हुए खनन अधिकारी की गाड़ी में तोड़-फोड़ कर दी और जान से मारने की धमकी दी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली सादाबाद व सहपऊ पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के पहुंचने से पहले की माफिया मिट्टी के डंपर व स्कार्पियो को लेकर फरार हो गए। खनन अधिकारी की तहरीर के आधार पर छह-सात अज्ञातों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी है। खनन अधिकारी गौरव कुमार का कहना है कि अवैध खनन के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत सादाबाद तहसील क्षेत्र में खनन होने की सूचना पर गए थे। यहां पर डंपर को रोकना चाहा तो पीछे से आए कार सवारों ने हमारे ऊपर हमला कर दिया। इस हमले में एक गार्ड घायल हो गया। हमला करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

### रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते का उत्सवः भूपेंद्र चौधरी

**लखनऊ।** भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी एवं प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने पावन रक्षाबंधन पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और सभी के जीवन में सुख, शांति एवं समृद्धि की मंगलकामना की।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के अटूट रिश्ते का उत्सव है। यह विश्वास, सम्मान, सुरक्षा और उत्तरदायित्व का जीवंत प्रतीक है। यह पवित्र रक्षा बंधन परिवार में आपसी प्रेम, सामाजिक सौहार्द और महिलाओं के प्रति आदर की भावना को समर्पित है। उन्होंने कहा, ÷रक्षाबंधन हमें यह भी स्मरण कराता है कि भाई अपनी बहन की रक्षा को संकल्पित है, वैसे ही हम सभी को राष्ट्र, संस्कृति, पर्यावरण और राष्ट्रीय सम्पदाओं की रक्षा एवं संवर्धन का संकल्प लेना चाहिए।प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पर्व उत्सव के साथ ही समाज और राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने का अवसर भी हैं। रक्षाबंधन का यह संदेश हमें एक-दूसरे की रक्षा, सहयोग और उत्थान के लिए प्रेरित करता है।

### उपमुख्यमंत्री और मंत्रियों ने रक्षाबंधन पर देश व प्रदेशवासियों को दी बधाई व शुभकामनायें

**लखनऊ।** भाई बहन के अटूट प्रेम के प्रतीक पर्व रक्षाबंधन की उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों ने प्रदेश, देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व उत्तर प्रदेश विधान परिषद मे नेता सदन केशव प्रसाद मौर्य ने भाई-बहन के असीम प्रेम, अटूट विश्वास एवं समर्पण के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व की देश एवं प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।अपने शुभकामना सन्देश में श्री मौर्य ने कहा है कि है कि पावन व पुनीत पर्व सभी के जीवन में प्रेम, सद्भाव, समृद्धि और सौहार्द की वृद्धि करें।उप मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना सन्देश मे कहा है कि रक्षाबंधन का पावन पर्व भारतीय संस्कृति की उस अद्भुत परंपरा का उत्सव है, जो स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के अटूट बंधन को दर्शाता है। यह पर्व भाई-बहन के रिश्ते की गरिमा और परिवार व समाज में आपसी स्नेह और सम्मान को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है।

## जान से मारने की नीयत से गोलियां चलाने के आरोप में तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

**करण वाणी न्यूज**

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के महिगवां क्षेत्र में आतंक फैलाने और जान से मारने के उद्देश्य से गोलीबारी करने के आरोप में तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि महिगवां थाना क्षेत्र के किशनपुर ने भूखंड की खरीद-फरोख्त का काम करने वाले कल्याणपुर निवासी दुर्गेश सिंह की तहरीर पर बुधवार रात राजीव कुमार उर्फ राजू रावत, मुख्तार गाजी एवं कुद्दूस गाजी नामक बदमाशों के खिलाफभारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) (आपराधिक षड्यंत्र), 351(3) (आपराधिक धमकी) और 109(1) (हत्या का प्रयास) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। दर्ज मुकदमे में वादी दुर्गेश सिंह ने आरोप लगाया है कि तीनों अभियुक्तों ने पिछले महीने 15 जुलाई को किशनपुर गांव में उसके कार्य स्थल पर पहुंचकर उसके भतीजे पंकज सिंह को जान से मारने के लिए गोलियां चलाईं। उसने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई। इस दौरान आरोपियों ने हवा में भी गोलीबारी करते हुए धमकी दी कि अगर दोबारा इलाके में दिखायी दिये तो जान से मार देंगे। यह घटना पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में भी दर्ज हो गयी।

इसकी फुटेज में एक व्यक्ति गोलियां चलाते हुए नजर आ रहा है। सिंह ने कहा कि राजू रावत समेत सभी आरोपी दबंग किस्म के हैं और वे कभी भी किसी आपराधिक घटना को अंजाम दे सकते हैं। ऐसे में उनकी गिरफ्तारी की जानी चाहिये। बहरहाल, महिगवां थानाध्यक्ष राम कुमार ने बताया कि इस मामले में अभी किसी अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं की गयी है। मामले की जांच की जा रही है।

## ज्वेलरी शॉप से महिला ने उड़ाया सोने का झुमका

**सीसीटीवी देख कर हैरान रह गया सर्राफा व्यापारी**

**करण वाणी न्यूज**

**लखनऊ।** राजधानी लखनऊ के भूतनाथ मार्केट स्थित रिद्धि-सिद्धि ज्वेलर्स के यहां खरीदारी के बहाने आई एक महिला कान के झुमके ले उड़ी। सर्राफा व्यापारी को शक हुआ तो सीसीटीवी देखा तो वह हैरान रह गया। महिला की पूरी करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई थी। व्यापारी ने घटना की जानकारी दी। शिकायत के बाद गाजीपुर पुलिस ऐक्शन में आ गई है। मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। पुलिस महिला को तलाश रही है।

भूतनाथ चौकी इंचार्ज राकेश वर्मा के मुताबिक, रिद्धि सिद्धि ज्वेलर्स के यहां शुक्रवार को एक महिला खरीदारी के बहाने आई। ज्वेलर्स के मुताबिक, महिला ने कान के झुमके दिखाने के लिए कहा। दुकान पर मौजूद कर्मचारी आभूषण दिखाने लगा। इस बीच दुकान पर कुछ और ग्राहक दुकान पर आ गए। वह उन्हें भी जेवर दिखाने



लगा। इस बीच महिला ने मौके का फायदा उठाते हुए चुपके से झुमका जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद महिला झुमका उठाकर चली गई। जेवर रखते समय शक शक हुआ तो झुमके गिने गए। इस दौरान एक झुमका कम था।

झुमका चोरी होने की सूचना पर शॉप पर हड़कंप मच गया। कर्मचारी झुमका खोजने में जुट गए। इस बीच ज्वेलर्स ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया। व्यापारी ने पाया कि महिला की करतूत सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वीडियो देखकर व्यापारी हैरान रह गया। महिला प्लानिंग के तहत झुमका नीचे गिरा देती है। फिर चुपके से लेकर चली जाती है। झुमके की कीमत करीब 10 हजार रुपए है। चौकी इंचार्ज के मुताबिक तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में महिलाओं ने महादेव को बांधी राखी

**करण वाणी न्यूज**

**लखनऊ।** रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में महिलाओं ने महादेव को राखी बांधकर अपनी रक्षा का आशिर्वाद लिया। शुक्रवार को चौक कोतवाली स्थिति कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर महादेव को महिलाओं ने राखी बांधी। यह कार्यक्रम श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर के महंत विशाल गौड़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया। महंत विशाल गौड ने बताया कि रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के बीच कर्तव्य के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। भगवान ही सबके माता पिता, भाई, मित्र और पीड़ा हरने वाले होते हैं। इस वर्ष से यहां मंदिर में महादेव को राखी बांधकर रक्षा का आशिर्वाद लेने की नयी परंपरा शुरु की गयी है। उन्होने बताया कथाओ के अनुसार देवों और दानवों के बीच युद्ध के दौरान इंद्राणी ने देवराज इंद्र की



कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा था, जिससे देवताओं की विजय हुई थी। भगवान विष्णु ने राजा बलि को वरदान दिया था कि वे पाताल लोक में रहेंगे। देवी लक्ष्मी जो भगवान विष्णु के साथ नहीं रहना चाहती थीं, ने राजा बलि को राखी बांधकर उनसे अपने पति को वापस भेजने का अनुरोध किया। राजा बलि ने प्रसन्न होकर भगवान विष्णु को देवी लक्ष्मी के साथ जाने की अनुमति दी। महंत विशाल गौड़ ने बताया यह पर्व परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और स्नेह को मजबूत करता है। सभी को इसे श्रद्धा से मनाना चाहिए। महादेव ही अपने भक्तों की हम परेशानी में मदद करते हैं।

## अंबेडकर स्मारक के अंदर खाने पीने का सामान बेच रहे थे कर्मचारी, 10 सस्पेंड

**करण वाणी न्यूज**

**लखनऊ।** यूपी की राजधानी लखनऊ में बड़ी कार्रवाई हुई है। डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक परिवर्तन स्थल स्मारक में तैनात 10 कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। इनमें से 6 कर्मचारी स्मारक के प्रवेश द्वार व अंदर ठेले के जरिए खानपान व अन्य सामान बेचते पाए गए जबकि दो अवैध प्लॉटिंग और निर्माण में लिप्त लोगों से अवैध वसूली करते पकड़े गए। एक सहायक लेखाकार को टेंडर की पत्रावली में अनावश्यक टीका टिप्पणी लिखने तथा एक क्लर्क को गड़बड़ी के आरोप में सस्पेंड किया है। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने गुरुवार को सभी को निलंबित कर जांच के आदेश दिए।



जिन 6 कर्मचारियों को स्मारक स्थल पर दुकानदारी करते हुए पकड़ा , वे सभी सफाईकर्मी के पद पर तैनात थे। यह कर्मचारी न केवल स्मारक परिसर की सार्वजनिक जगह पर अतिक्रमण कर रहे थे, बल्कि वहां आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए भी असुविधा का कारण बन रहे थे। निलंबित कर्मचारियों के नाम हैं हरिन्द्र प्रसाद, नवल किशोर गुप्ता, संतोष कुमार, ऊषा देवी, अशोक , विनेश कुमार। इन सभी को स्मारक समिति के सदस्य सचिव प्रथमेश कुमार के आदेश के बाद निरीक्षण टीम द्वारा रंगे हाथों पकड़ा गया।

**सहायक लेखाकार और लिपिक सस्पेंड हुएः** सहायक लेखाकार प्रमोद कुमार को भुगतान एवं टेंडर संबंधी पत्रावलियों पर अनावश्यक टिप्पणी करके, विलंबित रखने का प्रयास करने तथा निर्धारित प्रक्रिया अनुसार पत्रावलियों का परिचालन न करने के आरोप में निलंबित किया गया है। लिपिक रितु कुमारी को पत्रावली परिचालन हेतु प्रक्रिया का उल्लंघन करने समेत अन्य कारण में निलंबित किया है।

**वसूली में दो निलंबितः** अन्य मामले में स्मारक समिति की स्पेशल सेल में तैनात दो कर्मचारियों, विशाल यादव विद्युत उपकरण सफाई कर्मी और रूपेंद्र सफाई कर्मचारी जनरल को लखनऊ के काकोरी, पारा और मानक नगर थाना क्षेत्रों में अनधिकृत प्लॉटिंग व निर्माणकर्ताओं से अवैध वसूली करते हुए पकड़ा गया। आरोप है कि ये अवैध निर्माण को नजरअंदाज करने के एवज में धन की मांग कर रहे थे। प्राधिकरण उपाध्यक्ष ने इन्हें भी सस्पेंड कर दिया।

**गरिमा से कोई समझौता नहीं: प्रथमेश कुमार**

एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक स्थलों की गरिमा और प्रशासनिक अनुशासन से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो भी कर्मचारी छवि धूमिल करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वीसी की इस बड़ी कार्रवाई से प्राधिकरण के और स्मारक समिति के कर्मचारियों में दहशत है।

## टैक्स लॉयर्स एसोसिएशन का शपथ ग्रहण समारोह हुआ

**करण वाणी न्यूज**

**लखनऊ।** टैक्स लॉयर्स एसोसिएशन लखनऊ के सत्र 2025-26 की कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें सभी पदाधिकारी निर्विरोध निर्वाचित हुए, जिनका शपथ ग्रहण समारोह 'राज्य कर भवन' के सभागार (षष्टम तल), 5 मीराबाई मार्ग, लखनऊ में आज सायं 4.30 बजे सम्पन्न हुआ। समारोह के मुख्य अथिति जानकी शरण पाण्डेय सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन बार काउन्सिल ऑफ उ0प्र0 व विशिष्ट अथिति अनुज कुदेशिया अपर महाधिवक्ता उ0प्र0 सरकार के द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया तथा नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को उनके पद एवं गोपनीयता की शपथ निम्नवत् दिलाई गई। पदनामअध्यक्ष जयराम श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम कुमार, उपाध्यक्ष आशीष कुमार त्रिपाठी, महासचिव अश्वनी कुमार अग्रवाल,संयुक्त सचिव दीपक कुमार श्रीवास्तव,वित्त सचिव मोहम्मद आमिर, पुस्तकालय सचिव नरेश कुमार श्रीवास्तव, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य सुरेश चन्द्र गुप्ता,वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य राकेश कुमार गुप्ता,सदस्य कार्यकारिणी रोहित खन्ना,सदस्य कार्यकारिणी मानस गुप्ता,कार्यक्रम का संचालन एसोसिएशन के वरिष्ठ सदस्य उमेश चन्द्र शुक्ला द्वारा किया गया।

तत्पश्चात अधिवक्ता व्यवसाय में सफलतापूर्वक 50 वर्षों से अधिक की प्रैक्टिस पूर्ण कर चुके वरिष्ठ अधिवक्ता के.सी. सिन्हा, एम.सी. गुप्ता, जी.एन. मेहरोत्रा, एच.बी. सिंह, आर.के. सबरवाल, आर.के.पी. खट्टा व डॉ. वी.बी. श्रीवास्तव को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा उन सभी के द्वारा संक्षेप में अपने अनुभव बताये गए,नवनिर्वाचित वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओम कुमार ने कर क्षेत्र में जीएसटी एवं वैट से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को रेखांकित करते हुए समाधान हेतु ठोस कदम उठाने की आवश्यकता जताई । वहीं अध्यक्ष श्री जयराम श्रीवास्तव के द्वारा कार्यक्रम में पधारे मुख्य अथिति महोदय व विशिष्ट अथिति महोदय को प्रतीक चिन्ह देकर उनका सम्मान किया गया तथा उनके द्वारा अधिवक्ता समाज की विभिन्न समस्याओं का जिक्र करते हुए उनके समाधान हेतु सतत प्रयास जारी रखने का आश्वासन दिया गया तथा बार कार्उसिल आफ उत्तर प्रदेश एवं बार कार्उसिल आफ इंडिया से अधिवक्ता अधिनियम में कुछ विन्दुओं पर संशोधन कराने का विषय रखा गया एवं यथोचित सहयोग की आकांक्षा भी व्यक्त की गई,कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, बार कार्उसिल आफ उत्तर प्रदेश के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन जानकी शरण पाण्डेय के द्वारा उनके उद्बोधन में यह आश्वासन दिया गया कि आज उनके सामने जिन समस्याओं पर ध्यानाकर्षण कराया गया है उनके निराकरण हेतु बार कार्उसिल आफ उत्तर प्रदेश के स्तर से हर संभव मदद की जाएगी,कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि अनुज कुदेशिया ने कार्यकारिणी की अवधारणा की सराहना करते हुए कहा कि न्यायिक तंत्र व अधिवक्ता समाज दोनों एक दूसरे के पूरक है तथा नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को बधाई देते हुए यह विश्वास जताया की कार्यकारिणी संघ के संविधान के अनुरूप निष्ठापूर्वक कार्य करेगी। अंत में महासचिव अश्विनी कुमार अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम में पधारे हुए मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि तथा टैक्स लॉयर्स एसोसिएशन के समस्त पदाधिकारियों एवं अधिवक्ता बंधुओं के साथ सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन तथा टैक्स बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों एवं अन्य सभी अधिवक्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

## जुकाम को सामान्य बुखार न समझें, होता है गंभीर

**प्रतिवर्ष फ्लू टीका लगवाकर बच सकते है बुखार जैसी बीमारियों से**

**करण वाणी न्यूज**

**लखनऊ।** इस साल गर्मियों में हुयी रिकार्ड बारिश और मौजूदा मानसून के दौरान बदलते ठण्डे-गर्म के मौसम के दौरान बढ़ने वाली नमी से न सिर्फव्यक्ति के शरीर की ताकत कमजोर पड़ती है बल्कि उसकी वजह से सर्दी-जुकाम का सामना करना पड़ता है। ऐसे में लोग सर्दी-जुकाम के साथ होने वाले फ्लू को सामान्य समझ लेते है, जबकि ऐसा नहीं होता है। ऐसे मामलों के जानकार शहर के प्रमुख डॉक्टर रवि भास्कर, परामर्शदाता पल्मोनोलॉजिस्ट, डॉ. रवि भास्कर के अनुसार सामान्य समझने वाले इस तरह का फ्लू कहीं ज्यादा गंभीर होता है। दोनों में गले में खराश या खांसी जैसे लक्षण मौसमी बीमारियाँ तेजी से फैलने लगती हैं। डॉ. जेजो करणकुमार, मेडिकल अफेयर्स डायरेक्टर, एबॅट इंडिया ने कहा टीके सिर्फबच्च्चों के लिए नहीं होते बल्कि बड़ों को भी सुरक्षा की जरूरत होती है, खासकर फ्लू जैसी बीमारियों से। हर साल फ्लू का टीका लगवाने से न सिर्फ बीमारी होने की संभावना कम होती है, बल्कि अगर फ्लू हो भी जाए तो उसके लक्षण हल्के रहते हैं। यह एक छोटा लेकिन अहम बचाव कदम है, जो बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों के लिए खास तौर पर फायदेमंद हो सकता है। इस तरह के फ्लू के साथ अक्सर तेज बुखार, बदन दर्द, सिरदर्द और उल्टी जैसी शिकायतें भी होती हैं। अगर इन लक्षणों को शुरू में पहचान लिया जाए तो इलाज जल्दी हो सकता है और बड़ी परेशानी से बचा जा सकता है। चूंकि फ्लू वायरस हर साल बदलते रहते हैं, इसलिए टीके को भी हर साल अपडेट किया जाता है, यही वजह है कि हर साल फ्लू का टीका लगवाना सबसे अच्छा बचाव है।

## सम्पादकीय

# राहुल गांधी ने बम फोड़ दिया

1 अगस्त को राहुल गांधी ने चेतावनी दे दी थी कि उनके पास चुनाव में वोट चोरी के पक्के सबूत हैं। जब वे इन्हें सार्वजनिक करेंगे तो एटम बम फूटेगा। सात अगस्त की दोपहर जब राहुल गांधी ने वोट चोरी के मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस की, तो वाकई बड़ा धमाका हो गया। इस प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के ही आंकड़ों के जरिए साबित कर दिया कि कर्नाटक की एक विधानसभा सीट में किस तरह 1 लाख से ज्यादा फर्जी वोट पड़े हैं। राहुल गांधी का दावा है कि जिस तरह केवल इस एक सीट पर धांधली की गई है, वह असल में एक आसान तरीका है, जो पूरे देश में कहीं भी आजमाया जा सकता है, बल्कि आजमाया जा चुका है। राहुल गांधी ने इस प्रेस कांफ्रेंस को श्वोट चोरीश् का शीर्षक दिया। जिसमें मीडिया के सामने उन्होंने दिखाया कि भाजपा बेंगलुरु मध्य लोकसभा सीट के सभी सात विधानसभा क्षेत्रों में छह में पिछड़ गई, लेकिन महादेवपुरा में उसे एकतरफा वोट मिला। श्री गांधी ने महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के मतदाता सूची के पूरे आंकड़े पत्रकारों के सामने पेश किए। 7 फीट से ऊंचे मतदाता सूची के इस पुलिंदे की पूरी पड़ताल में कांग्रेस की एक टीम को कुल छह महीने का समय लगा है। अगर कागज की जगह ये सूची चुनाव आयोग की तरफ से डिजीटली और वह भी मशीन के पढ़ने योग्य फार्म में उपलब्ध कराई जाती, तो शायद यह पड़ताल आसान होती। मगर राहुल गांधी का दावा है कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों को श्मशीन के पढ़ने योग्यश् (मशीन रीडेबल) डेटा उपलब्ध नहीं करा रहा है ताकि ये सब पकड़ा नहीं जा सके। फिर भी कांग्रेस ने अभी एक ही संदिग्ध नतीजे वाली सीट का विश्लेषण किया तो हतप्रभ करने वाले आंकड़े सामने आए हैं। भाजपा द्वारा जीती गई इस सीट पर 1,00,250 मतों की चोरी की गई, ऐसा कांग्रेस का दावा है। इन एक लाख दो सौ पचास मतों के विश्लेषण में सामने आया कि 11,965 डुप्लीकेट वोटर बनाए गए, 40,009 फर्जी पतों का इस्तेमाल हुआ, 10,452 वोटर बड़ी संख्या में एक ही पते पर रजिस्टर किए गए, 4,132 वोटर बिना फोटो या अवैध फोटो के साथ जोड़े गए, 33,692 नए वोटर फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल कर जोड़े गए। एक ही पते पर कहीं 40 कहीं 50 लोगों के वोटर आईडी बने हैं। एक ही नाम से कई मतदाता पहचान पत्र बने हैं, जिनमें कहीं कर्नाटक, कहीं महाराष्ट्र, कहीं उत्तरप्रदेश का पता दर्ज है। कई जगहों पर नाम एक थे, फोटो अलग-अलग थे। कई कार्ड्स में मकानों के पते पर शून्य लिखा है। कई में पिता के नाम पर अंग्रेजी के अक्षर अजीबोगरीब क्रम में लिख दिए गए हैं। फार्म 6, जिसके उपयोग से नए मतदाताओं के कार्ड बनते हैं और फिर उनका नाम वोटर लिस्ट में आता है, इस फार्म 6 के तहत 70, 80 साल के मतदाताओं के कार्ड भी बने हैं, जबकि कायदे से इसमें 18 साल वाले वोटर होने चाहिए। इस तरह के फर्जीवाड़े से महज एक सीट पर लाख से अधिक वोट बढ़ाए गए और मजे की बात ये है कि यहां भाजपा की जीत हुई है। अकाट्य तथ्यों और सबूतों के साथ राहुल गांधी ने चुनाव आयोग की धांधली का उदाहरण देश के सामने पेश कर दिया। फिर अपनी बात दोहराई कि जो खेल इस एक सीट पर हुआ है, उसी तरह की आशंकाएं महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में भी बनी हैं। इन दोनों राज्यों में कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को जीत की उम्मीद थी, एक्जिट पोल भी यही दर्शा रहे थे। सत्ता पर बैठे हर राजनैतिक दल के खिलाफ एंटी इनकमबेंसी सामान्य बात है, लेकिन भाजपा इससे हमेशा कैसे बच निकल रही है, इसका पूरा खुलासा राहुल गांधी ने किया। उन्होंने कहा कि चुनाव में धांधली की बात हम पहले भी कहते थे, लेकिन पूरे तथ्य नहीं थे, इसलिए झिझकते थे। मगर अब राहुल गांधी ने यह कहने में कोई संकोच नहीं किया कि विपक्ष कभी न कभी सत्ता में आएगा और तब हर छोटे-बड़े जिम्मेदार अधिकारी पर कार्रवाई होगी। कायदे से इस समय तीनों चुनाव आयुक्तों को अपना इस्तीफा देकर इस धांधली की स्वतंत्र जांच का रास्ता तैयार करना चाहिए। क्योंकि निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराने के उसके दावे पर ये एक लाख 250 फर्जी वोट सवाल उठा रहे हैं। मगर हमेशा की तरह राहुल गांधी को ही कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा ने तो चुनाव आयोग की तरफ से जवाब देना शुरु कर ही दिया है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी को पत्र लिखकर अपात्र मतदाताओं के जुड़े और पात्र मतदाताओं के नाम हटाने के आरोप पर शपथ पत्र मांगा है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने राहुल गांधी और कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को शुक्रवार 1 से 3 बजे तक मिलने का समय भी दिया है। जब इस बारे में राहुल गांधी से सवाल हुए तो उन्होंने दो टूक कह दिया कि श्मैं एक राजनेता हूं। मैं लोगों से जो कहता हूं वह मेरा वचन है। मैं इसे सार्वजनिक रूप से सभी से कह रहा हूं। इसे शपथ के रूप में लें। यह उनका डेटा है, और हम उनका डेटा दिखा कर रहे हैं। यह हमारा डेटा नहीं है। यह चुनाव आयोग का डेटा है।

# आदिवासियों की विरासत सहेजने की जरुरत

> बुद्ध ने इस शब्द का प्रयोग इसके सरल संख्यात्मक अर्थ में किया था। इसका कोई दार्शनिक या जातीय अर्थ नहीं है। यवतमाल के लेखक और अम्बेडकरवादी कार्यकर्ता रमेश जीवने बहुजन राजनीति की कड़ी आलोचना करते हैं।

आज विश्व आदिवासी दिवस है। यह दिवस वैश्विक स्तर पर आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा एवं जागरुकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1994 में 9 अगस्त विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया था। आज ही के दिन 9 अगस्त, 2018 को इनके स्वास्थ्य की स्थिति पर राष्ट्रीय रिपोर्ट विशेषज्ञ समिति द्वारा भारत सरकार को प्रस्तुत की गई थी। इस रिपोर्ट में इनकी आबादी के स्वास्थ्य की चुनौतियां और उनकी बेहतरी के ढ़ेरों उपाए सुझाए गए थे। सवाल यह है कि क्या इनकी आबादी के स्वास्थ्य के लिए सुझाए गए उपायों पर अमल हो रहा है? क्या इनकी संपत्ति, संस्कृति और विरासत सहेजने की कोशिश हो रही है? क्या इस समाज को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास हो रहा है? अगर इन संकल्पों की सिद्धि का प्रयास हो रहा है तो ठीक है अन्यथा इस दिवस को मनाने का कोई औचित्य नहीं है। इसलिए कि इस समाज की चुनौतियां कम होने के बजाए लगातार बढ रही है। इन्हें हर रोज विस्थापन से लेकर अपनी संपत्ति, संस्कृति और विरासत को सहेजने-बचाने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। गत वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र संघ की 'द स्टेट आफ द वर्ल्डस इंडीजीनस पीपुल्स' नामक रिपोर्ट से उद्घाटित हो चुका है कि मूलवंशी और आदिम जातियां भारत समेत संपूर्ण विश्व में अपनी संपदा, संसाधन और जमीन से वंचित व विस्थापित होकर विलुप्त होने के कगार पर हैं। रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ था कि खनन कार्य के कारण हर रोज हजारों आदिवासी परिवार विस्थापित हो रहे हैं। विस्थापन के कारण उनमें गरीबी, बीमारी और बेरोजगारी बढ़ रही है। आमतौर पर आदिवासी समाज सीधा और सरल माना जाता है लेकिन उनकी परंपरागत अर्थव्यवस्था पर हमला ने उन्हें आक्रोशित बना दिया है। मूलवासी जनसमूह आजीविका के संकट से तो जूझ रहें हैं तथा साथ ही उन्हें कई तरह की बीमारियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अगर विकसित देश अमेरिका की ही बात करें तो यहां इस समूह के लोगों को तपेदिक होने की आशंका 600 गुना अधिक रहती है। आस्ट्रेलिया में इस समुदाय का कोई बच्चा किसी अन्य समूह के बच्चे की तुलना में 20 साल पहले ही मर जाता है। नेपाल में अन्य समुदाय के बच्चे से इस समुदाय के बच्चे की आयु संभाव्यता का अंतर 20 साल, ग्वाटेमाला के 13 साल और न्यूजीलैण्ड में 11 साल है। विश्व स्तर पर देखे तो इस समुदाय के कुल 50 फीसदी लोग टाइप-2 मधुमेह से पीड़ित हैं। बीमारी व हस्तक्षेप से इस समाज का तेजी से पलायन हो रहा है। गत वर्ष पहले नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट से उद्घाटित हुआ था कि कोलम (आंध्रप्रदेश और तेलंगाना) कोरगा (कर्नाटक) चोलानायकन (केरल) मलपहाड़िया (बिहार) कोटा (तमिलनाडु) बिरहोर (ओडिसा) और शोंपेन (अंडमान और निकोबार) के विशिष्ट संवेदनशील आदिवासी समूहों की तादाद घट रही है। आंकड़े बताते हैं कि स्वतंत्रता के बाद से लेकर अब तक इस आबादी में दस फीसदी से अधिक की कमी आई है। आदिवासी बहुल राज्य झारखंड की ही बात करें तो वर्ष 1951 में जहां आदिवासी आबादी 35.80 फीसदी थी, वह 1991 में घटकर 27.66 फीसदी रह गयी। वर्ष 2001 की जनगणना के मुताबिक उनकी आबादी 26.30 रही जो 2011 की जनगणना के मुताबिक घटकर 26.11 फीसदी रह गयी है। उल्लेखनीय है कि यह आंकड़ा गत वर्ष पहले झारखंड राज्य के जनजातीय परामर्शदातृ परिषद द्वारा जारी किया गया था। यहां ध्यान देना होगा कि न सिर्फ आदिवासियों की तादाद कम हो रही है बल्कि परसंस्कृति ग्रहण की समस्या ने भी उन्हें दोराहे पर खड़ा कर दिया है। नतीजा न तो वह अपनी संपत्ति व संस्कृति बचा पा रहें है और न ही आधुनिकता से लैस होकर राष्ट्र की मुख्य धारा में शामिल हो पा रहें हैं। बीच की स्थिति से उनकी विरासत दांव पर लगी है। गौर करें तो यह सब उनके जीवन में बाहरी हस्तक्षेप के कारण हो रहा है। भारत में ब्रिटिश शासन के समय सबसे पहले आदिवासियों के सांस्कृतिक जीवन में हस्तक्षेप की प्रक्रिया शुरु हुई। ईसाई मिशनरियों ने आदिवासी समुदाय में पहले हिन्दू धर्म के प्रति तिरस्कार और घृणा की भावना पैदा की। उसके बाद उन्हें ईसाई धर्म ग्रहण करने के लिए प्रोत्साहित किया। लिहाजा बड़े पैमाने पर उनका धर्म परिवर्तन हुआ। ईसाईयत न तो उनकी गरीबी को कम कर पायी और न ही उन्हें इतना शिक्षित ही बना पायी कि वह स्वावलंबी होकर अपने समाज का भला कर सकें। ईसाईयत के बढ़ते प्रभाव के कारण हिन्दू संगठन भी उठ खड़े हुए और आदिवासियों के बीच धर्म प्रचार आरंभ कर दिए। हिन्दू धर्म के प्रभाव के कारण आदिवासियों में भी जाति व्यवस्था के तत्व विकसित हो गये। आज उनमें भी जातिगत विभाजन के समान ऊंच नीच का एक स्पष्ट संस्तरण विकसित हो गया है। यह संस्तरण उनके बीच अनेक संघर्षो और तनावों को जन्म दिया है। इससे आदिवासियों की परंपरागत सामाजिक एकता और सामुदायिकता खतरे में पड़ गयी है। आज स्थिति यह है कि धर्म परिवर्तन के कारण बहुत से आदिवासियों को संदेह की दृष्टि से देखा जाता है। हिन्दुओं में खान-पान ,विवाह और सामाजिक संपर्क इत्यादि के प्रतिबंधो के कारण वे उच्च हिन्दू जातियों से पूर्णतया पृथक हैं। जबकि ईसाईयों ने भी धर्म परिवर्तन करके हिन्दू बन जाने वाले आदिवासियों को अपने समूह में अधिक धुलने मिलने नहीं दिया। विवाह और सामाजिक संपर्क के क्षेत्र में उन्हें अब भी एक पृथक समूह के रुप में ही देखा जाता है। आज भारत की उत्तर पूर्वी तथा दक्षिणी भागों की आदिवासियों में कितने ही व्यक्ति अंग्रेजी को अपनी मातृभाषा के रुप में स्वीकार कर अपनी मूलभाषा का परित्याग कर दिया है। सत्यता तो यह है कि प्रत्येक समूह की भाषा में उसके प्रतीकों को व्यक्त करने की क्षमता होती है। यदि भाषा में परिवर्तन हो जाय तो समूहों के मूल्यों और उपयोगी व्यवहारों में भी परिवर्तन होने लगता है। आदिवासी समूहों में उनकी परंपरागत भाषा से संबधित सांस्कृतिक मूल्यों और आदर्श नियमों का क्षरण होने से आदिवासी समाज संक्रमण के दौर से गुजरने लगा है। आदिवासियों की संस्कृति पर दूसरा हमला कारपोरेट जगत की ओर से हो रहा है। जंगलो को काटकर और जलाकर उस भूमि को जिस प्रायोजित तरीके से उद्योग समूहों को सौंपा जा रहा है, उसका प्रभाव उनकी संस्कृति पर दिख रहा हैं। देश में नब्बे के दशक से ही विदेशी निवेश बढ़ाने की गरज व खनन नीतियों में बदलाव के कारण आदिवासी परंपरागत भूमि से बेदखल हो रहे हैं। एक रिपोर्ट में आदिवासी जनसमुदाय की दशा पर ध्यान खींचते हुए कहा गया है कि इनकी आबादी विश्व की जनसंख्या की महज 5 फीसदी है, लेकिन दुनिया के 90 करोड़ गरीब लोगों में मूलवासी लोगों की संख्या एक तिहाई है। विकसित और विकासशील दोनों ही देशों में कुपोषण, गरीबी और सेहत को बनाए रखने के लिए जरुरी संसाधनों के अभाव और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के कारण आदिवासी जनसमूह विश्वव्यापी स्तर पर अमानवीय दशा में जी रहें है आज जरुरत इस बात की है कि आदिवासियों का जीवन व संस्कृति दोनों बचाया जाए। अन्यथा संस्कृति और समाज की टूटन उन्हें राष्ट्र की मुख्य धारा से अलग कर देगी।

## सरोकार

# आंबेडकर की रिपब्लिकन विचारधारा को पुनर्जीवित करने की तत्काल आवश्यकता

छियासठ साल पहले, 30 सितंबर, 1956 को, नई दिल्ली में डॉ. बी.आर. आंबेडकर के आवास पर अनुसूचित जाति महासंघ (एससीएफ) की कार्यकारी समिति की एक बैठक हुई। डॉ. आंबेडकर ने इस बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें महासंघ को एक नए राजनीतिक दल - भारतीय रिपब्लिकन पार्टी (आरपीआई) में बदलने का प्रस्ताव पारित किया गया। डॉ. आंबेडकर की मृत्यु के बाद, आरपीआई के नेताओं ने 3 अक्टूबर, 1957 को आधिकारिक तौर पर पार्टी का गठन किया।हालाँकि, 1950 में भारत के संविधान को अपनाने के बाद, अनुसूचित जाति महासंघ जैसी राजनीतिक पार्टी - जिसके नाम में जातिगत अर्थ निहित थे - को असंगत माना जाने लगा। अपने अंतिम दिनों में, वे अपने राजनीतिक क्षितिज का विस्तार करना चाहते थे और इसलिए उन्होंने आरपीआई की स्थापना की। एलेनोर जेलियट ने अपनी पुस्तक, अंबेडकर की दुनिया - बाबासाहेब और दलित आंदोलन का निर्माण, में स्पष्ट किया है कि नई पार्टी के पीछे का विचार धर्मांतरण के साथ जुड़ी अपेक्षा के समान ही था - कि अछूतों को एक बड़े समूह में लाया जाएगा। संसदीय लोकतंत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, डॉ. अंबेडकर ने कांग्रेस के विरुद्ध एक मजबूत राजनीतिक विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए आरपीआई के लिए जमीन तैयार करने का प्रयास किया। इसके लिए, वे देश भर के समाजवादी, तर्कवादी नेताओं जैसे राम मनोहर लोहिया, पी.के. अत्रे, मधु लिमये आदि के साथ एक बड़ा गठबंधन बनाने का भी प्रयास कर रहे थे। लेकिन आरपीआई डॉ. अंबेडकर की कल्पना के अनुसार एक प्रमुख राजनीतिक दल नहीं बन सका। सुखदेव थोराट के अनुसार, आरपीआई की कमान संभालने वाले नेता बाबासाहेब द्वारा बताए गए वैचारिक मार्ग पर नहीं चल सके। इसके बजाय, वे विभिन्न वैकल्पिक वैचारिक समाधान खोजने के निरर्थक विमर्श में लगे रहे। दलित पैंथर्स 1970 के दशक का एक उदाहरण है। उनके घोषणापत्र ने श्मार्क्सवाद बनाम बौद्ध धर्मश् की लोकप्रिय बहस को जन्म दिया। डॉ. आंबेडकर के समाजवादी लोकतंत्र के विचार और बुद्ध द्वारा दिए गए नैतिकता के सिद्धांतों को विमर्श से पूरी तरह बाहर कर दिया गया। विचारधारा की बजाय अपने राजनीतिक करियर को महत्व देते हुए, आरपीआई के नेताओं ने पार्टी को 40 से ज्यादा अलग-अलग गुटों में बाँट दिया। समय के साथ, ब्राह्मणवादी दलों ने भी आंबेडकरवादी राजनीतिक आंदोलन को कमजोर करने में योगदान दिया है। उन्होंने आरपीआई के विघटन में मदद की है, गुटों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा किया है और अपने फायदे के लिए उनमें से कुछ को बढ़ावा दिया है। इसके बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेताओं के नेतृत्व में बहुजन राजनीति का उदय हुआ। बसपा की विचारधारा के अनुसार, बहुजन शब्द में भारत की 85: आबादी शामिल थी - अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और अल्पसंख्यक। ब्राह्मणों और अगड़ी जातियों को छोड़कर सभी। इसी गणना के आधार पर, बसपा और उसके नेताओं ने जनता में बहुजन चेतना जगाने की कोशिश की और उत्तर प्रदेश में कई बार सरकार बनाने में सफल रहे। चरथा भिक्खवे चारिका, बहुजन हिताय बहुजन सुखाय,ष् विनय पिटक का एक श्लोक है। पाली में, बहुजनो बाहु. जनो का अर्थ है अधिकांश लोग, भीड़, या जनसमूह। बुद्ध ने इस शब्द का प्रयोग इसके सरल संख्यात्मक अर्थ में किया था। इसका कोई दार्शनिक या जातीय अर्थ नहीं है। यवतमाल के लेखक और अम्बेडकरवादी कार्यकर्ता रमेश जीवने बहुजन राजनीति की कड़ी आलोचना करते हैं। दोनों विचारधाराओं के बीच विरोधाभास की व्याख्या करते हुए, वे बताते हैं कि जहाँ बहुजन विचारधारा जातियों के समावेश की राजनीति है, वहीं अम्बेडकरवादी विचारधारा समानता स्थापित करने के लिए जाति के उन्मूलन की वकालत करती है। वर्षों से बहुजन राजनीति ने जनता के हिंदूकरण के संदर्भ में अम्बेडकरवादी आंदोलन को बहुत नुकसान पहुँचाया है। इसने जाति की बेड़ियों को तोड़कर बौद्ध धर्म अपनाने के डॉ. अम्बेडकर के क्रांतिकारी प्रयासों को कमजोर कर दिया।

बहुजन राजनीति ने वर्षों से जनता के हिंदूकरण के संदर्भ में अंबेडकरवादी आंदोलन को बहुत नुकसान पहुँचाया है। इसने डॉ. अंबेडकर के जाति की बेड़ियों को तोड़कर बौद्ध धर्म अपनाने के क्रांतिकारी प्रयासों को कमजोर कर दिया। बहुजन राजनीति ने जनता से अपनी जाति के दायरे में रहने और केवल राजनीति के लिए अपनी जातीय पहचान का दावा करने का आग्रह किया। बसपा की बहुजन राजनीति की सबसे बड़ी विफलता राजनीतिक लाभ के लिए संख्यात्मक शक्ति बढ़ाने हेतु और अधिक जाति समूहों को जोड़ने पर जोर देना है, जबकि दलित जनता को समानता के प्रति सामाजिक चेतना विकसित करने हेतु शिक्षित करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में बसपा का हालिया पतन बहुजन राजनीति की विफलता का प्रकटीकरण है। प्रकाश अंबेडकर के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र की एक क्षेत्रीय पार्टी, वंचित बहुजन अघाड़ी (टठा), भी राज्य में इसी बहुजन फॉर्मूले को दोहराने की कोशिश कर रही है। टठा विभिन्न जाति समूहों की व्यक्तिगत राजनीतिक मांगों का समर्थन करके उन्हें लुभाने की कोशिश कर रही है। उदाहरण के लिए, इसने धनगरों द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के अंतर्गत आरक्षण और मराठों को अन्य पिछड़ा वर्ग के रूप में आरक्षण देने की मांग का समर्थन किया है। इन सब से ऐसा लगता है कि आंबेडकरवादी राजनीतिक आंदोलन अपनी राह से भटक गया है।

# ब्रिक्स शिखर सम्मेलन वैश्विक दक्षिण में भारत की छवि चमकाने का अवसर

नित्य चक्रवर्ती

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने 6 और 7 जुलाई को ब्राजील के रियो डीजेनेरियो में होने वाली ब्रिक्स की बैठक में वैश्विक दक्षिण के हितों के रक्षक के रूप में भारत की छवि को बेहतर बनाने का कठिन काम है। इस बैठक में वे भाग लेंगे। 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी ब्राजील करेगा और इसका मुख्य विषय अधिक समावेशी और सतत शासन के लिए वैश्विक दक्षिण सहयोग को मजबूत करना होगा। इस व्यापक विषय के अलावा, चर्चाएं आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक लड़ाई और गाजा में इजरायली नरसंहार से संबंधित होंगी, जिसकी ब्रिक्स के अधिकांश सदस्यों ने कड़ी निंदा की है। शुरुआत में ब्राजील, रूसी संघ, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से मिलकर बने इस गठबंधन का हाल ही में विस्तार हुआ है। विस्तारित हुए देशों में अब मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी शामिल हो गये हैं। आने वाले शिखर सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन शामिल नहीं होंगे। इस तरह, भारतीय प्रधानमंत्री दक्षिण अफ्रीका और ब्राजील के राष्ट्रपतियों के अलावा एक प्रमुख शख्सियत होंगे। ब्राजील की अध्यक्षता दो प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करेगीरू वैश्विक दक्षिण सहयोगय और सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय विकास के लिए ब्रिक्स की भागीदारी। ब्राजील छह मुख्य क्षेत्रों वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग, व्यापार, निवेश और वित्त पर भी ध्यान केंद्रित करने का प्रस्ताव करता है। जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता शासन, बहुपक्षीय शांति और सुरक्षा वास्तुकला और संस्थागत विकास भी प्रमुख मुद्दे होंगे। भारत के लिए, विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए, शिखर सम्मेलन में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ब्रिक्स सदस्यों को आतंकवाद पर भारतीय दृष्टिकोण और पाकिस्तान की भूमिका के बारे में देश के आकलन से राजी किया जाये। पाकिस्तान ब्रिक्स का सदस्य नहीं है और चीनी राष्ट्रपति की शिखर सम्मेलन में बड़ी उपस्थिति नहीं होगी। इसलिए, नरेंद्र मोदी वैश्विक दक्षिण देशों के बीच पाकिस्तान द्वारा बनाई गई पीड़ित की धारणा को दूर करने के लिए कुछ उचित काम कर सकते हैं। चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक के रक्षा मंत्रियों के हालिया सम्मेलन में, भारत को शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा क्योंकि संयुक्त घोषणा में पहलगाम का कोई संदर्भ नहीं था जबकि बलूचिस्तान को आतंकवादी कार्रवाई के मामले के रूप में उल्लेख किया गया था। दस एससीओ सदस्यों में से नौ, जिनमें चीन, रूस और पाकिस्तान शामिल थे, ने भारत की अनदेखी करते हुए उस घोषणा का समर्थन किया। हालांकि भारत ने उस पर हस्ताक्षर नहीं किये और इसे जारी नहीं किया जा सका, लेकिन एससीओ बैठक में भारत के अलग-थलग पड़ने से ऑपरेशन सिंदूर, जो 10 मई को युद्धविराम में समाप्त हुआ था, के बाद से विदेशों में भारत के कूटनीतिक प्रयासों की विफलता का पता चला। हालांकि भारतीय विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा है कि ब्राजील शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स घोषणापत्र आतंकवाद पर भारत की स्थिति को प्रतिबिंबित करेगा, लेकिन इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता क्योंकि चीनी वरिष्ठ मंत्री अभी भी बैठक में भाग लेंगे और अधिकांश ब्रिक्स सदस्य मोदी के तीन सूत्री सिद्धांत से सहमत नहीं हैं। भारतीय अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए बहुत सारी तैयारियां करनी होंगी कि इस बार ब्राजील में ऐसी कोई शर्मिंदगी न हो जैसी पिछले महीने चीन में एससीओ रक्षा मंत्रियों की बैठक के दौरान हुई थी। घोषणापत्र का पर्यवेक्षण मेजबान ब्राजील के राष्ट्रपति लूला करेंगे। इसलिए संयुक्त घोषणापत्र में आतंकवाद पर भारत के विचारों को शामिल करने के लिए राष्ट्रपति लूला के साथ नरेंद्र मोदी के व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता होगी। वास्तविकता यह है कि नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स सदस्यों की नजर में वैश्विक दक्षिण के लिए लड़ने वाले के रूप में अपनी व्यक्तिगत छवि खो दी है। पिछले तीन वर्षों में,सामान्य कारणों से वैश्विक दक्षिण में भारत का अलगाव बढ़ गया है क्योंकि भारतीय प्रधानमंत्री ब्रिक्स, एससीओ और यहां तक कि जी-20 के बजाय क्वाड में अधिक रुचि ले रहे हैं। क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक मंगलवार 1 जुलाई को वाशिंगटन में हो रही है जिसमें भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भाग ले रहे हैं। इसके बाद इस साल के अंत में क्वाड शिखर सम्मेलन होगा, संभवतः नई दिल्ली में। अगर ऐसा होता है, तो राष्ट्रपति ट्रम्प इसमें भाग लेंगे। इस बैठक की सफलता के लिए पीएमओ और विदेश मंत्रालय दोनों ही काम में व्यस्त रहेंगे। जुलाई में होने वाली ब्रिक्स की यह बैठक भारतीय प्रधानमंत्री के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत ब्रिक्स की अगली अध्यक्षता संभालेगा, जिसका मतलब है कि 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत में होगा। इस शिखर सम्मेलन में भारत की गहरी भागीदारी और वैश्विक दक्षिण के हितों को साझा करने से ब्रिक्स सदस्यों और सहयोगियों में यह विश्वास पैदा होगा कि भारत पर वैश्विक दक्षिण के प्रमुख नेताओं में से एक होने का भरोसा किया जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास इस बार भारत के विशिष्ट हितों के मुद्दों का ध्यान रखते हुए वैश्विक दक्षिण के साझा हितों को पहचानने का सुनहरा अवसर है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शिखर सम्मेलन के बाद आधिकारिक यात्रा पर ब्राजील भी जा रहे हैं।

## नजरिया

# भाइयों के दीर्घायु होने की कामना का पर्व रक्षाबंधन

तेन त्वामभी बंध्यनामी रक्षे मा चल मा चल का पवित्र पाठ करते हुए रक्षा सूत्र भाइयों की कलाई पर भाई के दीर्घजीवी होने की कल्पना करके बांधती हैं।भारत न सिर्फ विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है बल्कि भारत विविध संस्कृतियो संस्कारों और संप्रदायों के विभिन्न त्योहारों का देश भी है इसीलिए यह कहा जाता है की अनेकता में एकता भारत की पूंजी है। भारत त्योहारों का देश है जहां विभिन्न संस्कृतियां, धर्म संप्रदाय एक साथ फल फूल रहे हैं और रक्षाबंधन त्यौहार भी भाई बहन के पवित्र प्रेम का प्रतीक है। रक्षाबंधन ऐसा एक त्यौहार है जो धर्म संप्रदाय संस्कृतियों की सभी दीवारों को तोड़कर सभी त्योहारों के बीच एक अनूठा स्थान रखता है। रक्षाबंधन अपने प्रेमभाव तथा सांस्कृतिक मूल्यों के कारण देशभर में बड़े उत्साह से मनाया जाता है और हर वर्ष शुभ मुहूर्त में बहन अपने भाई की कलाई में रखी बांधकर अपनी तथा देश की सीमाओं की सुरक्षा का आश्वासन चाहती है और अपने भाई की दीर्घायु होने की कामना करते हुए बहनें इस पवित्र त्योहार को मनाती हैं। इस श्रावण पूर्णिमा 2023 की शुरुआत 30 अगस्त की सुबह 11.27 से होकर 31 अगस्त को सुबह 7.35 तक रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया जा सकता है। वैसे भी रक्षाबंधन त्यौहार भाई-बहन के बीच प्यार बंधन को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है यह एक ऐसा त्यौहार है जो पूर्णिमा के दिन ही मनाया जाता है हिंदू कैलेंडर के अनुसार श्रावण मास में पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है रक्षाबंधन का त्यौहार देश के भाइयों और बहनों के बीच प्यार को बढ़ता है नियंत्रित करता है। भाई और बहन के बीच संबंध वास्तविकता में और साधारण और विलक्षण होते हैं इन्हें शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता भाई बहन का रिश्ता अतिविश्वसनीय है रक्षाबंधन एक प्रशंसनीय, सुंदर बंधन है। जिसे पूरी दुनिया में भारतवासी बड़ी सादगी सदा धूमधाम से बनाते हैं। हिंदू समाज में ऐसी अनेक प्रथाएं हैं जो सदियों से चली आ रही है उन्हें समाज आज भी मानता और यही परंपराएं हमारी संस्कृति की धरोहर भी हैं। इन प्रथाओं में कुछ-कुछ कुप्रथाएं भी शामिल थी जैसे बाल विवाह ,नरबलि, सती प्रथा जिसे समाज ने नकार कर अलग कर दिया।

इसलिए रक्षाबंधन का त्यौहार एक ऐसी प्रथा है जो हम सबको परस्पर जोड़ती है इसीलिए आज भी पूर्ण हर्ष के साथ मनाते हैं स्पष्ट है कि रक्षाबंधन का यह पावन पर्व हमें रिश्तो का मन करना सिखाता है ताकि हम कमजोर वर्ग तथा देश की सीमा बाहरी आक्रमण कारियों से बचाकर रखें। रक्षाबंधन के इतिहास में यदि एक दृष्टि डालें तो अनेक पौराणिक कथाएं भी इसकी साक्षी रही है। कई इतिहासकार इसे कृष्ण की पौराणिक कहानी के साथ इस त्यौहार के संबंध का वर्णन करते हैं कहा जाता है कि जब भगवान कृष्ण जब पतंग उड़ाते समय धागे से उनकी कलाई भूल से कट गई थी तब द्रौपदी ने इसे देखकर साड़ी के पल्लू को चीर कर उनके रक्त से बहते हुए घाव पर बांध दी थी उनके इस इशारे को समझ कर श्री कृष्ण ने उनकी रक्षा का वचन दिया और श्री कृष्ण ने द्रोपदी की इस रक्षा के वचन को निभाया भी था।

इतिहासकार इसे इतिहास से भी जोड़ते हैं मेवाड़ की रानी कर्णावती पर जब 1535 में बहादुर शाह जफर ने आक्रमण कर दिया था तब मेवाड़ की रानी कर्णावती ने अपनी राज्य की रक्षा के लिए मुगल बादशाह हुमायूं को राखी बेचकर भाई बनाकर मेवाड़ की रक्षा हेतु वचन मांगा था। मेवाड़ की रानी कर्णावती क्योंकि खुद एक बड़ी वीरांगना थी तथा बहादुर शाह का मुकाबला करने के लिए वह खुद मैदान में आ गई थी हुमायूं ने रक्षाबंधन की गरिमा को रखते हुए अपनी सेना मेवाड़ की रानी की मदद के लिए भी भेजी थी।

रक्षाबंधन के संदर्भ में अनेक प्रसंग इतिहास तथा वर्तमान में प्रचलित है और वास्तव में रक्षाबंधन भाइयों तथा बहनों के बीच रक्षा तथा स्नेह के बंधन के बीच बड़ी ही पवित्रता से मनाया जाता है । रक्षाबंधन की रक्षा के लिए

भाई अपनी जान की परवाह न करते हुए बहनों की रक्षा के लिए एवं देश की सीमा तथा निशक्तजनों की रक्षा के लिए कटिबंध रहते हैं। भारत भूमि में ऐसे अनेक त्यौहार भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म की रक्षा हेतु मनाए जाते रहे हैं और मनाए जाते रहेंगे भारत की पवित्र भूमि को नमन प्रणाम।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द्र सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एवं पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक-पंकज सिंह मो-9415067370 आरएनआई - UPHIN/2016/74800 मेल आईडी-karnvaninews@gmail.com website : karnvaninews.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।)

## संक्षिप्त खबरें

### किन्हौली में कैम्प लगाकर समस्याए सुनी गई, अब होगा उनका निस्तारण

**रामनगर, बाराबंकी।** किन्हौली में चौपाल करने आए प्रभारी मंत्री सुरेश राही गाँव में कैंप लगाने को कह गए थे जिसके क्रम में मंगलवार को कैम्प लगाया गया बी डी ओ जितेंद्र कुमार, ए डी ओ समाज कल्याण रूबी सिंह व कृषि डा दलवीर सिंह ,प्रधान ऊषा सिंह,राजा सिंह ने रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनी।कैंप में 18 राशन कार्ड बनवाने के मामले आए जब कि 5 पेंशन व 12 किसान सम्मान निधि के आवेदन मिले जिनमें दो मौके पर ही समस्या निस्तारित हुई ।सभी अन्य आवेदनो पर सम्यक कार्यवाही करते हुए आगे बढ़ाया गया। जो।आन लाइन कराना था पंचायत सहायक से आन लाइन करवाया गया।यंही समिति पर बीडीओ ने रूक कर किसानो को यूरिया खाद भी वितरित कराई।

### प्रताप कान्स्ट्रक्शन की दो ठोकरें समय से हुई कम्लीट

**रामनगर, बाराबंकी।** समय रहते प्रताप कांस्ट्रक्शन के द्वारा दो ठेकर निर्माण कम्प्लीट कर दी गई हैं जिससे बांध बचाव में मदद मिल रही है।इन दो ठेकरों पर कार्य बड़ा चेलेंजिंग था लेकिन कार्यदाई फर्म ने लगकर तेजी से काम किया जिसका नतीजा है कि विभाग को भी राहत महसूस हो रही है। तीन ठेकरों का निर्माण इस कार्यदाई संस्था को करना था जिसने सबसे पहले एम बड़ी ठेकर की नोज बनाकर मिट्टी पटाई कर डाली और जो दो कमलीट हुई हैं उनमें भी नोज बनने के बाद पानी आ गया था लेकिन नदी के घटते ही फर्म के लोगों ने मजदूर बढ़ाकर जल्दी जल्दी कार्य कराया और कम्प्लीट कर ले गए।फर्म के मालिक भी लगातार इस कार्य के प्रति गंभीर रहे और रोज निगरानी करते व फोन पर दिशा निर्देश देते।अब नदी और बढ़ी है मगर इन दोनो ठेकरों के बनने से विभाग भी चिंता मुक्त हुआ है। एस डी ओ आयुष गर्ग के साथ जे ई ई योगेश,चंद्र प्रकाश,अक्षय व शौरभ जुटे रहे वंही अधिशाषी अभियंता एस के सिंह ने भी लगातार मानिटरिंग की। नदी बढ़ने पर विभाग अनवरत जुटा है व फर्म के लोग भी मौके पर रहकर निगरानी कर रहे।

### पांच वर्षीय बच्चे की रहस्यमयी मौत, आरोप-प्रत्यारोप के बीच पोस्टमार्टम की मांग

**उन्नाव।** जिले के बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मंगलवार सुबह एक चौंकाने वाला मामला सामने आया, जब एक पांच वर्षीय मासूम बच्चे का शव लेकर परिजन अस्पताल पहुंचे। डॉक्टर नीरज शुक्ला ने जांच के बाद बच्चे को मृत घोषित कर दिया और इसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई। मृतक बच्चे की पहचान ऋतिक के रूप में हुई है, जो बहराइच जनपद के थाना भिनगा अंतर्गत गुरधोई गांव निवासी संजय दुबे का पुत्र था। बच्चे की मां मानसी ने बताया कि वह सोमवार को अपने बेटे ऋतिक के साथ अजमेर में थी। वहां अचानक बच्चे को उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, जिसके बाद उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मानसी ने बताया कि जब उन्होंने इस दुखद घटना की जानकारी अपने पति को दी, तो उन्होंने उल्टा उन पर बच्चे को मारने का आरोप लगा दिया। इस आरोप से घबराई मां ने अपने मायके पक्ष को सूचित किया और फिर बच्चे का शव लेकर बांगरमऊ सीएचसी पहुंचीं। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक पति-पत्नी के बीच पहले से ही तनाव था। पत्नी अपने बेटे के साथ अजमेर में रह रही थी, जबकि पति संजय दुबे अपने पैतृक गांव बहराइच में रहता था। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि मृतक के पिता की ओर से अभी तक कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। घटना के पीछे की सच्चाई जानने के लिए पुलिस जांच में जुटी है, लेकिन मासूम ऋतिक की असामयिक मौत ने सभी को स्तब्ध कर दिया है।

### शारदा नहर की जर्जर पुलिया यातायात के लिए घोषित हुई असुरक्षित, एक लाख की आबादी होगी प्रभावित

**नवाबगंज,उन्नाव।** जिले के नवाबगंज-बिछिया मार्ग पर शारदा नहर के किमी नौ पर स्थित पुलिया को लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता रवींद्र सिंह ने निरीक्षण के दौरान गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त पाया। निरीक्षण में सामने आया कि पुलिया की किनारे की दीवारें टूटी हुई हैं, पैरापिट नीचे की ओर झुक चुकी है और कई स्थानों पर गिरी हुई भी मिली है। यह पुलिया वर्ष 1960 में निर्मित की गई थी और लगभग 65 वर्षों से इसकी कोई व्यापक मरम्मत नहीं कराई गई। जर्जर हालत को देखते हुए अभियंता ने इसे यातायात के लिए असुरक्षित घोषित करते हुए तत्काल प्रभाव से आवागमन रोकने और वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था करने के निर्देश एक्सईएन को दिए हैं। इस पुलिया पर आवागमन बंद होने से आसपास के लगभग 17 गांवों की लगभग एक लाख की आबादी प्रभावित होगी। उन्हें अब अपने गंतव्यों तक पहुंचने के लिए करीब पांच किलोमीटर का अतिरिक्त मार्ग तय करना पड़ेगा। पिछले माह गुजरात सहित अन्य राज्यों में पुल ढहने की घटनाओं के बाद उत्तर प्रदेश शासन ने भी 50 वर्ष से अधिक पुराने पुल-पुलियों की जांच कराने का आदेश दिया था। इसके तहत लोक निर्माण विभाग ने इंजीनियरों की टीमें गठित कर करीब 150 पुलों और पुलियों का निरीक्षण कराया। इनमें से 21 पुल-पुलियों को गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त पाया गया। नवाबगंज-बिछिया मार्ग की यह पुलिया भी उसी जांच का हिस्सा थी, जिसमें इसे बेहद जर्जर और यातायात के लिए खतरनाक घोषित किया गया। मुख्य अभियंता ने पुलिया के पुनर्निर्माण के लिए 1.30 करोड़ रुपये की लागत का प्रस्ताव तैयार कर शासन को मंजूरी हेतु भेजने के निर्देश भी दिए हैं। स्वीकृति मिलते ही नए निर्माण कार्य को प्राथमिकता पर शुरू किया जाएगा।

### जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती सपा कार्यालय में मनाई गई

**अमेठी।** समाजवादी आंदोलन के प्रखर विचारक एवं छोटे लोहिया के नाम से प्रसिद्ध जनेश्वर मिश्र की 93वीं जयंती मंगलवार को जिला मुख्यालय स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय, गौरीगंज में सादगी और श्रद्धा के साथ मनाई गई।कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम उदित यादव ने की। इस दौरान वक्ताओं ने जनेश्वर मिश्र के जीवन, सिद्धांतों और समाजवादी विचारधारा को याद करते हुए उनके बताए रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। कहा गया कि जनेश्वर मिश्र ने हमेशा गरीब, मजदूर, किसान और वंचित वर्गों की आवाज को बुलंद किया और समाजवाद के मूल्यों की रक्षा की।कार्यक्रम के अंत में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने छोटे लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित की। जिलाध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा, जनेश्वर मिश्र समाजवादी विचारधारा के मजबूत स्तंभ थे। उन्होंने जीवन भर किसानों, मजदूरों, नौजवानों और वंचित वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। आज उनके सिद्धांतों को आत्मसात करने और समाज में समानता, न्याय व भाईचारे को बढ़ावा देने की आवश्यकता पहले से कहीं ज्यादा है। समाजवादी पार्टी उनके दिखाए रास्ते पर चलते हुए समाज को एक नई दिशा देने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रवक्ता राजेश मिश्र ने कहा,जनेश्वर मिश्र जी का जीवन संघर्ष और समाजवाद की जीवंत मिसाल है। उन्होंने हमेशा सच्चाई, ईमानदारी और सामाजिक न्याय की राजनीति की। आज जब देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं और संविधान पर हमले हो रहे हैं।

# प्रभारी मंत्री जनपदीय अधिकारियों के साथ किया बैठक

केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के दिए निर्देश

करण वाणी न्यूज

**अमेठी।**.राज्यमंत्री खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति विभाग उत्तर प्रदेश शासन/जनपद प्रभारी मंत्री सतीश चंद्र शर्मा ने मंगलवार को विकास भवन सभागार में जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ शासन के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों, राजस्व कार्यों एवं कानून व्यवस्था को लेकर समीक्षा किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में राज्य मंत्री संसदीय कार्य चिकित्सा शिक्षा चिकित्सा स्वास्थ्य परिवार कल्याण तथा मातृ एवं शिशु कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश मयंकेश्वर शरण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि, सदस्य विधान परिषद गोविन्द नारायण शुक्ला, विधायक जगदीशपुर सुरेश पासी, जिलाधिकारी संजय चौहान, पुलिस अधीक्षक अपर्णा रजत कौशिक, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रभारी मंत्री ने शासन द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति में सुधार लाने एवं पात्र लोगों को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभारी मंत्री ने यूपी नेडा के अन्तर्गत सोलर रूफटॉप की प्रगति, उद्यान विभाग में संचालित योजनाओं की समीक्षा, विद्युत विभाग के अंतर्गत शासन की मंशा के अनुरूप विद्युत आपूर्ति की स्थिति, खराब ट्रांसफार्मर के बदलने की स्थिति, लाइन लॉस के प्रकरण तथा विद्युत विभाग से संबंधित प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति, लोक निर्माण विभाग द्वारा नई सड़कों का निर्माण, गड्ढा मुक्त, सिंचाई पंप की आपूर्ति, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, निराश्रित गोवंश के संरक्षण एवं भरण पोषण की स्थिति, मुख्यमंत्री सहभागिता योजना, स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत हेल्थ एंड वैलनेस सेंटर, एंबुलेंस, टीकाकरण की स्थिति, पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालयों के निर्माण एवं संचालन की स्थिति, अंत्येष्टी स्थल के निर्माण, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत व्यक्तिगत शौचालयों की स्थिति, ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत विद्यालयों, आंगनवाड़ी केंद्रों का सौंदर्यीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण, स्वयं सहायता समूह, सामूहिक विवाह योजना, पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम, शादी अनुदान योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, बाल विकास, दुग्ध विकास, एक जनपद एक उत्पाद, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, निवेश मित्र पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति, श्रमिक पंजीकरण, अधिष्ठापन पंजीकरण, श्रमिक दुर्घटना बीमा योजना, आइजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण की स्थिति सहित अन्य कार्यों की गहन समीक्षा किया एवं संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके उपरांत उन्होंने राजस्व कार्यों की समीक्षा किया जिसमें उन्होंने कृषक दुर्घटना योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी, जल जीवन मिशन शहरी, न्यायालय में लंबित वादों के निस्तारण की स्थिति सहित राजस्व के अन्य कार्यों की गहन समीक्षा किया एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने आबकारी, विद्युत, परिवहन, खनन, स्टाम्प, नगरीय निकाय विभाग द्वारा की गई वसूली की जानकारी ली एवं निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष वसूली सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

## उपजिलाधिकारी ने पीस कमेटी की बैठक कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

रक्षा बन्धन पर्व पर बक्सर मे गंगा स्नान के दिन लगता है भारी मेला

करण वाणी न्यूज

**पाटन उन्नाव।** रक्षाबंधन पर्व पर बक्सर मे गंगा स्नान और मेले को लेकर उपजिलाधिकारी ने मंगलवार को पुलिस चौकी परिसर में पीस कमेटी की बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए । रक्षा बन्धन पर्व पर बक्सर मे गंगा स्नान और मां चन्द्रिका देवी मन्दिर मे लगने वाले मेले को लेकर पुलिस चौकी बक्सर मे उपजिलाधिकारी रनवीर सिंह ने पीस कमेटी की बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि पूर्णिमा के अवसर रक्षा बन्धन पर्व पर भारी संख्या मे लोग गंगा स्नान करने आते है । भारी भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था, साफ-सफाई, पेयजल, विद्युत आपूर्ति, स्वास्थ्य सुविधा सहित पुलिस बल हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया । श्रद्धालुओं की सुविधा व सुरक्षा प्रशासन की प्राथमिकता है। मंदिर परिसर व मेला स्थल पर स्वास्थ्य शिविर, पर्याप्त पुलिस बल तथा महिला पुलिस की तैनाती की जाएगी।क्षेत्राधिकारी मधुप मिश्रा ने लोगों से सौहार्दपूर्ण वातावरण में पर्व मनाने की अपील करते हुए कहा कि अराजक तत्वों पर विशेष नजर रखी जाएगी।उन्होंने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या माहौल बिगाड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी थाना प्रभारी धर्मेंद्र मिश्रा ने बताया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे।स्थानीय नागरिकों ने रात्रिकालीन प्रकाश, शौचालय की उपलब्धता तथा गंगा घाट पर बैरिकेडिंग की मांग रखी, जिस पर अधिकारियों ने शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। बैठक में प्रशासन ने निर्देश दिया कि मेला व्यापारी अपनी दुकानें क्रमबद्ध व निर्धारित स्थान पर ही लगाएंगे, ताकि मेला क्षेत्र में अव्यवस्था न फैले और सभी को समुचित स्थान मिल सके।थाना प्रभारी बारा सगवर धर्मेंद्र मिश्रा, रामबदन प्रधान प्रतिनिधि, मंदिर समिति के सदस्य , जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

## भाकियू करेगा जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव होगा

**अमेठी।** भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक जिलाध्यक्ष चुन्नू सिंह ने बैठक आयोजित की।बैठक मे सम्पूर्ण समस्याओ का निस्तारण ना होने के चलते जिलाधिकारी कार्यालय/आवास का घेराव किया जायेगा। धरना-प्रदर्शन का कार्यक्रम समस्याओ के सम्पूर्ण समाधान तक चलेगा। इस धरना-प्रदर्शन की सम्पूर्ण सुरक्षा की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। धरना-प्रदर्शन की सूचना मण्डल आयुक्त अयोध्या को भेजी है। भाकियू जिलाध्यक्ष ने भाकियू प्रदेश अध्यक्ष को भी भेजी है। स्थानीय प्रशासन मे हलचल है। भाकियू जिलाध्यक्ष चुन्नू सिंह ने बैठक के बाद कहा कि आगामी 20अगस्त को जिलाधिकारी कार्यालय/आवास का घेराव करेंगे। समस्याओ के निस्तारण तक कार्यक्रम चलेगा। 10 दिन का समय दिया। लेकिन हैरत इस बात का है। स्थानीय प्रशासन की तरफ से कोई जबाब नही आया। अब भाकियू धरना-प्रदर्शन आगामी 20 अगस्त को किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

## यूरिया खाद की किल्लत बढ़ी मायूस लौट रहे किसान

करण वाणी न्यूज

**मसौली, बाराबंकी।** खेतों में धान की फसल के लिए किसानों को यूरिया खाद की नितांत आवश्यकता है।लेकिन ब्लॉक मसौली के बड़ागांव सहकारी संघ में यूरिया खाद की किल्लत ने किसानों की परेशानी बढ़ा दी है। तो वहीं साधन सहकारी समिति भयारा में भी यूरिया खाद उपलब्ध नही है। खाद वितरण केंद्र पर किसान सुबह से शाम तक लाइन में लगे रहते हैं,उसके बाद उनको खाली हाथ लौटना पड़ता है। धान की फसल के लिए इस समय यूरिया खाद की बेहद जरूरत है, लेकिन सीमित आपूर्ति के चलते प्रत्येक किसान को सिर्फ दो बीघे की दर से एक बोरी खाद दी जा रही है। इससे जरूरतमंद किसानों की समस्या और बढ़ गई है। मंगलवार को बड़ागांव सहकारी संघ केंद्र पर सुबह दस बजे जैसे ही वितरण शुरू हुआ, किसानों ने आधार कार्ड और खतौनी जमा करना शुरू कर दिया। दोपहर होते-होते भीड़ इतनी बढ़ गई कि अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई किसान खेतौनी न होने के कारण खाद नहीं ले पाए। स्थानीय किसानों में बताया कि वे सुबह से केंद्र पर बैठे हैं, लेकिन अब तक खाद नहीं मिल पाई। उनका कहना है कि दो बीघा की सीमा उनकी ज़रूरत के सामने बहुत कम है और इस कारण उनकी धान की फसल खराब हो रही है।

## शिक्षकों में छात्रों के प्रति होती है पित्रत्व भावना: ओ पी त्रिपाठी

करण वाणी न्यूज

**निन्दूरा, बाराबंकी।** विकास खण्ड निन्दूरा क्षेत्र के बाबू हरनाथ सिंह सिसोदिया विद्यापीठ इंटर कॉलेज झरसवां में मंगलवार को माध्यमिक शिक्षा बेसिक शिक्षा तथा उच्च शिक्षा को जोड़ने वाला वह सेतु है जिसकी मजबूती किसी विद्यार्थी के उज्ज्वल भविष्य की आश्वस्ति देती है। उत्कृष्ट परिणाम के लिए शिक्षक का अपने स्टूडेंट्स के प्रति दायित्व बोध एक पिता की भाँति होना आवश्यक है। समस्त इंडिकेटर्स को राज्य स्तर तक तो अनिवार्य रूप तक ले जाने का संकल्प माध्यमिक शिक्षा से जुड़े एक एक व्यक्ति को लेना ही होगा।÷ यह विचार जिला विद्यालय निरीक्षक ओ पी त्रिपाठी ने आकांक्षी विकास खण्ड निन्दूरा एवं पूरे डलई के माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाचार्यो एवं शिक्षकों की एक दिवसीय शिक्षण संवर्धन अभिमुखीकरण कार्यशाला में व्यक्त किए। कार्यशाला का उदघाटन माध्यमिक शिक्षा के ब्लॉक नोडल अधिकारी / जी आई सी निन्दूरा के प्रिंसिपल भानु प्रताप सिंह, विद्यालय के उप प्रबंधक कीर्ति वर्धन सिंह, स्काउट गाइड डॉ रामकुमार गिरि, खण्ड शिक्षा अधिकारी निन्दूरा एवं पूरे डलई सुषमा सेंगर मनीराम, ब्लॉक नोडल डॉ इसरार अहमद एवं सीएम फेलो डॉ रुचि अवस्थी , डॉ अलकमा ने माँ सरस्वती के चित्र पर पूजन के साथ किया। जीआईसी निन्दूरा के प्रिंसिपल भानु प्रताप सिंह ने आकांक्षी ब्लॉक के माध्यमिक शिक्षा के इंडिकेटर की जानकारियां प्रदान करते हुए उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी प्रदान की। सीएम फेलो डॉ अलकमा एवं डॉ रुचि अवस्थी ने आकांक्षी विकासखंडों में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्ययोजना एवं प्रयासों पर चर्चा की। ड्रप आउट , स्टूडेंट्स ट्रांजीशन आदि बिन्दुओं पर वृहद विमर्श किया गया। बाबू हरनाथ सिंह शिशोदिया विद्यापीठ इण्टर कालेज के प्रधानाचार्य ए के पांडेय ने शिक्षण सम्वर्धन पर एक विस्तृत प्रस्तुतिकरण करते हुए विद्यालय , कक्षा-कक्ष, में शिक्षकों की भूमिका , तकनीकी प्रयोग का महत्व और अभिभावकों के साथ संवाद, वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन पर आदि बिंदुओं पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। खण्ड शिक्षा अधिकारी निन्दूरा श्रीमती सुषमा सेंगर ने यू डायस के माध्यम से स्टूडेंट्स इम्पोर्ट करने एवं वर्तमान परिवेश में आकांक्षी विकास खण्ड में शिक्षकों को श्रेष्ठ परिणाम देने के लिए पाठ योजना बनाने की जानकारी दी। समापन सत्र में जिला विज्ञान क्लब समन्वयक/ प्रवक्ता नेशनल इण्टर कालेज, फतेहपुर ने उत्कृष्ट परिणाम देने के लिये शिक्षक-विद्यार्थी-अभिभावक समन्वय एवं शिक्षकों को अपना दृष्टिकोण सकारात्मक करते हुए नवीन शिक्षण पद्धतियों के प्रयोग की बात एक प्रेजेंटेशन के द्वारा बताई।

## 26000बोरी यूरिया और पी सी पी अमेठी पहुंची,38समितियों को वितरण शुरू

करण वाणी न्यूज

**अमेठी ।** हिन्दुस्तान उर्वरक और रसायन लिमिटेड गोरखपुर की ओर से आधा दर्जन थोक विक्रेताओं को तेरह -तेरह हजार बोरी यूरिया और पी सी पी उपलब्ध कराई गई है। इस खाद को 38समितियों पर सीधे भेजा जा रहा है। जिला कृषि अधिकारी राजेश यादव ने समितियों पर यूरिया और पी सी पी भेजवाने का काम शुरू कर दिया है। थोक विक्रेता शिव कुमार मित्तल को 3200बोरी,के एम जैन को 2350बोरी, अशोक ब्रदर्स को1250बोरी, एशिया ट्रेडिंग कम्पनी को 1600बोरी, कृष्णा इंटर प्राइजेज को1600बोरी और शिव ट्रेडिंग कम्पनी को 3000बोरी यूरिया आवंटित की गई है।

## जिला स्तरीय कराटे प्रतियोगिता, चयनित खिलाड़ियों का मंडल के लिए हुआ चयन

करण वाणी न्यूज

**नवाबगंज,उन्नाव।** नवाबगंज नगर स्थित श्याम लाल इंटर कॉलेज द्वारा तहसील स्तरीय एवं जिला स्तरीय माध्यमिक विद्यालय कराटे बालक-बालिका प्रतियोगिता का आयोजन विद्यालय के हाल में किया गया। इस प्रतियोगिता का शुभारंभ कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. अनूप सिंह, सचिव नवीन सिन्हा (जिला खेल समिति उन्नाव), निशा सिंह तोमर (जिला व्यायाम शिक्षिका), प्रधानाचार्य माधुरी लता (जीजीआईसी नवाबगंज उन्नाव), कीड़ा अध्यक्ष शिक्षक धर्मेश प्रताप सिंह, पुरुषोत्तम यादव (जिला व्यायाम शिक्षक) समेत अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प माला अर्पित करके और दीप प्रज्वलित करके किया। इस प्रतियोगिता का आयोजन श्याम लाल इंटर कॉलेज ने किया था, जिसका सहयोग कराटे एसोसिएशन ऑफ उन्नाव द्वारा प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न स्कूलों से लगभग दो दर्जन छात्रों ने भाग लिया, जिनमें जीजीआईसी नवाबगंज, जीजीआईसी चमरौली, श्याम लाल इंटर कॉलेज, एबीसी इंटर कॉलेज, हसनगंज, जनसर प्राथमिक विद्यालय और अन्य विद्यालयों के बच्चे शामिल थे। प्रतियोगिता में बच्चों ने अपनी उत्कृष्टता का प्रदर्शन किया और जिन बच्चों ने पहले स्थान प्राप्त किया, उन्हें मंडल कराटे प्रतियोगिता के लिए चुना गया। ये खिलाड़ी आगामी 7-8 अगस्त 2025 को आयोजित मंडल कराटे प्रतियोगिता में उन्नाव का प्रतिनिधित्व करेंगे।

**इन बच्चों को प्रमाण पत्र एवं सर्टिफिकेट भी वितरित किए गए।:** कार्यक्रम को सफल बनाने में कराटे एसोसिएशन ऑफ उन्नाव के जनरल सेक्रेटरी अंकित कुमार, प्रेसिडेंट रवि चौरसिया, कैप्टन संतोष तिवारी, संदीप मिश्रा, प्रेम प्रकाश, श्याम नारायण, धीरज सिंह, हिमांशु, मुस्कान, पिंकल, गोविंद, लक्ष्मी समेत सभी कांचा ने अहम योगदान दिया। सभी उपस्थित अनुभवियों ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले बच्चों का उत्साहवर्धन किया और भविष्य के कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। इस आयोजन ने उन्नाव में कराटे के खेल को और भी प्रोत्साहन दिया और आने वाले समय में उन्नाव के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने का अवसर प्रदान किया।

**इस प्रकार चयनित बच्चों के नाम निम्नलिखित हैं:**

25 किग्रा मः कृष्ण (प्रथम स्थान)
30 किग्रा में:रौनक (प्रथम स्थान)
50 किग्रा में: कारण (प्रथम स्थान)
60+ किग्रा में:आदित्य पांडे
30 किग्रा में: पल्लवी
26 किग्रा में:दिव्यांशी
46 किग्रा में: प्रीति
40 किग्रा में: महक
48 किग्रा में:रिमझिम
52 किग्रा में:नंदिनी
44 किग्रा में: प्रीति पांडे

## औरास की अर्चना पाल बनीं असिस्टेंट रेडियो ऑपरेटर, गांव में खुशी की लहर

करण वाणी न्यूज

**औरास, उन्नाव।** जिले के विकासखंड औरास के जमालनगर गांव में खुशी का माहौल है। गांव की अर्चना पाल का चयन उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में असिस्टेंट रेडियो ऑपरेटर के पद पर हुआ है। जैसे ही उन्हें जॉइनिंग लेटर प्राप्त हुआ, परिवार और पूरे गांव में उत्साह की लहर दौड़ गई। अर्चना पाल, जो कि दिनेश कुमार पाल की पुत्री हैं, ने वर्ष 2020 में इस पद के लिए आवेदन किया था। उन्होंने फरवरी 2024 में परीक्षा दी थी और अगस्त 2024 में परिणाम घोषित हुआ। अर्चना को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमती नगर, लखनऊ से जॉइनिंग लेटर प्राप्त हुआ है। अर्चना ने अपनी स्कूली शिक्षा फूल कुमारी सरिता देवी स्मारक इंटर कॉलेज नन्दौली से पूरी की। इसके बाद उन्होंने अमरनाथ महाविद्यालय, सीमऊ औरास से बीएससी की डिग्री प्राप्त की। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अर्चना ने कस्बा औरास में स्थित गौतम बुद्ध कंपटीशन क्लासेस से मार्गदर्शन लिया। अपनी सफलता का श्रेय अर्चना ने अपने माता-पिता और शिक्षक शशांक त्रिपाठी को दिया है। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व उनका चयन उत्तर प्रदेश पुलिस में महिला कांस्टेबल के पद पर भी हो चुका था, जिसकी जॉइनिंग 17 जून 2025 को निर्धारित थी। हालांकि, उन्होंने वह नियुक्ति स्वीकार नहीं की थी। अर्चना के पिता शिक्षामित्र के रूप में कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता एक गृहणी हैं। बेटी की इस सफलता पर माता-पिता बेहद गर्वित और प्रसन्न हैं। गांव के लोगों ने मिठाई बांटकर खुशियां मनाईं और बुजुर्गों ने अर्चना को आशीर्वाद देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

## किसान ने खाया जहरीला पदार्थ, इलाज के दौरान हुई मौत

**नवाबगंज,उन्नाव।** जिले के अजगैन थाना क्षेत्र के ग्राम झालोतर में मंगलवार को एक किसान ने अज्ञात कारणों से जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उन्हें तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतक की पहचान 45 वर्षीय बाल चंद्र पुत्र स्वर्गीय भवानीदीन के रूप में हुई है। वे खेती के साथ-साथ दिहाड़ी मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। उनकी पत्नी की पहले ही मृत्यु हो चुकी थी। वह अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी को छोड़ गए हैं। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर है। ग्रामीणों के अनुसार, बाल चंद्र शांत और मिलनसार स्वभाव के व्यक्ति थे, लेकिन हाल के दिनों में वे मानसिक रूप से परेशान दिखते थे। परिजनों का कहना है कि उन्होंने कभी अपनी किसी परेशानी का खुलकर ज़िक्र नहीं किया। दपरिवार पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा था।

## बातचीत के बाद भकियू ने किया धरना स्थगित

करण वाणी न्यूज

**मसौली, बाराबंकी।** अधिशाषी अभियंता विद्युत खालिद सिद्दीकी एव विद्युत उपखंड अधिकारी विलमेश मौर्य एव भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियो के बींच हुई वार्ता के बाद 6 अगस्त को किसान यूनियन के होने वाले धरने को स्थगित कर दिया गया है विद्युत विभाग ने सभी मांगो को जल्द से जल्द पुरा करने का आश्वासन दिया है। बताते चले कि 25 जुलाई को भारतीय किसान यूनियन ब्लाक इकाई अध्यक्ष भगौती प्रसाद वर्मा व सिरौलीगौसपुर तहसील अध्यक्ष राम सजीवन वर्मा ने अधिशाषी अभियंता को सम्बोधित करते हुए एक ज्ञापन दिया था जिसमे 6 सूत्रीय मांग की गयी थी मंगलवार को अधिशाषी अभियंता रामनगर खालिद सिद्दीकी, विद्युत उपखंड अधिकारी मसौली विमलेश मौर्य, अवर अभियंता मसौली लाल जी सिंह व किसान यूनियन तहसील अध्यक्ष रामसजीवन वर्मा, ब्लाक अध्यक्ष भगौती प्रसाद वर्मा के बींच हुई वार्ता के क्रम मे गुरुवार को बांसा व सैदनपुर फीडर की विद्युत लाइन के पेड़ो की डालियो की कटाई व छटाई की जायेगी ।

संक्षिप्त खबरें

## सास के अंतिम संस्कार से लौट रहे दामाद की सड़क हादसे में मौत

**उन्नाव।** थाना गंगाघाट क्षेत्र के मरहलां चौराहा के पास मंगलवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 60 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक हरिशंकर पुत्र जियालाल निवासी उन्नाव बताए गए हैं, जो अपनी सास के अंतिम संस्कार में शामिल होकर वापस घर लौट रहे थे। जानकारी के अनुसार, हरिशंकर मंगलवार को ससुराल गए थे। अंतिम संस्कार के बाद वह देर शाम पैदल ही अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वह मरहलां चौराहा के पास पहुंचे, एक अज्ञात वाहन ने उन्हें तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह सड़क पर गिर पड़े और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचित किया। गंगाघाट थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया। परिवार ने अज्ञात वाहन और उसके चालक की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। थाना गंगाघाट पुलिस ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही आरोपी वाहन व चालक की पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

## संदिग्ध हालात में व्यक्ति की मौत

**उन्नाव।** थाना दही क्षेत्र के मोहल्ला गंगूखेड़ा में सोमवार रात एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान बाबूलाल रैदास (45) के रूप में हुई है, जो मूल रूप से फिरोजपुर कला, थाना माखी का निवासी था और वर्तमान में मोहल्ला कल्याणी, थाना दही में रह रहा था। मिली जानकारी के अनुसार, सोमवार रात बाबूलाल नशे की हालत में मोहल्ला गंगूखेड़ा पहुंचा और वहां शिवा लोधी के घर के सामने खड़े होकर गाली-गलौज करने लगा। इसी दौरान वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। मौके पर मौजूद शिवा लोधी ने तत्काल एंबुलेंस बुलवाकर बाबूलाल को जिला अस्पताल उन्नाव पहुंचाया। डॉक्टरों ने बाबूलाल की गंभीर हालत को देखते हुए मंगलवार को उसे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया, जहां बुधवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई जगदीश रैदास ने मामले में अज्ञात व्यक्ति द्वारा मारपीट किए जाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि बाबूलाल के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे, जो उसकी मौत का कारण बन सकते हैं। थाना दही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

## बैंड बाजे के साथ धूमधाम से निकाली गयी शोभायात्रा

**निन्दूरा, बाराबंकी।** विकास खण्ड निन्दूरा क्षेत्र के उधापुर गांव में शिव मंदिर में बुधवार को मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा की गई। मंदिर के पुजारी ने मंत्रोच्चार के साथ मूर्तियों की पूजा करके प्राण-प्रतिष्ठा कराई। मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा से पूर्व गांव में बैंड-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली गई।मंदिर में बुधवार को शिव परिवार की मूर्तियों की स्थापना कराई गई। इससे पूर्व मंदिर में शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा मंदिर से शुरू होकर गोसाई पुरवा से भदेशिया , दीनपनाह, बजगहनी ,चौधरीपुर धखौली होते हुए धन्नाग तीर्थ पहुंची धन्नाग तीर्थ से पूजा पाठ मंत्र उच्चारण के साथ वापस गोसाई पुरवा पहुंची जहां प्राण प्रतिष्ठा की गई। शोभायात्रा का ग्रामीणों ने जगह-जगह फूलों से स्वागत किया। शोभायात्रा में श्रद्धालु बैंड-बाजे की धुनों पर झूमते चल रहे थे। मूर्ति स्थापना के बाद मंदिर में भंडारे का आयोजन करके प्रसाद वितरित किया गया।इस मौके पर आयोजन राम लखन गोस्वामी, व उमेश सिंह प्रधान, संजय चौरसिया प्रधान ,राम आसरे बाबा आज लोग उपस्थित रहे।

## राजकीय महाविद्यालय स्थित गोसाई खेड़ा में अभिविन्यास कार्यक्रम का हुआ आयोजन

**असोहा,उन्नाव।** राजकीय महाविद्यालय गोसाईखेड़ा में आज बुधवार को 12 बजे से 4 तक नव प्रवेशित छात्रा छात्राओं हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम का उडदेशय विद्यार्थीयों को महाविद्यालय के शैक्षिक वातावरण, नियमों, अनुशासन तथा उपलब्ध सनसाधनों की जानकारी देना था। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ दीप्ति खरे के कर कमल द्वारा मां सरस्वती के चरणों में पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया । जंतु विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ सुनीता रावत ने प्राचार्य को स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया तथा पुस्तकालय विभाग प्रभारी डॉ पूनम चौहान ने महाविद्यालय की वरिष्ठतम प्राध्यापिका प्रो रश्मि श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह भेंटकर स्वागत किया । तत्पश्चात कार्यक्रम प्रभारी मनोविज्ञान विभाग में असिस्टेंट प्रो डॉक्टर कीर्ति मदनानी ने महाविद्यालय की प्राचार्य उपस्थित अभिभावक गण एवं नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वागत उद्बोधन दिया तथा पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय में संचालित एन ई पी पाठ्यक्रम, विभिन्न क्रियाकलापों तथा वर्ष भर संचालित होने वाले विभिन्न आयोजनों एवं शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में जानकारी विस्तृत रूप में प्रदान की । इसी क्रम में उन्होंने महाविद्यालय के कला, विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के सभी प्राध्यपकों तथा शिक्षनेत्तर कर्मचारियों से नव प्रवेशित छात्र छात्राओं को परिचित कराया । संस्थान की विभिन्न इकाइयों जैसे रोवर्स रेंजर्स, पुस्तकालय, कंप्यूटर लैब, स्मार्ट क्लास, सड़क सुरक्षा तथा छात्रवृत्ति संबंधित जानकारी भी समितियां के संयोजक अथवा प्रभारियों द्वारा दी गई । माहाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर दीप्ति खरे ने सभी छात्र छात्राओं को नए सत्र की बधाई देते हु अनुशासन एवं परिश्रम के साथ अपनी शैक्षणिक यात्रा को सफल बनाने हेतू प्रेरित किया ।अंत में अंग्रेजी विभाग प्रभारी डा दीक्षा शर्मा ने प्राचार्य , उपस्थित प्रध्यापको एवं अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापन किया। यह कार्यक्रम नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं के लिए मार्गदर्शक सिद्ध हुआ तथा उन्हें महाविद्यालय जीवन की शुरुआत के लिए मानसिक रूप से तैयार करने में समर्थ हुआ ।

# पुलिस में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल

छह सीओ के कार्यक्षेत्र बदले, कानून-व्यवस्था सुधारने की कवायद तेज

करण वाणी न्यूज

**उन्नाव।** जिले की कानून-व्यवस्था को नई धार देने के उद्देश्य से एसपी दीपक भूकर ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। छह क्षेत्राधिकारियों (छह) के कार्यक्षेत्र बदले गए हैं, जिससे पुलिस व्यवस्था को अधिक चुस्त-दुरुस्त और जवाबदेह बनाने की रणनीति सामने आई है। सीओ सिटी की कमान संभालेंगे नवागत आईपीएस दीपक यादव हरियाणा निवासी और फील्ड वर्क में दक्ष माने जाने वाले आईपीएस अधिकारी दीपक यादव को शहर की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उम्मीद की जा रही है कि उनके नेतृत्व में शहर में न केवल कानून-व्यवस्था बल्कि यातायात व्यवस्था में भी सुधार आएगा।

**तेज प्रताप सिंह को पुरवा की जिम्मेदारी, सोनम सिंह होंगी सफीपुर सीओ:** कानपुर से स्थानांतरित होकर आए तेज प्रताप सिंह अब पुरवा सर्किल की कमान संभालेंगे। उनकी सख्त कार्यशैली अपराधियों पर लगाम कसने में मददगार मानी जा रही है। वहीं, 17 माह तक सीओ सिटी पद संभाल चुकीं सोनम सिंह को अब सफीपुर भेजा गया है, जहाँ उनके अनुभव का लाभ ग्रामीण क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बेहतर करने में लिया जाएगा।

**ट्रैफिक और क्राइम ब्रांच में भी बदलाव:** सफीपुर में तैनात अजय सिंह को अब सीओ ट्रैफिक बनाया गया है। ट्रैफिक की कमान अब उनके हाथों में होगी। पूर्व सीओ ट्रैफिक संजय मिश्रा को अब सीओ कार्यालय की जिम्मेदारी दी गई है। सीओ लाइन में कार्यरत प्रदीप कुमार मौर्य को अब क्राइम ब्रांच की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। अब जिले में संगठित अपराध पर पैनी नजर रखने की उम्मीद जताई जा रही है।

**एसपी भूकर का दावा:** बदलाव से मिलेगी त्वरित व प्रभावी सेवा

एसपी दीपक भूकर ने कहा कि यह फेरबदल आम जनता को त्वरित और प्रभावी पुलिस सेवा देने के उद्देश्य से किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि नए अधिकारी अपने अनुभव और कार्यशैली से जिले की कानून-व्यवस्था को नई दिशा देंगे।

## युवक का शव फांसी के फन्दे पर लटकता पाया गया,पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा

**बांगरमऊ,उन्नाव।** बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र में एक युवक का शव संदिग्धावस्था में छप्पर के नीचे फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेज दिया। युवक की अचानक मौत से परिजनों में चीख-पुकार मची हुई है। ग्राम कबीरपुर निवासी इंद्रपाल के बेटे मनोज 22 वर्ष का शव बुधवार को सुबह उसकी फूस के छप्पर के नीचे फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया। युवक को फांसी पर लटका देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। घटना की खबर फैलते ही सैकड़ों ग्रामीण घटनास्थल पर जा पहुंचे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भेज दिया। ग्रामीणों के अनुसार युवक फांसी के फंदे पर घुटनों के बल लटक रहा था। जिससे ग्रामीणों में घटना को लेकर संदेह बना हुआ है। थाना प्रभारी मुन्ना कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

# छज्जा गिरने से 6 वर्षीय मासूम की मौत

करण वाणी न्यूज

**उन्नाव।** मंगलवार शाम आई बारिश एक परिवार के लिए काल बनकर आई। गांधी नगर निवासी अरुण श्रीवास्तव की 6 वर्षीय बेटी नयना की घर का पुराना छज्जा गिरने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब मासूम नयना कमरे से बाहर पानी पीने निकली थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही नयना बाहर आई, मकान का जर्जर छज्जा भरभराकर गिर पड़ा और वह मलबे के नीचे दब गई। परिवार व पड़ोसियों ने तुरंत उसे बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि अरुण श्रीवास्तव का मकान लगभग 40 साल पुराना था और वर्षों से उसमें कोई मरम्मत नहीं कराई गई थी। लगातार बारिश से दीवारें और छज्जा कमजोर हो चुके थे। हादसे की सूचना मिलते ही नायब तहसीलदार धीरजत्रिपाठी, लेखपाल अशोक सैनी और गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। अधिकारियों ने परिवार को ढांढस बंधाया और आपदा राहत नियमों के अंतर्गत आर्थिक सहायता का आश्वासन दिया। नयना की मौत से पूरे मोहल्ले में मातम पसरा हुआ है। स्थानीय निवासी संजय वर्मा ने बताया, नयना बहुत होनहार और चंचल बच्ची थी। उसे देखकर हर कोई मुस्कुरा देता था। उसकी असमय मौत ने सभी को झकझोर दिया है।

## मोटरसाइकिल की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

**असोहा, उन्नाव।** थाना असोहा चौकी कालूखेड़ा क्षेत्र शंभू खेड़ा निवासी कृष्ण कुमार की तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने मारी टक्कर कृष्ण कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ा तथा पत्नी विंदा देई घायल हो गई कृष्ण कुमार 45 वर्ष पुत्र ईश्वरदीन लोधी संभूखेड़ा मजरा मालिहागाढ़ा किसी काम से अपनी पत्नी बिंदादेई के साथ किसी काम से संड़ैली जा रहा था तभी संड़ैली के सामने मौरावा मोहनलालगंज मार्गपर मौरावा की ओर से आ रही तेज रफ्तार मोटरसाइकिल यू पी 32 क्यू एफ 4135 ने सामने से टक्कर मार दी जिससे कृष्ण कुमार की मौके पर ही मृत्यु हो गई कृष्ण कुमार अपने पीछे पत्नी बिन्दादेई दो लड़के व एक लड़की राजकुमार 15 वर्ष ,अनुज10 वर्ष, व पुत्री रागिनी 8 वर्ष को छोड़ गया सूचना पर पहुंचे कालूखेड़ा चौकी इंचार्ज मृत्युंजय बहादुर मय पुलिस बल के साथ पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही करते हुए ।

# विधायक ने किया बाल विकास परियोजना कार्यालय का उद्घाटन

करण वाणी न्यूज

**निन्दूरा, बाराबंकी।** बाल विकास परियोजना कार्यालय नवनिर्मित भवन का स्थानीय विधायक ने फीता काटकर उद्घाटन किया विकास खण्ड निन्दूरा क्षेत्र में बाल विकास परियोजना कार्यालय वर्षों से कंपोजिट विद्यालय कुर्सी प्रांगण में चल रहा था विभाग ने नवनिर्मित बाल विकास परियोजना कार्यालय ग्राम पंचायत बसरा राजकीय इंटर कॉलेज के निकटतम बनवाकर बाल विकास विभाग को सौंप दिया बुधवार को स्थानीय विधायक साकेंद्र प्रताप वर्मा द्वारा फीता काटकर उद्घाटन किया विधायक ने बताया कि सरकार सभी विभागों के खुद के भवन बनकर विभाग को सौंप रही है चाहे वह बाल विकास परियोजना विभाग हो चाहे वह अन्नपूर्णा भवन हो सरकार लगातार विकास कार्य करने में लगी हुई है। विधायक ने भी बताया कि बाल विकास परियोजना कार्यालय के सामने क्रांति पार्क में 100 फीट का झंडा जल्द ही लगाया जाएगा इस मौके पर बीडीओ आलोक कुमार वर्मा बाल विकास परियोजना अधिकारी अरुण कुमार पांडे विशाल सिंह सुनील विश्वकर्मा मंडल महामंत्री राजेश सिंह राजेंद्र पण्डे नीरज कुमार श्रीश रावत आदि लोग मौजूद।

# पूर्व लोकसभा प्रत्याशी ने लगाए धमकी और अभद्रता के आरोप

सपा नेताओं के खिलाफ

करण वाणी न्यूज

**उन्नाव।** प्रतिद्वंद्विता को लेकर उन्नाव में तनाव बढ़ता दिख रहा है। हाल ही में लोकसभा चुनाव में एआईएमआईएम पार्टी से प्रत्याशी रहे शैफ खां ने समाजवादी पार्टी (सपा) के नेताओं और उनके समर्थकों पर गाली-गलौज, धमकी और अभद्रता का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शहर के गदिद्याना मोहल्ला निवासी शैफ खां पुत्र रईश अहमद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 1 अगस्त की शाम सपा नेता राहुल अग्निहोत्री (जिलाध्यक्ष, लोहिया वाहिनी) और अंजुम (जिलाध्यक्ष, युवजन सभा) अपने कई समर्थकों के साथ चौपहिया और दोपहिया वाहनों से उनके घर पहुंचे थे।

शैफ खां के अनुसार, उस समय वह घर पर मौजूद नहीं थे, लेकिन पड़ोसियों और परिजनों से उन्हें जानकारी मिली कि आरोपितों ने उनके घर का दरवाजा पीटते हुए गालियां दीं और उन्हें जान से मारने की धमकी दी। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब राजनीतिक रंजिश के तहत उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने के उद्देश्य से किया गया।

शैफ खां ने पुलिस से जान-माल की सुरक्षा की मांग करते हुए गनर उपलब्ध कराने की मांग की है। पुलिस ने मामले में आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद क्षेत्र में राजनीतिक तनाव का माहौल बन गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

# मेडिकल एसेसमेंट कैंप आयोजित

दिव्यांग छात्र छात्राओं का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

करण वाणी न्यूज

**सिरौलीगौसपुर बाराबंकी।** राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पांचवी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय शिक्षा समागम 2025 कार्यक्रम के अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में अध्यनरत दिव्यांग छात्रों के स्वास्थ्य परीक्षण हेतु मेडिकल एसेसमेंट कैंप का आयोजन किया गया। विकास खंड सिरौलीगौसपुर के प्राथमिक विद्यालय बदोसराय प्रथम में खंण्ड शिक्षा अधिकारी फिजा मिर्जा एवं जिला समन्वयक विशेष शिक्षा सुधा जायसवाल के संयोजन में कैंप का आयोजन हुआ। कैंप में कुल 33 छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया । जिसमें अस्थि दिव्यांगत के 02, दृष्टि के 11 , मानसिक के 12 एवं अन्य के 08 छात्र सम्मिलित हुए । कैंप का उद्देश्य छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर दिव्यांगत प्रमाण पत्र जारी करना रहा। प्रमाण पत्र जारी करने हेतु जिला चिकित्सालय से डा0 विनोद पाल, डा0 दिनेश कुमार, डा0 विनय कुमार के संयुक्त दल ने उपस्थित छात्र छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर 24 छात्रों को प्रमाण पत्र जारी किया एवं 07 छात्रों को जिला चिकित्सालय रेफर किया । परीक्षण में विशेष शिक्षक संतोष भारती, विशेष शिक्षक रमेश श्रीवास्तव, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह एवं समस्त दिव्यांग छात्र छात्राओं के अभिभावक उपस्थित रहे।

# सरयू नदी खतरे से 43 सेमी पंहुची ऊपर,अफसर करते रहे भ्रमण

पशुओं के हरे चारे की बनी समस्या,कहीं नाव की मांग

करण वाणी न्यूज

**रामनगर, बाराबंकी।** सरयू नदी खतरे के निशान से 43 सेमी ऊपर है तथा बढ़ती ही रिकार्ड हुई है।तहसील अधिकारी खुद बाढ़ ग्रस्त इलाकों में घूम घूम कर नजर रखे हुए हैं। लेखपालों को भी सक्रिय किया गया है। नदी के बढ़ने से घरों व रास्तों में पानी आ गया है। बुधवार को नदी जल जल स्तर 106.500 सेमी आंका गया जो खतरे के निशान 106.07 से 43 सेमी ऊपर है। रामनगर के सिसौडा,तपेसिपाह ,कोरिन पुरवा, बुधई पुरवा इलाकों के भर गया है व रास्तों पर भी पानी है ।जो लोग बिल्कुल किनारे बसे थे वे लोग ऊँचे स्थानों पर आ रहे हैं। तहसीलदार विपुल कुमार व नायब तहसीलदार सैयद तहजीब हैदर ,विपुल कुमार ने सरयू पुल,लोहटी, चौकाघाट, दुर्गापुर, तपेसिपाह सहित सूरतगंज के करमुल्लापुर आदि गाँवों का भ्रमण कर हालात पर नजर बनाए रही। लोगों से हाल चाल जाना व नाव आदि के बारे में जानकारी ली।बाढ़ एरिया में कानूनगो व लेखपाल भी भेजे गए ताकि सूचनाएं मिलती रहें। बाढ़ कार्य खंड के सहायक अभियंता आयुष गर्ग, जे ई अक्षय व सौरभ, योगेश भी बाँध पर भ्रमण करते रहे।सरयू नदी का जल स्तर एक सप्ताह से बढ़ता ही दर्ज किया जा रहा है। अधिकारी लगातार सतर्क निगाह रखे हुए हैं ।पानी बढ़ने से पशुओं के लिए हरे चारे की समस्या बन गई है । पशुओ को ग्रामीण ऊँचे स्थानों पर ला रहे हैं। तराई के कई रास्तों व नालों मे भी पानी भर गया है। सूरतगंज के बी डी ओ देवेंद्र सिंह,ए डी ओ पंचायत राजेंद्र प्रसाद ने भी इलाके के प्रधानों से नाव आदि चलने की जानकारी ली।रामनगर ब्लॉक के जो बाढ़ संभावित गाँव है वंहा ए डी ओ पंचायत अभय शुक्ला के साथ बीडीओ जितेंद्र कुमार व ग्राम पंचायत अधिकारी ऋषभ पांडेय ने ग्राम प्रधानों से बात की और कई जगह भ्रमण भी किए। सभी अफसर बाढ़ को लेकर एलर्ट हैं।

## दोस्ती और टूर पर जाने का बनाया गया दबाव, भाई को भी नौकरी से निकाला

**नोएडा।** ग्रेटर नोएडा में इकोटेक-3 औद्योगिक क्षेत्र की एक इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में अप्रेंटिस कर रही एक युवती ने कंपनी के कर्मचारियों पर यौन शोषण का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि उस पर जबरन दोस्ती करने और टूर पर घूमने जाने का दबाव बनाया गया। इतना ही नहीं उसके भाई को भी नौकरी से निकाल दिया गया। पीड़िता ने मामले की शिकायत इकोटेक-3 थाने में की, जिसके आधार पर पुलिस ने कंपनी के सुपरवाइजर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता बिसरख कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली है और मल्होत्रा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में अप्रेंटिस के तौर पर काम कर रही थी। उसके भाई की भी उसी कंपनी में नौकरी थी, जिसे एक महीने पहले निकाल दिया गया। युवती का आरोप है कि कंपनी के लाइन हेड और सुपरवाइजर राजाराम उसे लगातार एक वरिष्ठ अधिकारी से जबरन दोस्ती करने और टूर पर साथ जाने के लिए मजबूर कर रहे थे।

# दौड़ एवं लिखित परीक्षा दे अभ्यर्थियों ने बहाया पसीना

करण वाणी न्यूज

**सफीपुर, उन्नाव।** सफीपुर कस्बा स्थित महात्मा गांधी इंटर कॉलेज ग्राउंड में एनसीसी की 57 यूपी बटालियन के अंतर्गत जूनियर एवं सीनियर वर्ग के कैडेटों की भर्ती प्रक्रिया की गई। शारीरिक दक्षता, लिखित परीक्षा के उपरांत मेरिट के आधार पर परिणाम घोषित किया जाएगा। अनुशासनपूर्ण परीक्षा कराने आए आर्मी अधिकारियो के निर्देशन में अभ्यर्थियों में खुद को साबित करने का जुनून साफ झलका। आवश्यक लंबाई और रेस का अव्वल प्रदर्शन ही परीक्षा हेतु चयन का मानक बनाया गया। आर्मी बटालियन के सूबेदार केएम तिवारी व सूबेदार नारायण सिंह, लेफ्टिनेंट सुभाष चंद्र, सेकेण्ड ऑफिसर कुलदीप कुमार, आर्मी में हवालदार मनप्रीत सिंह ने भर्ती की शुरुआत अभ्यर्थियों की मापजोख से की। स्टेचर मीटर (हाईट मेजरमेंट मीटर) पर 1.65 मीटर से कम लंबाई वाले आवेदक बाहर कर दिए गए। कुल 187 आवेदक छात्र जिन्हें शारीरिक दक्षता परीक्षा के बाद लिखित एक्जाम हेतु अर्ह माना गया। सूबेदार कविन्दर मोहन तिवारी व हवालदार मनप्रीत सिंह ने बताया कि एसडी (सीनियर डिवीजन) 65 सीटों में 34 सीटों पर जेडी (जूनियर डिवीजन) 25 की रिक्त सीटें पर अभ्यर्थियों ने भाग लिया जिनपर परीक्षा परिणाम के आधार पर तैयार मेरिट के मुताबिक चयन किया जाएगा। 15-15 छात्रों की 600 मीटर रेस में प्रथम से लेकर 5 स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को सेलेक्ट किया गया। इस दौरान एनसीसी आर्मी के सूबेदार कविन्दर मोहन तिवारी, सूबेदार नारायण सिंह, हवालदार मनप्रीत सिंह , लेफ्टिनेंट सुभाष चंद्र, सेकेण्ड अफसर कुलदीप पटेल , प्रधानाचार्य मनीष कुमार, सफीपुर सीएचसी मेडिकल टीम से डॉ हेमंत कुमार, संजय कुमार, डॉ मीना उपस्थित रहे।

## पुलिस ने 2 आरोपी को किया गिरफ्तार,पैसा डबल करने के नाम पर ठगे थे 5.60 लाख

**नोएडा।** नोएडा के थाना फेज-2 पुलिस ने एक बड़े ठग गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जो लोगों को पैसा डबल करने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी कर चुके हैं। इस बार इन्होंने सलारपुर गांव के एक दुकानदार को अपना शिकार बनाया था, जिससे इन्होंने पहले भरोसा जीता और फिर 5 लाख 60 हजार रुपए ठग लिए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को सेक्टर-81 के भूड़ा कट इलाके से गिरफ्तार किया है। उनके पास से 51 हजार रुपए नगद भी बरामद किए गए हैं। सलारपुर गांव में परचून की दुकान चलाने वाले पुरुषोत्तम कुमार ने पुलिस को बताया कि 29 जून को गांव का ही एक युवक प्रकाश कुमार उर्फ सन्नी, दिल्ली के दल्लूपुरा निवासी अपने दोस्त सत्तार को दुकान पर लेकर आया। दोनों ने कुछ दिन तक दुकान पर आना-जाना किया और फिर दोस्ती बढ़ा ली। इसके बाद दोनों ने पुरुषोत्तम को एक सप्ताह में रकम दोगुनी करने का ऑफर दिया, और बदले में 10 फीसदी कमीशन लेने की बात कही।

## एक्सप्रेसवे परट्रेलर में पीछे से टकरायी तेज रफ्तार कार,चालक व महिला रिश्तेदार गम्भीर घायल

करण वाणी न्यूज

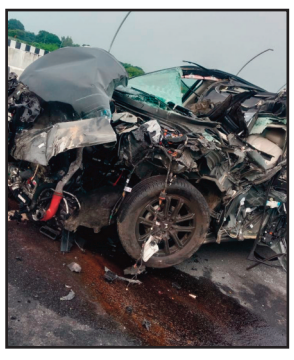

बांगरमऊ,उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार ट्रेलर के पीछे जा टकराई। हादसे में चालक और उसकी महिला रिश्तेदार दो सवार गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम घायलों को यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। दोनों घायलों को नाजुक हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। दिल्ली के 62/1 बाड़ा हिंदू राव निवासी नाजिम 39 वर्ष पुत्र नानू अपनी अपनी रिश्तेदार हारिया 31 वर्ष पुत्री अब्दुल फरीन निवासी सूरजकुंड नोएडा को लेकर कार से लखनऊ की ओर जा रहा था। तभी रास्ते में आगरा लखनऊ एक्सप्रेस वे पर स्थित हरदोई मार्ग अंडरपास के निकट तेज रफ्तार कार ट्रेलर के पीछे जा घुसी। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और कार चालक और उसकी रिश्तेदार युवती दोनों गंभीर घायल हो गए। रास्ते से गुजर रहे वाहन चालकों की सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम ने आनन-फानन दोनों घायलों को किसी तरह कार से निकालकर एंबुलेंस से यहां के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत नाजुक देखकर दोनों घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यूपीडा रेस्क्यू टीम ने कार और ट्रेलर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सुरक्षित स्थानों पर खड़ा कर मार्ग पर आवागमन बहाल कराया।

## संक्षिप्त खबरें

### बीएलए ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली

**इस्लामाबाद।** बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के नुश्की जिले में मंगलवार रात हुए बम विस्फोट की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसके हमले पाकिस्तान की सेना के एक मेजर समेत तीन सैन्यकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। बीएलए ने दावा किया कि उसकी खुफिया शाखा ÷जिराब÷ की पुख्ता सूचना पर मेजर के काफिले को निशाना बनाया गया। द बलूचिस्तान पोस्ट ने बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। यह हमला रात करीब 8ः00 बजे नुश्की जिले के गरगिना इलाके में एक सड़क किनारे लगे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से एक बुलेटप्रूफ सैन्य वाहन को निशाना बनाकर किया गया। मृतकों की पहचान मेजर रिजवान, नायब सूबेदार अमीन और लांस नायक यूनिस के रूप में होने का दावा किया गया है। पाकिस्तान की सेना ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने दावा किया कि लड़ाकों ने जिराब की सूचना के आधार पर मेजर रिजवान के काफिले को निशाना बनाया। इस हमले की पूरी जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी
लेती है।

### हिजबुल्ला को साल के अंत तक छोड़ने होंगे हथियार

**बेरूत ।** लेबनान सरकार ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को सेना से कहा कि वह एक ऐसी योजना बनाए, जिससे साल के अंत तक सिर्फ सरकारी संस्थाओं के पास ही हथियार हों। सरकार के इस कदम का उद्देश्य उग्रवादी समूह हिजबुल्ला को निरस्त्र करना है। यह फैसला प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने लगभग छह घंटे तक चली कैबिनेट मीटिंग के बाद लिया। यह घोषणा हिजबुल्ला के एक नेता के बयान के बाद आई, जिसमें उन्होने कहा था कि उनका समूह हथियार नहीं छोड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई तो वे इस्राइल पर मिसाइल हमला कर सकते हैं। पीएम सलाम ने कहा कि सेना को इस महीने के अंत तक एक योजना बनाकर सरकार के सामने पेश करनी होगी। सरकार का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब लेबनान पर हिजबुल्ला को निरस्त्र करने का अमेरिकी दबाव है।

# अमेरिका के लिए भारत अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं : ट्रंप

एजेंसी

**वाशिंगटन।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने कहा कि भारत का शुल्क (टैरिफ) बहुत ज्यादा है। इसलिए अमेरिका उसके साथ कम व्यापार करता है। उन्होंने कहा कि इसलिए अमेरिका के लिए भारत अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं है। द व्हाइट हाउस ने अपने समाचार प्रभाग में सीएनबीसी को दिए राष्ट्रपति ट्रंप के साक्षात्कार के मुख्य अंश पांच अगस्त को प्रसारित किए हैं। इनमें यह बात कही गई है।



ट्रंप ने कहा कि भारत हमारे साथ बड़ा व्यापार करता है। अमेरिका उस अनुपात में भारत के साथ काफी कम व्यापार करता है। उन्होंने कहा, %% इसलिए मैं 25 फीसद टैरिफ पर सहमत हुआ हूं। मुझे लगता है कि मैं अगले 24 घंटों में इसे काफी बढ़ा दूंगा। भारत रूस से तेल खरीद रहा है। यही नहीं भारत युद्धक विमानों को ईंधन दे रहा है।÷ राष्ट्रपति ट्रंप ने सीएनबीसी के स्क्वॉक बॉक्स में अपने दूसरे कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाते हुए अपनी प्राथमिकताएं भी गिनाईं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने चीन के साथ संबंधों पर कहा, ÷यदि हम कोई समझौता कर लेते हैं, तो सबसे अधिक संभावना है कि मैं वर्ष के अंत से पहले चीन के साथ बैठक करूंगा। वैसे भी हम समझौते के बहुत करीब पहुंच रहे हैं।÷ राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के साझेदार देशों से ऐतिहासिक व्यापार समझौतों से अमेरिका खरबों डॉलर कमा रहा है। ट्रंप ने इस दौरान अपनी मोस्ट फेवर्ड नेशन दवा मूल्य निर्धारण योजना का भी बखान किया।

उन्होंने पदभार ग्रहण करने के बाद से विदेशी मूल के श्रमिकों की संख्या में आई गिरावट की सराहना की। राष्ट्रपति ने रूढ़िवादियों के साथ भेदभाव करने के लिए बड़े बैंकों की आलोचना की। सीएनबीसी के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि वह अगले हफ्ते ही सेमीकंडक्टर और चिप्स पर नए टैरिफ की घोषणा करेंगे। अमेरिका चाहता है कि ये देश में ही बनें। उन्होंने कहा कि दुनिया के अधिकांश उन्नत सेमीकंडक्टर ताइवान से आते हैं। उन्होंने योजना के बारे में कोई और जानकारी नहीं दी।

## अमेरिकी न्याय विभाग को जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलें सौंपने के लिए समन

**वाशिंगटन।** हाउस ओवरसाइट कमेटी अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने मंगलवार को अमेरिकी न्याय विभाग को समन जारी किया। विभाग से कहा गया है कि वह नाबालिग लड़कियों की तस्करी के आरोपित जेफरी एपस्टीन से जुड़ी पूरी फाइलें सौंप दे। कॉमर ने दूसरा समन पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेशमंत्री हिलेरी क्लिंटन की गवाही के लिए जारी किया गया है। कॉमर ने कहा कि वह चाहते हैं कि न्याय विभाग 19 अगस्त तक या उससे पहले पूरी फाइलें सौंप दे।



एबीसी न्यूज के अनुसार, कॉमर ने यह जानकारी देते हुए कहा कि विभाग एपस्टीन और मैक्सवेल के मामलों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी को सार्वजनिक करने का प्रयास कर रहा है। यह आवश्यक है कि कांग्रेस संघीय सरकार यौन तस्करी कानूनों के प्रवर्तन और विशेष रूप से एपस्टीन और मैक्सवेल की जांच और अभियोजन के संचालन की निगरानी करे। कॉमर ने न्याय विभाग की आला अधिकारी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को भेजे समन में यह उल्लेख किया है। क्लिंटन दंपत्ति के अलावा, रिपब्लिकन नेतृत्व वाले पैनल ने जेम्स कॉमी, लोरेटा लिंच, एरिक होल्डर, मेरिक गारलैंड, रॉबर्ट म्यूलर, विलियम बार, जेफ सेशंस और अल्बर्टो गोंजालेस के बयान दर्ज कराने के लिए भी समन जारी किए है। कमेटी के रिपब्लिकन सदस्यों ने कहा कि वे इन लोगों से एपस्टीन संबंधी फाइलों के संबंध में जानकारी मांग रहे हैं।

कुछ रिपब्लिकन वर्षों से एपस्टीन मामले से जुड़ी साजिशों और षड्यंत्रों को हवा दे रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार इस पर अपनी राय दे चुके हैं। कुछ ने सवाल उठाया है कि इन दोनों की कथित ग्राहक सूची में और कौन हो सकता है। न्याय विभाग और एफबीआई ने पिछले महीने एक संक्षिप्त बयान में कहा था कि समीक्षा में पाया गया कि ऐसी कोई सूची मौजूद नहीं है। कांग्रेस ने कुछ माह पहले कॉमर को इस आशय के समन जारी करने के लिए आधिकारिक रूप से कहा था। ओवरसाइट रैंकिंग सदस्य प्रतिनिधि रॉबर्ट गार्सिया ने पिछले महीने कहा था कि यह कदम ÷एपस्टीन से जुड़ी फाइलों पर पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए डेमोक्रेट्स की लड़ाई का हिस्सा है। कांग्रेस का समन औपचारिक कानूनी आदेश होता है।

एपस्टीन पर यौन तस्करी का आरोप लगाया गया था और 2019 में जेल में उसने आत्महत्या कर ली थी। एपस्टीन की सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को ट्रंप के प्रथम कार्यकाल के दौरान 2020 में यौन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 2021 में उन्हें दोषी ठहराया गया। वह इस समय जेल में है। एपस्टीन से ट्रंप के कथित संबंधों की वजह से यह मामला इन दिनों अमेरिका में गरमाया हुआ है।

## मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान उत्तरी एरिजोना में क्रैश हुआ, दुर्घटना में चार की मौत

एजेंसी

**एरिजोना ।** अमेरिका के एरिजोना राज्य में नावा जो नेशन क्षेत्र में मंगलवार को एक छोटा मेडिकल ट्रांसपोर्ट विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया और उसमें आग लग गई। इस हादसे में विमान में सवार चार लोगों की मौत हो गई। यह जानकारी नावा जो जनजाति के अधिकारियों ने दी। इस दुर्घटना में शामिल विमान बीचक्राफ्ट किंग एयर 300 था, जो सीएसआई एविएशन कंपनी का था। यह विमान न्यू मैक्सिको के अल्बुकर्क शहर से उड़ा था और उसमें दो पायलट व दो स्वास्थ्यकर्मी सवार थे।

जानकारी के मुताबिक, विमान की योजना चिनले के पास स्थित एयरपोर्ट पर उतरने की थी, जहां से एक गंभीर हालत वाले मरीज को लेकर वापस अल्बुकर्क लौटना था। लेकिन उतरते समय कोई तकनीकी गड़बड़ी हो गई और विमान क्रैश हो गया। नावा जो पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी एमेट याजी ने बताया कि, %वे चिनले एयरपोर्ट पर उतरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन अफसोस, कुछ गलत हो गया।% हादसे की सूचना मंगलवार दोपहर करीब 12.44 बजे मिली, जब एयरपोर्ट के पास काले धुएं के बादल उठते देखे गए। नावा जो इमरजेंसी विभाग की निदेशक शेरेन सैंडोवल ने बताया कि विमान एक मरीज को लेने आया था, जिसे विशेष इलाज की जरूरत थी। हालांकि, मरीज कहां था और उसकी हालत क्या है, इस बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। विमान हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन (एफएए) मामले की जांच कर रहे हैं। हादसे से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। सीएसआई एविएशन कंपनी ने एक ईमेल बयान में हादसे की पुष्टि करते हुए गहरा दुख जताया ।

## टीटीपी का अशांत तिराह घाटी के आदिवासियों से समझौता

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने मंगलवार को इस बात पर सहमति जताई कि वह सुरक्षा बलों के खिलाफ अपने सशस्त्र संघर्ष में नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल नहीं करेगा। टीटीपी नेताओं ने यह भी वादा किया कि अब से खैबर कबायली जिले की अशांत तिराह घाटी में जकात और उशर के नाम पर किसी से जबरन वसूली नहीं की जाएगी।



डान अखबार की खबर के अनुसार टीटीपी के लेटरहेड पर पश्तो भाषा में लिखे और उसकी सर्वोच्च परिषद (रहबारी शूरा) की मुहर लगे इस समझौते को बार कंबरखेल के एक बुजुर्ग ने स्थानीय आदिवासियों के सामने पढ़ा। यह समझौता आम आदिवासियों के खिलाफ शत्रुता समाप्त करने और शांति बहाल करने के लिए तिराह से वापसी की उनकी मांग के जवाब में किया गया है। खैबर के तिराह में बार कंबरखेल जनजाति के जिरगा के दौरान मंगलवार को यह समझौता हुआ। इस दौरान प्रतिबंधित टीटीपी नेताओं ने सुरक्षा बलों के खिलाफ अपना सशस्त्र प्रतिरोध जारी रखने और उन लोगों को सजा देने की कसम खाई, जिन्होंने सुरक्षा बलों का समर्थन किया या उनके खिलाफ जासूसी करने के दोषी पाए गए। समझौते में कहा गया है कि हमारा एकमात्र उद्देश्य इस्लाम विरोधी ताकतों और उनके सहयोगियों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष (जिहाद) है।हम स्थानीय लोगों के आंतरिक और निजी मामलों में अपनी भागीदारी को अनुचित मानते हैं और इसलिए हमने अपने स्वयंसेवकों को ऐसा करने से सख्त मना किया है। समझौते में स्पष्ट किया गया है कि टीटीपी सदस्य लोगों के घरों में शरण नहीं लेंगे या सुरक्षा बलों के खिलाफ बंकर के रूप में इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे, लेकिन वे ऐसी किसी भी निजी इमारत में सुरक्षा बलों के रुकने का विरोध करेंगे। टीटीपी नेताओं ने यह भी सहमति व्यक्त की कि लड़ाके किसी का अपहरण या उत्पीड़न नहीं करेंगे। तिराह के बार कंबरखेल में बातचीत का पहला दौर 28 जुलाई को हुआ था। इस दौरान टीटीपी के स्थानीय कमांडरों ने अफगानिस्तान में अपने नेतृत्व को जिरगा की मांगों से अवगत कराने के लिए पांच अगस्त तक का समय मांगा था। इस समझौते की तिराह के अधिकांश निवासियों ने सराहना की है।

## रूस और यूक्रेन शांति वार्ता की नई उम्मीद मॉस्को पहुंचे ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विटकोफ

एजेंसी

**मॉस्को।** रूस और यूक्रेन के बीच शांति समझौता की कोशिशों के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विशेष दूत स्टीव विटकोफ बुधवार को रूस की राजधानी मॉस्को पहुंचे। विटकोफ की मॉस्को यात्रा यूक्रेन और रूस के बीच शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच हो रही है। कारण है कि बीते दिनों व्हाइट हाउस ने रूस को चेतावनी दी है कि अगर जल्दी शांति नहीं हुई तो कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

बता दें कि रूस पहुंचने के साथ ही स्टीव विटकोफ को मॉस्को के जरयादये पार्क में रूस के राष्ट्रपति के आर्थिक मामलों के दूत किरील दिमित्रीव के साथ घूमते देखा गया। दिमित्रीव पहले भी रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता में अहम भूमिका निभा चुके हैं। हालांकि रूस की तरफ से अभी यह नहीं बताया गया है कि विटकोफ राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात करेंगे या नहीं। क्रीमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने विटकोफ के आने का स्वागत किया। साथ ही कहा कि ये बातचीत बहुत जरूरी और फायदेमंद हैं।

इससे पहले ट्रंप ने रूस को शुक्रवार तक की अंतिम तारीख दी है। अगर यूक्रेन में हिंसा नहीं रुकी तो अमेरिका रूस पर भारी टैक्स और कड़े आर्थिक कदम उठा सकता है। हालांकि, अब तक रूस की क्रीमलिन ने अमेरिकी धमकियों को नजरअंदाज किया है और बातचीत में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया है। वहीं यूक्रेन का कहना है कि ये प्रतिबंध रूस की युद्ध ताकत को कमजोर कर रहे हैं और वह चाहता है कि पश्चिमी देश इन्हें और कड़ा करें। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने सोमवार को अमेरिका, यूरोप और अन्य देशों से अपील की कि वे रूस के ऊर्जा, व्यापार और बैंकिंग सेक्टर पर और सख्त प्रतिबंध लगाएं।

## बीवाईसी ने बलूचिस्तान में संघीय सरकार के चेहल्लुम यात्रा मार्ग पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की आलोचना की

एजेंसी

**क्वेटा।** बलूचिस्तान के नागरिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की वकालत करने वाले समूह बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने संघीय सरकार के हाल ही में बलूचिस्तान से होकर चेहल्लुम के लिए इराक जाने वाले शिया तीर्थयात्रियों के काफिले पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की निंदा की है।

समूह ने इस कदम को संवैधानिक और मौलिक अधिकारों का उल्लंघनऔर इसे तथाकथित सुरक्षा के नाम पर किया गया धार्मिक भेदभाव बताया है। बीवाईसी की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की टिप्पणी के बाद आई है। आसिफ ने मंगलवार को इस्लामाबाद में कहा था कि सरकार ने तीर्थयात्रियों के काफिले को निशाना बनाकर आतंकवादी हमलों के खतरे के कारण क्वेटा से 800 किलोमीटर के भूमि मार्ग पर यात्रा प्रतिबंधित कर दी है। द




बलूचिस्तान पोस्ट की खबर के अनुसार, बीवाईसी ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। तथाकथित सुरक्षा के नाम पर लगाया गया कोई भी प्रतिबंध अस्वीकार्य है।

समूह ने आरोप लगाया कि राज्य ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने मूल कर्तव्य को पूरा करने के बजाय यह प्रतिबंध लगाया है। बीवाईसी ने कहा, ÷राज्य की जिम्मेदारी धार्मिक अनुष्ठान करने वाले नागरिकों के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करना है, न कि आस्था के आधार पर उन्हें बाधित करना।

बीवाईसी ने बयान में कहा कि कि शिया तीर्थयात्रियों ने प्रतिबंध के विरोध में कराची से रिमदान सीमा तक लंबे मार्च की घोषणा की है। समूह ने इस मार्च को संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार बताया और विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वालों के साथ अपना पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की।बीवाईसी ने कहा, हम मांग करते हैं कि शिया तीर्थयात्रियों के कारवां पर प्रतिबंध तुरंत हटाया जाए और बलूचिस्तान से ईरान और इराक जाने वालों को पूरी सुरक्षा प्रदान की जाए। बयान में अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि वे बल प्रयोग या दबाव के जरिए मार्च में बाधा डालने का प्रयास न करें। गौरतलब है कि पाकिस्तान के संघीय गृहमंत्री ने भी हाल ही में घोषणा की थी कि शिया तीर्थयात्रियों को बलूचिस्तान के रास्ते इराक जाने से रोका जाएगा।

### जापान के हिरोशिमा पर परमाणु हमले के 80 साल पूरे

**हिरोशिमा।** जापान के हिरोशिमा पर हुए परमाणु हमले की बुधवार को 80वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह वर्षगांठ ऐसे समय मनाई जा रही है, जब दुनिया में परमाणु युद्ध का खतरा फिर से सिर उठा रहा है और दुनिया कई युद्ध की चपेट में है। यही वजह है कि हिरोशिमा परमाणु हमले में बचे लोग मौजूदा हालात को लेकर बेहद चिंतित हैं और उन्होंने विभिन्न नेताओं द्वारा परमाणु युद्ध को दिए जा रहे समर्थन पर नाराजगी भी जाहिर की। हिरोशिमा परमाणु हमले में बचे लोगों की संख्या लगातार घट रही है और अब उनकी औसत उम्र 86 साल है। बीते साल परमाणु उन्मूलन के लिए काम करने वाले संगठन निहोन हिडानक्यो को नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस संगठन में परमाणु बम हमले में बचे लोग सदस्य हैं। संगठन ने एक बयान में कहा कि हमारे पास अब बहुत ज्यादा समय नहीं बचा है, जबकि हम पहले से ज्यादा बड़े परमाणु युद्ध के खतरे का सामना कर रहे हैं।

## पाक में 13 लाख से ज्यादा अफगान शरणार्थियों को निकाला जाएगा

एजेंसी

**इस्लामाबाद ।** पाकिस्तान सरकार ने घोषणा की है कि देश में रह रहे 1.3 मिलियन (13 लाख) से ज्यादा अफगान शरणार्थियों की औपचारिक वापसी और निर्वासन की प्रक्रिया 1 सितंबर 2025 से शुरू की जाएगी। यह शरणार्थी वो हैं जिनके पास प्रूफ ऑफ रजिस्ट्रेशन (पीओआर) कार्ड हैं, लेकिन ये कार्ड 30 जून को समाप्त हो चुके हैं।



सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिनके पीओआर कार्ड की वैधता खत्म हो चुकी है, वे अब अवैध निवासी माने जाएंगे। ऐसे लोगों को अब पाकिस्तान में रहने की अनुमति नहीं होगी। पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने एक पत्र जारी कर सभी प्रांतीय सरकारों, पुलिस अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों को इस योजना की जानकारी दी है। इस योजना को अवैध विदेशियों के प्रत्यावर्तन योजना (आईएफआरपी) कहा जा रहा है। इस योजना के तहत इन सभी को निकाला जाएगा। स्वैच्छिक वापसी- यानी शरणार्थी अभी से स्वेच्छा से लौट सकते हैं। इसके लिए कोई रोक नहीं है। औपचारिक निर्वासन- जिन शरणार्थियों ने स्वेच्छा से वापसी नहीं की, उन्हें 1 सितंबर से वापस भेजा जाएगा। एसीसी कार्डधारियों पर भी असर- जिनके पास अफगान सिटीजन कार्ड (एसीसी) हैं, उनकी वापसी की प्रक्रिया पहले से चल रही है और वही जारी रहेगी।

इसके लिए गिलगित-बाल्टिस्तान मंत्रालय और सैफरान विभाग को आदेश दिया गया है कि वे सभी पीओआर कार्डधारियों का डेटा जिलों को दें। वहीं नेशनल डाटाबेस और रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी (एनएडीआरए) वापसी कर रहे शरणार्थियों की डीरजिस्ट्रेशन करेगी।

बॉर्डर टर्मिनलों पर यह प्रक्रिया पूरी की जाएगी। फेडरल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एफआईए) बॉर्डर पर निर्वासन प्रक्रिया में मदद करेगी। इसके साथ ही प्रांतीय सरकारें अपने-अपने इलाकों में सभी पीओआर कार्डधारियों का मैपिंग करेंगी। ट्रांजिट एरिया बनाए जाएंगे जहां से शरणार्थियों को भेजा जाएगा। यात्रा के लिए वाहन, वित्तीय सहायता की व्यवस्था भी करनी होगी। केपीके प्रांतीय स्टीयरिंग कमेटी की बैठक सोमवार को हुई। जिलों के डिप्टी कमिश्नरों, पुलिस और स्पेशल ब्रांच को आदेश दिया गया कि अफगान समुदाय के बुजुर्गों के साथ जिरगा आयोजित कर स्वैच्छिक वापसी के लिए प्रेरित करें। जिले में मौजूद पीओआर कार्डधारियों का पुनः सर्वेक्षण करें। वहीं एनएडीआरए और प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) को निर्देश दिया गया है कि पेशावर और लांडी कोटल के पुराने ट्रांजिट प्वाइंट को फिर से पूरी क्षमता से चालू किया जाए। कमेटी ने सुझाव दिया है कि जिन शरणार्थी शिविरों में अब कोई उपयोग नहीं है, उन्हें अधिसूचित करना कर बंद किया जाए। इसके लिए अफगान शरणार्थी आयुक्तालय को सभी कैटेगरी और शिविरों में रह रहे लोगों की जानकारी देने को कहा गया है।

## इजराइल की गाजा में पूर्ण सैन्य नियंत्रण की योजना पर विचार



एजेंसी

**तेल अवीव।** इजराइल सरकार गाजा पट्टी के उस 25 प्रतिशत क्षेत्र में भी सेना तैनात करने पर विचार कर रही है, जो अभी उसके नियंत्रण में नहीं है। हालांकि इस संभावित कदम को लेकर सैन्य नेतृत्व और देश की अधिकांश जनता में चिंता जताई जा रही है कि इससे हमास के कब्जे में बचे बंधकों की रिहाई की संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं।

एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले अपनी सुरक्षा कैबिनेट की बैठक इसी सप्ताह बुला सकते हैं। मंगलवार को नेतन्याहू ने तीन घंटे लंबी सुरक्षा बैठक की, जिसमें आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्सेस) के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जामिर ने सैन्य विकल्पों की प्रस्तुति दी। आईडीएफ ने साफ किया है कि सुरक्षा कैबिनेट द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय को लागू करने के लिए वह तैयार है।

### अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दबाव

गाजा में जारी लगभग दो वर्ष लंबे युद्ध को लेकर इजराइल पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि खाद्य आपूर्ति पर इजराइली प्रतिबंध और युद्ध से हुई तबाही के कारण गज़ा में भुखमरी का खतरा बढ़ रहा है। जुलाई के अंत में इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र और एनजीओ के माध्यम से मानवीय सहायता के वितरण को आसान बनाने का वादा किया था।

मंगलवार को सरकार ने खाद्य और स्वच्छता सामग्री की वाणिज्यिक पहुंच में कुछ और ढील देने की घोषणा की, लेकिन यह कड़ी सुरक्षा जांच के अधीन रहेगी। प्रदेशों में सरकारी गतिविधियों के समन्वयक (सीओजीएटी) ने बताया कि अब स्थानीय व्यापारी सीमित मात्रा में खाद्य सामग्री गाजा में ला सकते हैं और उसे बाजार में बेच सकते हैं। जुलाई के मध्य में जहां प्रतिदिन औसतन 30 ट्रक सहायता सामग्री लेकर आते थे, वहीं यह संख्या अब 185 ट्रकों तक पहुंच गई है।

### घरेलू राजनीति में मतभेद

सैन्य नेतृत्व इस नए सैन्य कदम को लेकर संशय में है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि सेना को सरकार की राजनीतिक नीतियों को लागू करना चाहिए और वह यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा हो। वहीं, नेशनल सिक्योरिटी मंत्री इतामार बेन गविर, जो नेतन्याहू की गठबंधन सरकार के कट्टरपंथी सदस्य हैं, ने आईडीएफ चीफ एयाल जामिर की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें स्पष्ट रूप से सरकार के आदेशों का पालन करने की प्रतिबद्धता जतानी चाहिए। विपक्ष के नेता और पूर्व आईडीएफ प्रमुख बेनी गैंट्ज ने जामिर पर हुए हमले को गैरजिम्मेदाराना बताया। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा किए गए हमलों में अगवा किए गए लोगों में से अब भी 50 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से केवल 20 के जीवित होने की संभावना जताई गई है। जनता और सैन्य नेतृत्व का एक बड़ा हिस्सा मानता है कि गाजा में और गहराई तक सैन्य कार्रवाई करने से इन बंधकों की रिहाई की संभावनाएं और कम हो जाएंगी।

## गाजा में हर दिन भुखमरी से मर रहे 28 बच्चे, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में बड़ा दावा

एजेंसी

**संयुक्त राष्ट्र ।** इस्राइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष में गाजा की स्थिति दिन-प्रतिदिन और भयावह होती जा रही है। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा किया है। संयुक्त राष्ट्र ने बताया है कि गाजा में हर दिन करीब 28 बच्चे मारे जा रहे हैं। यह बच्चे बमबारी, भूख, बीमारी और जरूरी मदद न मिलने की वजह से जान गंवा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनीसेफ) ने कहा है कि गाजा के बच्चों को सबसे ज्यादा खाना, पानी, दवा और सुरक्षा की जरूरत है। और सबसे जरूरी है कि तुरंत ही युद्ध रोक दिया जाए। बता दें कि बढ़ते संकट के बीच दावा किया जा रहा है कि इस्राइल ने दो मार्च से गाजा के सभी रास्ते बंद कर दिए हैं। हर दिन केवल 86 ट्रक सहायता भेजे जा रहे हैं, जबकि कम से कम 600 ट्रकों की जरूरत होती है। इस वजह से गाजा में बहुत बड़ी भूखमरी फैल गई है। वहीं मामले में संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों और 150 से ज्यादा मानवतावादी संगठनों ने युद्ध बंद करने और जरूरी मदद पहुंचाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि गाजा के बच्चे एक खोई हुई पीढ़ी बनते जा रहे हैं, जिन्हें मनोवैज्ञानिक रूप से भी मदद चाहिए।

हालांकि इन सबके बीच बुधवार को भी इस्राइल ने गाजा पर भीषण हमला किया। इस हमले में गाजा में कम से कम 83 लोग मारे गए, जिनमें 58 लोग ऐसे थे जो मदद लेने जा रहे थे। गाजा के नागरिक रक्षा विभाग ने संयुक्त राष्ट्र और मदद संगठनों से ईंधन और उपकरणों की आपूर्ति की अपील की है ताकि घायल लोगों को बचाया जा सके। वहीं इस मामले में इस्राइली सेना ने कहा है कि छह देशों ने 110 और मदद के पैकेट गाज़ा में एयरड्रॉप किए हैं। जुलाई 27 से अब तक कुल 785 पैकेट एयरड्रॉप किए जा चुके हैं। इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सुरक्षा अधिकारियों के साथ युद्ध की अगली रणनीतियों पर चर्चा की है, जिसमें गाज़ा पर पूरा कब्जा करने का विकल्प भी शामिल है। बता दें कि ये पूरा संघर्ष तब शुरू हुआ जब सात अक्तूबर 2023 को जब हमास ने दक्षिणी इस्राइल पर हमला किया था, तब से गाजा में 18,000 से ज्यादा बच्चे मारे जा चुके हैं। हर घंटे लगभग एक बच्चा अपनी जान गंवा रहा है। कुल मिलाकर गाज़ा में 60,933 से अधिक लोग मारे गए हैं और 1,50,000 से ज्यादा घायल हुए हैं।

# यूएई त्रिकोणीय सीरीज : अफगानों की 22 सदस्यीय टीम हुई घोषित

एजेंसी

**काबुल।** अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय सीरीज के लिए 22 खिलाड़ियों की प्रारंभिक टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान स्टार लेग स्पिनर राशिद खान को सौंपी गई है। इस टीम में रहमानुल्लाह गुरबाज़, फजलहक फारूकी, अजमतुल्लाह उमरजई और अनुभवी मोहम्मद नबी जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को शामिल किया गया है।

त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत 29 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से होगी। इससे पहले अफगानिस्तान टीम दो हफ्तों के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। यह सीरीज अफगानिस्तान के लिए आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी का अहम हिस्सा मानी जा रही है।

**अफगानिस्तान की प्रारंभिक टीम**

राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), सदीकुल्लाह अटल, वफिउल्लाह तारखिल, इब्राहिम जादरान, दरवेश रसूली, मोहम्मद इसहाक, मोहम्मद नबी, नंग्याल खारोती, शराफुद्दीन अशरफ, करीम जन्नत, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नैब, मुजीब जादरान, एएम ग़ज़नफ़र, नूर अहमद, फजलहक फारूक़ी, नवीन उल हक़, फरीद मलिक, सलीम साफ़ी, अब्दुल्लाह अहमदजई और बशीर अहमद।

# कनेडियन ओपन : ओसाका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

**मॉन्ट्रियल।** जापान की पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने मंगलवार रात कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलीना स्वितोलिना को महज 6-2, 6-2 से हराकर टूर्नामेंट में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को जारी रखा। सेमीफाइनल में अब ओसाका का सामना 16वीं वरीय क्लारा टॉसन से होगा, जिन्होंने दिन के पहले क्वार्टरफाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ को 6-1, 6-4 से हराकर चौंका दिया।

ओसाका, जो 2022 में मियामी ओपन के फाइनल के बाद पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंची हैं, 2023 में बेटी शाई के जन्म के लिए 15 महीने के ब्रेक के बाद टेनिस में लौटी हैं। वह अपने करियर का आठवां खिताब और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। इस बीच, बुधवार को खेले जाने वाले एक और सेमीफाइनल में, कनाडा की 18 वर्षीय विक्टोरिया

म्बोको का मुकाबला नौवीं वरीय एलेना रायबाकिना (कजाखस्तान) से होगा। टोरंटो की रहने वाली म्बोको, जो पहली बार नेशनल बैंक ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेल रही हैं, इस टूर्नामेंट के शानदार प्रदर्शन के चलते टॉप 50 रैंकिंग में प्रवेश करेंगी। उन्होंने टूर्नामेंट में टॉप सीड कोको गॉफ सहित पाँच उच्च वरीय खिलाड़ियों को हराया है।

क्लारा टॉसन ने अपनी जीत अपने दादा पीटर को समर्पित की। उन्होंने मैच के बाद कोर्ट पर भावुक होते हुए कहा, ÷मैं आज उनके लिए जीतना चाहती थी। उन्होंने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया, टेनिस खेलने में मदद की, स्कूल से हर दिन प्रैक्टिस के लिए ले जाते थे।÷ 22 वर्षीय डेनमार्क की खिलाड़ी ने बताया कि उन्हें सोमवार सुबह अपने दादा के निधन की खबर मिली, ठीक एक दिन बाद जब उन्होंने विंबलडन चैंपियन और विश्व नंबर 3 इगा स्विएतेक को सीधे सेटों में हराया था। टॉसन ने टूर्नामेंट में अब तक एक भी सेट नहीं गंवाया है।

**मैच में कीज़ की चूक**

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 की विजेता मैडिसन कीज़ ने मैच की शुरुआत में दो ब्रेक पॉइंट गंवाए, जिसके बाद टॉसन ने पहला सेट लगातार पांच गेम जीतकर अपने नाम कर लिया। कीज़ ने माना कि उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा। उन्होंने कहा, ÷आज मेरा दिन नहीं था। उसने शानदार टेनिस खेला, बेहतरीन सर्व किया। मैं अलग-अलग रणनीति आज़माती रही, लेकिन वह हर चीज़ का जवाब देती रही।

## टेलर फिट्ज़ और बेन शेल्टन के बीच ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल मुकाबला तय

**टोरंटो।** टेलर फिट्ज़ और बेन शेल्टन ने मंगलवार को कनाडियन ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जीत दर्ज कर ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल की नींव रख दी है। यह पिछले 15 वर्षों में पहली बार है जब किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दो अमेरिकी खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त फिट्ज़ ने छठी वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रे रुब्लेव को 6-3, 7-6 (4) से हराया। फिट्ज़ ने मुकाबले में कुल 20 ऐस लगाए, जिनमें अंतिम अंक पर लगाया गया ऐस निर्णायक साबित हुआ।

इसके बाद चौथे वरीय शेल्टन ने ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनॉर को 6-3, 6-4 से मात दी। 22 वर्षीय शेल्टन ने पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। फिट्ज़ और शेल्टन के बीच यह ऐतिहासिक सेमीफाइनल मुकाबला आज खेला जाएगा। इससे पहले आखिरी बार 2010 में एंडी रोडिक और मार्डी फिश के बीच सिनसिनाटी में ऐसा ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल खेला गया था। बुधवार को होने वाला दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के एलेक्ज़ेंडर ज्वेरेव और 11वीं वरीयता प्राप्त रूस के करेन खाचानोव के बीच होगा। ज्वेरेव 2017 में मॉन्ट्रियल में यह खिताब जीत चुके हैं। टूर्नामेंट का फाइनल गुरुवार को खेला जाएगा। 27 वर्षीय फिट्ज़ ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए पहले गेम में तीन ऐस लगाए और अगले आठ अंक जीतते हुए रुब्लेव की सर्विस तोड़ी। उन्होंने पहले सेट में 4-1 की बढ़त हासिल करते हुए आसानी से सेट अपने नाम किया। फिट्ज़, जो वर्तमान में एटीपी रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं और पिछले साल यूएस ओपन फाइनल में विश्व नंबर 1 यानिक सिनर से हार गए थे, अब अपने करियर का 11वां एटीपी टूर खिताब और दूसरा मास्टर्स 1000 खिताब जीतने की ओर अग्रसर हैं। दूसरे सेट में फिट्ज़ ने 4-4 की बराबरी पर रुब्लेव की सर्विस तोड़ी, लेकिन रुसी खिलाड़ी ने तुरंत वापसी की और 6-5 की बढ़त ली।

हालांकि, फिट्ज़ ने सेट को टाइब्रेक में ले जाकर जीत दर्ज की। गौरतलब है कि इस बार कई शीर्ष खिलाड़ियों जैसे सिनर, जैक ड्रेपर (नंबर 5), नोवाक जोकोविच (नंबर 6) और कार्लोस अल्कराज (नंबर 2) ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। अल्कराज ने विंबलडन सेमीफाइनल में फिट्ज़ को हराया था। रुब्लेव, जो पिछले साल मॉन्ट्रियल में खेले गए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से हार गए थे, इस बार चौथे दौर में ही बाहर हो गए। 27 वर्षीय यह खिलाड़ी विंबलडन और फ्रेंच ओपन के चौथे दौर तक पहुंचे थे।

## चोट के कारण पुमास यूनाम के खिलाफ इंटर मियामी के मैच से बाहर रहेंगे मेसी

**मियामी।** इंटर मियामी को लीग्स कप 2025 के अहम मुकाबले में बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी पुमास यूनाम के खिलाफ होने वाले ग्रुप स्टेज मुकाबले से बाहर हो गए हैं। टीम के कोच जेवियर माशेरानो ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। माशेरानो ने बताया कि मेसी को पिछले शनिवार नेकैक्सा के खिलाफ मियामी की जीत के दौरान दाहिनी जांघ के ऊपरी हिस्से में हल्की मांसपेशियों की चोट लगी है। माशेरानो ने पत्रकारों से कहा, बुरी खबर के बीच अच्छी बात ये है कि मेसी आमतौर पर काफी तेजी से चोट से उबरते हैं, लेकिन साफ है कि वो कल के मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इसके बाद हम देखेंगे कि उनकी रिकवरी कैसी रहती है। मेसी इस सीजन एमएलएस में सबसे ज्यादा 18 गोल कर चुके हैं और 2023 में इंटर मियामी को लीग्स कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभा चुके हैं।

# वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ को 8 विकेट से हराया, अंकित कुमार और कृष धमाकेदार साझेदारी

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार रात खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के दूसरे सीज़न के मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ अंकित कुमार और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ कृष यादव, जिन्होंने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की टीम की शुरुआत बेहद धमाकेदार रही। अंकित और कृष ने पहले विकेट के लिए मात्र 14 ओवरों में 158 रनों की तूफानी साझेदारी की, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। कृष यादव ने 42 गेंदों पर 67 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें शानदार स्ट्रोक्स और तेज़ रनिंग शामिल रही। वहीं, अंकित कुमार दुर्भाग्यवश शतक से चूक गए और 46 गेंदों में 96 रनों की तूफानी

पारी खेलकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 11 चौके और 6 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। इससे पहले, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए अच्छी शुरुआत की। ओपनर कुनवर बिधूड़ी (27 गेंदों में 42 रन) और सुमित माथुर (29 गेंदों में 33 रन) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। कप्तान आयुष बडोनी ने भी 25 गेंदों में 48 रनों की अहम पारी खेली।

हालांकि, मिडल ओवर्स के बाद सुपरस्टार्ज़ की पारी बिखर गई और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। अंततः टीम 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 185 रन ही बना सकी। वेस्ट दिल्ली लायंस के गेंदबाज़ों ने डेथ ओवर्स में शानदार गेंदबाज़ी की। अनिरुद्ध चौधरी ने 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट झटके। वहीं, मनन भारद्वाज ने 2/23 और हृतिक शौकीन ने 1/16 का योगदान दिया।

# आईजीपीएल लीग युवाओं को मंच के साथ देगी आर्थिक सहयोग

एजेंसी

**नई दिल्ली।** अनुभवी भारतीय गोल्फर और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित गगनजीत सिंह भुल्लर ने इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) में एक आइकन खिलाड़ी के रूप में करार किया है। वह इस बहुप्रतीक्षित लीग में एक फ्रेंचाइजी टीम का नेतृत्व करेंगे।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भुल्लर ने आईजीपीएल को हाल के वर्षों की सबसे रोमांचक गोल्फ पहल बताया और इसमें भाग लेने के पीछे की वजहों को साझा किया। भुल्लर ने कहा, गोल्फ एक व्यक्तिगत खेल है, लेकिन जब भी मुझे देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है, मुझे टीम के रूप में खेलने में हमेशा आनंद आया है। 2006 के दोहा एशियाई खेलों में जब हमने रजत पदक जीता, वह अनुभव आज भी यादगार है। भुल्लर ने कहा, लोगों को शायद यह अंदाजा नहीं होता कि गोल्फ एक बेहद महंगा खेल है। ऐसे में आईजीपीएल जैसी लीग युवाओं को न सिर्फ मंच देगी, बल्कि आर्थिक रूप से भी सहयोग करेगी।

यह केवल शोपीस लीग नहीं है, बल्कि इसमें गंभीर प्रतिस्पर्धा और बड़ी इनामी राशि होगी। उन्होंने कहा, जो युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में हैं, उनके लिए इस तरह की लीग में हिस्सा लेकर पैसे कमाना और खुद के खेल में निवेश करना बहुत बड़ी बात होगी। क्योंकि जब संसाधन नहीं होते, तो शुरुआत में ही बहुत से खिलाड़ी पीछे रह जाते हैं। आईजीपीएल इस खाई को पाटने में मदद करेगा। उन्होंने कहा, जब मुझे गोल्फ लीग की जानकारी मिली, तो मुझे लगा कि यही वो चीज़ है जिसका मैं इंतजार कर रहा था। क्योंकि हम अक्सर टीम के रूप में नहीं खेल पाते। यह एक ऐसा पहलू था जो मेरे करियर में अधूरा सा लग रहा था। आईजीपीएल भारत की पहली पेशेवर गोल्फ लीग होगी जिसमें पुरुष और महिला खिलाड़ी एक ही मंच पर खेलते नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी आधारित इस लीग में क्षेत्रीय सर्किट्स भी होंगे, जिससे यह लीग न केवल खेल के प्रारूप को नया रूप देगी, बल्कि समावेशिता और एथलीट सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देगी। इस लीग से जुड़ी प्रमुख बातों में क्रिकेट के दिग्गज और गोल्फ प्रेमी युवराज सिंह का बतौर सह-मालिक और ब्रांड एंबेसडर होना और इंडियन गोल्फ यूनियन के साथ समझौता ज्ञापन साइन करना शामिल है। इससे यह लीग भारत में पुरुषों, महिलाओं और शौकिया गोल्फरों के लिए एक प्रमुख मंच बनने की दिशा में अग्रसर है। भुल्लर इस लीग को उभरती प्रतिभाओं को निखारने और आगे बढ़ाने का एक बड़ा अवसर मानते हैं। उन्होंने कहा, ÷जब मुझे टीम का कप्तान बनने का मौका मिला, तो मैंने सोचा कि मैं अगली पीढ़ी के गोल्फरों का मार्गदर्शन कर सकता हूं। यह जिम्मेदारी मुझे व्यक्तिगत रूप से भी बहुत उत्साहित करती है। शिव कपूर, गौरव घई और एसएसपी चौरसिया जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से युवा खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा और उनका विकास तेज़ी से होगा। पहले संस्करण के आयोजन से पहले, आईजीपीएल का दौरा देश के विभिन्न शहरों में कराया जाएगा ताकि देशभर में गोल्फ को लेकर माहौल तैयार किया जा सके और प्रतिभावान खिलाड़ियों को लीग से जोड़ा जा सके। लीग का उद्देश्य न केवल प्रतिस्पर्धी गोल्फ को बढ़ावा देना है, बल्कि इसे जमीनी स्तर तक ले जाकर खिलाड़ियों के विकास की पूरी संरचना तैयार करना है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और दिग्गजों को बुलाकर भारतीय खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन और अनुभव दिया जाएगा।

# आरबीआई ने जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.50 फीसदी पर रखा कायम

## वित्त वर्ष 2025-26 में सीपीआई आधारित महंगाई दर 3.1 फीसदी रहने का अनुमान

एजेंसी

**मुंबई।** रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने बुधवार को वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान 6.50 फीसदी पर बरकरार रखा है। इसके साथ ही आरबीआई ने महंगाई दर का अनुमान 3.7 फीसदी से घटाकर 3.1 फीसदी कर दिया है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए तीसरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समीति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद कहा कि सामान्य से बेहतर दक्षिण और पश्चिम मानसून, कम मुद्रास्फीति, क्षमता इस्तेमाल में बढ़ोतरी और अनुकूल वित्तीय स्थितियां घरेलू आर्थिक गतिविधियों को समर्थन दे रही हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कारकों को ध्यान में रखते

हुए वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान है। आरबीआई गवर्नर ने पहली तिमाही में 6.5 फीसदी, दूसरी तिमाही में 6.7 फीसदी, तीसरी तिमाही में 6.6 फीसदी और चौथी तिमाही में 6.3 फीसदी जीडीपी रहने का अनुमान जताया है। इसके साथ ही उन्होंने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर 6.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि जोखिम दोनों ओर समान रूप से संतुलित हैं। आरबीई गवर्नर ने कहा कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा महंगाई दर लगातार आठवें महीने गिरकर जून में 77 महीने के निचले स्तर 2.1 फीसदी पर आ गई। मुख्य रूप से खाद्य मुद्रास्फीति में भारी गिरावट से महंगाई दर नीचे आई है। उन्होंने कहा कि मजबूत सरकारी पूंजीगत व्यय सहित सहायक मौद्रिक, नियामकीय एवं राजकोषीय नीतियों से मांग में तेजी आने की उम्मीद है।

वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित महंगाई दर 3.1 फीसदी रहने का अनुमान है। दूसरी तिमाही में 2.1 फीसदी, तीसरी तिमाही में 3.1 फीसदी और चौथी तिमाही में 4.4 फीसदी रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के लिए खुदरा महंगाई दर 4.9 फीसदी रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि 2025-26 के लिए मुद्रास्फीति का अनुमान जून में अपेक्षा से अधिक अनुकूल रहा है।

# मेहुल कलर्स की स्टॉक मार्केट में मजबूत शुरुआत

एजेंसी

**नई दिल्ली।** देश में मास्टरबैच और पिगमेंट्स को बनाने और उसकी सप्लाई करने वाली कंपनी मेहुल कलर्स एंड मास्टरबैचेज के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 72 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 18.06 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 85 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर उछल कर 89.25 रुपये अपर सर्किट लेवल पर आ गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण अपर सर्किट ब्रेक हो गया। दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 86.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह पहले दिन के पहले सत्र के कारोबार में ही कंपनी के

आईपीओ निवेशकों को 20.14 प्रतिशत का मुनाफा हो गया है।

मेहुल कलर्स एंड मास्टरबैचेज का 21.66 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 7.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 30,08,000 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए मैन्युफैक्चरिंग प्लांट को लगाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। आईपीओ से एक दिन पहले कंपनी ने 29 जुलाई 2025 को एंकर निवेशकों से 6.15 रुपये करोड़ जुटाए थे। इसके लिए 8.54 लाख शेयरों का आवंटन 72 रुपये के भाव पर 5 प्रमुख एंकर निवेशकों को किया गया था। ये कंपनी देश में मास्टरबैच और पिगमेंट्स को बनाने और उसकी सप्लाई करने का काम करती है। कंपनी का प्रोडक्ट पोर्टफोलियो काफी बड़ा है, जिसमें व्हाइट, ब्लैक, कलर और ऐडिटिव मास्टरबैचेज शामिल हैं। इसके उत्पादों का इस्तेमाल प्लास्टिक, रबर और इलास्टोमर इंडस्ट्रीज में होता है।

## विल ओ रूर्के ज़िम्बाब्वे टेस्ट से बाहर, बेन को टीम में जगह बुलावायो। न्यूजीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ विल ओ रूर्के पीठ की चोट के कारण ज़िम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को इस बात की पुष्टि की। उनकी जगह बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ बेन लिस्टर को टीम में शामिल किया गया है। लिस्टर अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाए हैं और इस सीरीज़ के लिए उन्हें कवर के तौर पर बुलाया गया है।

ओ रूर्के ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट में हिस्सा लिया था, जहां तीसरे दिन खेल के दौरान उन्हें पीठ में अकड़न महसूस हुई थी। उन्होंने उस मुकाबले में कुल 23 ओवर फेंके थे और 3 विकेट झटके थे। पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड ने जम्बिाब्वे को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी। अब टीम दूसरा टेस्ट जीतकर दो मैचों की सीरीज़ में क्लीन स्वीप करना चाहेगी। दूसरा टेस्ट 7 अगस्त से बुलावायो के क्वींस क्रिकेट क्लब में शुरू होगा।

# शेयर बाजार में एनएसडीएल की मजबूत शुरुआत 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग

एजेंसी

**नई दिल्ली।** डिपॉजिटरी सर्विसेज मुहैया कराने वाली कंपनी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 800 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर 10 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 880 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण एनएसडीएल के शेयरों की चाल में तेजी आ गई। सुबह 11 बजे तक कारोबार होने के बाद एनएसडीएल के शेयर 899 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 12.38 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजटरी लिमिटेड का 4,011.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से

1 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 41.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 103.97 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 34.98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 7.76 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 15.39 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत कोई नया शेयर नहीं जारी हुआ है। आईपीओ में ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 5,01,45,001 शेयरों की बिक्री की गई है। आईपीओ के तहत आईडीबीआई बैंक ने 2,22,20,000 शेयर, एसबीआई ने 40 लाख शेयर, एनएसई ने 1,80,00,001 शेयर, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने 5 लाख शेयर, एचडीएफसी बैंक ने 20,10,000 शेयर और स्पेशिफाइड अंडरटेकिंग ऑफ यूनिट ट्रस्ट ऑफ इंडिया के एडमिनिस्ट्रेटर ने 34.15 लाख शेयर बेचे हैं।

## स्टॉक मार्केट में टाक्यों नेटवर्क्स की सपाट शुरुआत, लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** आईटी सॉल्यूशंस मुहैया कराने वाली कंपनी टाक्यों नेटवर्क्स के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 54 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 3.43 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 55.85 रुपये के स्तर पर हुई।

लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर 53.06 रुपये लोअर सर्किट लेवल पर आ गया। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 1.74 प्रतिशत का नुकसान हो गया हैटाक्यों नेटवर्क्स का 20.48 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से एक अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 21.77 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 13.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 37 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 19.99 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37.92 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

# स्टॉक मार्केट में बीडी इंडस्ट्रीज की फीकी एंट्री, सीमित दायरे में हो रहा है कारोबार

एजेंसी

**नई दिल्ली।** रोटेशनली मोल्डेड प्लास्टिक प्रोडक्ट्स बनाने वाली कंपनी बीडी इंडस्ट्रीज के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर मामूली बढ़त के साथ एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 108 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 90 पैसे की बढ़त के साथ इसकी लिस्टिंग 108.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद से ही ये शेयर सीमित दायरे में कारोबार कर रहा है। सुबह 11.30 बजे तक कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 108.25 रुपये के स्तर ट्रेड कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशक सिर्फ 0.23 प्रतिशत के मुनाफे में हैं।

बीडी इंडस्ट्रीज का 45.36 करोड़ रुपये का आईपीओ 30 जुलाई से 1 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए

खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.81 गुना सब्सक्राइब हो सका था।

इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 3.66 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.32 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 42 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, नई मशीनरी खरीदने वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.49 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.18 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 8.15 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।